RAJHIN/2016/70516

Bhilwara/171/2026-2028

सच्चाई से रूबरू

smarthalchal.com

स्मार्ट हलचल

वर्ष-10 अंक-286 जयपुर, मंगलवार, 14 अप्रैल 2026 मूल्य-4 रूपये

होर्मुज पर अमेरिकी नेवी की नाकाबंदी

ट्रम्प की धमकी- इसके पास आए ईरानी जहाज तबाह करेंगे, ईरान ने कहा- कोई बंदरगाह सुरक्षित नहीं रहेगा

ईरान बोला- भारत से कोई टोल नहीं लिया

तेहरान/वॉशिंगटन डीसी

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प की तरफ से होर्मुज स्ट्रेट में समुद्री नाकाबंदी शुरू हो गई है। यह फैसला शाम 7:30 बजे (अमेरिकी समयानुसार सुबह 10 बजे) से लागू हुआ। ट्रम्प ने चेतावनी दी कि अगर कोई भी ईरानी जहाज

अमेरिकी नाकाबंदी के पास आता है, तो उसे तुरंत खत्म कर दिया जाएगा। इसके लिए वही तरीका इस्तेमाल होगा, जिससे समुद्र में ड्रग तस्करों के जहाज रोके जाते हैं, यानी तेजी और सख्ती से।

इस फैसले के तहत जो भी जहाज होर्मुज से गुजरने की कोशिश करेगा, उसे रोककर जांच की जाएगी। खास तौर पर उन जहाजों पर नजर रखी जाएगी, जिन्होंने ईरान को टोल दिया है।

मिडिल ईस्ट में यूएस नेवी के 15 युद्धपोत तैनात

मिडिल ईस्ट में बढ़ते तनाव के बीच अमेरिका ने कम से कम 15 युद्धपोतों की पहचान बनाए रखी है। रिपोर्ट के मुताबिक, इसमें प्लेन कैरियर यूएसएस अब्राहम लिंकन और 11 डिस्ट्रॉयर शामिल हैं, जो ईरान के बंदरगाहों की समुद्री नाकेबंदी में हिस्सा ले सकते हैं। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के आदेश के बाद यह सैन्य तैनाती और सख्ती कर दी गई है। रिपोर्ट में कहा गया है कि पाकिस्तान में हुई वार्ता विफल रहने के बाद अमेरिका ने ईरान पर दबाव बढ़ाया है। अमेरिका की प्राथमिकता ईरान के परमाणु कार्यक्रम को रोकना और उसके पास मौजूद संवर्धित यूरेनियम को हटाना है। ईरान ने साफ कहा है कि अगर युद्धविराम की समयसीमा तक कोई समझौता नहीं हुआ, तो हालात ईरान के लिए 'अच्छे नहीं होंगे।'

ट्रम्प ने कल कहा था कि जो जहाज ईरान को गैरकानूनी टोल देंगे, उन्हें सुरक्षित रास्ता नहीं दिया जाएगा। इससे ईरान की आर्थिक ताकत कम की जाएगी।

वहीं, भारत में ईरान के राजदूत मोहम्मद फतहली ने कहा कि होर्मुज स्ट्रेट से गुजरने वाले भारतीय जहाजों से अब तक कोई टोल नहीं लिया गया है। ईरान यहां से भारतीय जहाजों को सुरक्षित गुजरने में मदद करेगा।

ब्रिटेन ने होर्मुज संकट पर ग्लोबल नेताओं की बैठक बुलाई

ब्रिटेन के प्रधानमंत्री कीर स्टार्मर ने कहा है कि इस हफ्ते होर्मुज संकट को लेकर ग्लोबल नेताओं की एक अहम बैठक आयोजित की जाएगी। यह बैठक फ्रांस के राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों के साथ मिलकर बुलाई जाएगी।

उन्होंने कहा कि इस बैठक का मकसद होर्मुज संकट का डिप्लोमेटिक समाधान तलाशना और जहाजों की सुरक्षित आवाजाही तय करना होगा। इस संकट का हल सिर्फ बातचीत से ही संभव है।

ईरान ने अमेरिकी नाकाबंदी पर उठाए सवाल

ईरान के विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता इस्माइल बघाई ने होर्मुज में अमेरिकी नाकाबंदी का विरोध किया है। उन्होंने सोशल मीडिया पर कहा कि क्या दुनिया की अर्थव्यवस्था को नुकसान पहुंचाकर कोई युद्ध जीता जा सकता है। उनका यह बयान ऐसे समय में आया है जब ट्रम्प ने ईरानी जहाजों को चेतावनी दी है कि अगर वे नाकाबंदी के पास आए, तो उन्हें तुरंत खत्म कर दिया जाएगा।

कच्चा तेल 100 डॉलर के पार

अमेरिका और ईरान के बीच 21 घंटे चली युद्धविराम वार्ता बेनतीजा रहने के बाद कच्चे तेल की कीमतें फिर 100 डॉलर प्रति बैरल के आसपास पहुंच गई हैं। इसके बावजूद अमेरिकी शेयर बाजार में गिरावट नहीं दिखी। एसएंडपी 500 और नैस्डैक में हल्की बढ़त रही, जबकि डाउ जोंस मामूली गिरावट के साथ कारोबार करता दिखा।

ईरान का 5 साल तक परमाणु प्रोजेक्ट रोकने का प्रस्ताव

पाकिस्तान के इस्लामाबाद में हुई वार्ता में अमेरिका और ईरान ने ईरान की परमाणु गतिविधियों को रोकने के लिए एक-दूसरे को प्रस्ताव दिए थे। न्यूयॉर्क टाइम्स की रिपोर्ट के मुताबिक ईरान ने 5 साल तक परमाणु प्रोजेक्ट रोकने का प्रस्ताव दिया था। हालांकि अमेरिका ने इसे स्वीकार नहीं किया और 20 साल की रोक की मांग पर जोर दिया है।

रेड क्रॉस ने लेबनान में मेडिकल कर्मियों पर हमले पर चिंता जताई

रेड क्रॉस ने लेबनान में मेडिकल कर्मियों पर हो रहे हमलों पर चिंता जताई है। हाल ही में दक्षिण लेबनान के एक इलाके में हमले में एक पैरामेडिक (हेल्थ वर्कर) की मौत हो गई थी। रेड क्रॉस ने कहा कि जो लोग दूसरों की जान बचाने का काम करते हैं, उनकी मौत बेहद चिंताजनक है। संगठन ने सभी पक्षों से अपील की है कि वे अंतरराष्ट्रीय मानवीय कानून का पालन करें और मेडिकल टीमों को सुरक्षित काम करने दें।

महाराष्ट्र के ठाणे में सड़क हादसा, 11 की मौत

मृतकों में 3 महिलाएं, 2 की हालत गंभीर, वैन से टकराया सीमेंट मिक्सर ट्रक

ठाणे (महाराष्ट्र)

महाराष्ट्र के ठाणे में सोमवार को सड़क हादसे में 11 लोगों की मौत हो गई। दो गंभीर घायल हुए हैं। पुलिस के मुताबिक हादसा सुबह करीब 10:45 बजे मुर्बाड के गोविली गांव स्थित रैता ब्रिज पर हुआ। कल्याण से मुर्बाड जा रही वैन की सामने से आ रहे सीमेंट मिक्सर ट्रक से टक्कर हो गई।

टक्कर इतनी भीषण थी कि वैन में सवार 11 लोगों की मौके पर ही मौत हो गई। मुर्बाड के तहसीलदार अभिजीत देशमुख ने बताया कि घायलों को उल्हासनगर के सेंट्रल अस्पताल में भर्ती कराया गया है।

मरने वालों में 8 पुरुष और 3 महिलाएं हैं। अब तक 6 मृतकों की पहचान हो चुकी है, बाकी की पहचान जारी है। हादसे के बाद कुछ घंटों तक कल्याण से अहिल्यानगर रोड पर लंबा जाम लगा था।

कल्याण से मुरबाड के बीच चलती थी वैन

वैन रोजाना की तरह आज सुबह भी पैसेंजर्स को लेकर कल्याण से मुरबाड जा रही थी। वैन में ड्राइवर समेत 12-13 लोग सवार थे। इसी दौरान रैता ब्रिज पर सामने से आ रहे सीमेंट मिक्सर से टक्कर हो गई। राहगीरों ने बताया कि दोनों गाड़ियां स्पीड में थीं।

टक्कर इतनी भीषण थी कि वैन में सवार किसी को बाहर निकलने का मौका नहीं मिला। इनमें से 9 लोगों की मौके पर ही मौत हो गई थी। दो ने अस्पताल पहुंचने से पहले दम तोड़ दिया। अन्य दो घायलों की हालत भी गंभीर है।

टोल पर विवाद, कांग्रेस विधायक हिरासत में

श्रीगंगानगर

श्रीगंगानगर-पदमपुर स्टेट हाईवे पर 18 बीबी टोल प्लाजा को फिर से खोलने पर विवाद हो गया। सोमवार दोपहर 12 बजे श्रीकरणपुर कांग्रेस विधायक रूपिंदर सिंह कुन्नर अपने समर्थकों के साथ मौके पर पहुंचे और टोल वसूली का विरोध करते हुए धरने पर बैठ गए।

इसी दौरान पुलिस और विधायक समर्थकों के बीच धक्का-मुक्की हो गई। पुलिस ने कुछ लोगों को गाड़ी में बैठा लिया, लेकिन वापस छोड़ दिया। तनाव की स्थिति को देखते हुए एडीएसपी और डीएसपी के नेतृत्व में पांच थानों की पुलिस मौके पर तैनात है।

गुजरात में ट्रक ने पैदल चल रहे श्रद्धालुओं को कुचला, 7 की मौत

सुरेंद्रनगर

गुजरात के सुरेंद्रनगर में सोमवार सुबह लखतर-विरामगाम नेशनल हाईवे पर एक ट्रक ने पैदल चल रहे श्रद्धालुओं को कुचल दिया। हादसे में 7 लोगों की मौत हो गई, जबकि चार घायल हो गए। घायलों को सुरेंद्रनगर के अलग-अलग हॉस्पिटल में एडमिट करवाया गया है। घायलों की हालत भी गंभीर बनी हुई है। लखतर पुलिस इंस्पेक्टर योगेश पटेल ने बताया कि घटना लखतर-विरामगाम हाईवे पर रात करीब रात करीब 1:30 बजे हुई। तीर्थयात्रियों का एक ग्रुप पैदल राजकोट से बहुचराजी माता मंदिर जा रहा था। तभी पीछे से आ रहे एक ट्रक ने सभी को कुचल दिया। हादसे में छह तीर्थयात्रियों और सड़क किनारे खड़े एक डंपर के ड्राइवर की मौत हो गई। मृतकों में 5 पुरुष और 2 महिलाएं शामिल हैं।

हादसे के बाद ट्रक चालक मौके से फरार हो गया था। बाद में इसे गिरफ्तार कर लिया गया। एक श्रद्धालु ने बताया- राजकोट के दत्ता गांव से ठाकर के दर्शन करने के बाद हम लोग राजबाई मानी का झंडा फहराने के लिए विरामगाम जा रहे थे। सभी लोग सड़क किनारे चल रहे थे। तभी लखतर-विरामगाम हाईवे पर फुल स्पीड में आ रहे एक ट्रक ने पीछे श्रद्धालुओं को कुचल दिया।

वेतन बढ़ाने की मांग को लेकर सड़कों पर उतरे कर्मचारी

नोएडा में हिंसक प्रदर्शन, 350 फैक्ट्रियों में तोड़फोड़

नोएडा

नोएडा में सोमवार को फैक्ट्री कर्मचारियों ने हिंसक प्रदर्शन किया। 9 अप्रैल से सैलरी बढ़ाने की मांग को लेकर आंदोलन कर रहे 42 हजार कर्मचारी सड़कों पर उतर आए। कर्मचारियों ने अलग-अलग इलाकों में फैक्ट्रियों में पथराव, तोड़फोड़ की।

कर्मचारियों ने कई गाड़ियों के शीशे तोड़ दिए और करीब 50 से ज्यादा फूंक दीं। पुलिस की गाड़ियां भी पलट दी। हालात बिगड़े तो कई थानों की फोर्स मौके पर पहुंची। कर्मचारियों ने उन पर पथराव कर

दिया। फिर पुलिस ने आंसू गैस के गोले छोड़े। कर्मचारियों का कहना था कि जब तक मांगें नहीं मानी जातीं, वो रुकेंगे नहीं।

पुलिस ने करीब 200 कर्मचारियों को हिरासत में लिया है। 60 लोगों के खिलाफ केस दर्ज हुआ है। खास बात है कि इस प्रदर्शन का कोई चेहरा या लीडर नहीं था। 18 से 30 साल के युवा हिंसक प्रदर्शन कर रहे थे।

नोएडा आंत्रप्रेन्योर एसोसिएशन के अध्यक्ष विपिन मल्हन के मुताबिक करीब 350 से ज्यादा इंडस्ट्री में तोड़फोड़ और 150 वाहन तोड़े गए हैं। सबसे पहले फेज-2 इलाके में हालात खराब हुए। सुनवाई न होने से कर्मचारी उग्र हो गए। पथराव कर दिया। फेज-2 के बाद धीरे-धीरे प्रदर्शन नोएडा के करीब 10 इंडस्ट्रियल इलाकों और आसपास के जिलों में फैल गया।

कर्मचारियों ने नोएडा सेक्टर-57 में 30 से ज्यादा फैक्ट्रियों और दफ्तरों में तोड़फोड़ की। सेक्टर-40 और 60 में कंपनियों का घेराव किया। सेक्टर 85 में डिक्सन कंपनी का गेट तोड़ दिया। सेक्टर 1, 15, 62 और DND फ्लाइओवर के पास सड़क जाम कर दी।

योगी सरकार ने हाई लेवल कमेटी बनाई

यूपी सरकार ने वर्कर्स के हिंसक प्रदर्शन को देखते हुए हाई लेवल कमेटी बनाई है। कमेटी में औद्योगिक विकास आयुक्त अध्यक्ष होंगे, जबकि अपर मुख्य सचिव (एमएसएमई), प्रमुख सचिव (श्रम) और श्रम आयुक्त सदस्य हैं। श्रमिक संगठनों के 5 और उद्यमी संघ के 3 प्रतिनिधि भी शामिल किए गए हैं। सरकार ने समिति को जल्द रिपोर्ट देने के निर्देश दिए हैं।

केजरीवाल ने जस्टिस स्वर्ण कांता शर्मा की बेंच से हटने की मांग की

नई दिल्ली

आम आदमी पार्टी के राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल ने दिल्ली हाई कोर्ट में जस्टिस स्वर्ण कांता शर्मा को केस की सुनवाई से हटने की अर्जी दी है।

केजरीवाल ने तर्क दिया कि जस्टिस शर्मा भाजपा और आरएसएस से जुड़े कार्यक्रमों में चार बार शामिल हो चुकी हैं, जिससे उनके मन में पक्षपात की 'तार्किक आशंका' पैदा होती है। उन्होंने कहा कि न्याय के लिए न्यायाधीश का वास्तव में पक्षपाती होना जरूरी नहीं है, बल्कि मुवक्किल के मन में इसकी आशंका होना ही केस से हटने का पर्याप्त आधार है।

अरविंद केजरीवाल ने सोमवार को हाईकोर्ट जस्टिस स्वर्णकांता शर्मा से दिल्ली शराब घोटाला केस से हटने (रिक्यूज) की फिर मांग की। उन्होंने कोर्ट में डेढ़ घंटे दलीलें रखीं। उन्होंने कहा, मुझे पहले से ही दोषी माना जा रहा है। जस्टिस शर्मा के आदेशों में एक पैटर्न दिखता है, जिसमें ED और CBI के हर तर्क को स्वीकार किया जाता है।

पंचतत्व में विलीन हुई आशा भोसले

अंतिम संस्कार में बॉलीवुड सिंगर्स ने अभी ना जाओ छोड़कर... गाया

मुंबई

सिंगर आशा भोसले का राजकीय सम्मान के साथ शिवाजी पार्क श्मशान घाट पर अंतिम संस्कार हुआ। उन्हें महाराष्ट्र पुलिस ने गार्ड ऑफ ऑनर दिया। बॉलीवुड सिंगर्स ने उनका गाना 'अभी ना जाओ छोड़कर...' गाकर विदाई दी।

सोमवार सुबह उनका पार्थिव शरीर अंतिम दर्शन के लिए उनके

मुंबई स्थित निवास कासा ग्रांडे में रखा गया था। उन्हें तिरंगे में लपेटकर सलामी भी दी गई।

शिवाजी पार्क श्मशान घाट में अंतिम संस्कार से पहले सोमवार सुबह आशा भोसले के पार्थिव शरीर को अंतिम दर्शन के लिए मुंबई स्थित उनके निवास 'कासा ग्रांडे' में रखा गया। सचिन तेंदुलकर, रणवीर सिंह, जैकी श्रॉफ, रितेश देशमुख सहित कई सेलेब्स अंतिम दर्शन के लिए पहुंचे।

आशा भोसले से जुड़ा कंटेंट दिखाने पर पाकिस्तानी न्यूज चैनल को नोटिस

पाकिस्तान इलेक्ट्रॉनिक मीडिया रेगुलेटरी अथॉरिटी ने आशा भोसले के निधन से जुड़ा कंटेंट दिखाने के लिए जियो न्यूज को कारण बताओ नोटिस जारी किया है। जियो न्यूज के मैनेजिंग डायरेक्टर और एसोसिएशन ऑफ इलेक्ट्रॉनिक मीडिया एडिटर्स एंड न्यूज डायरेक्टर्स के प्रेसिडेंट अजहर अब्बास ने एक्स पर यह जानकारी शेयर की।

जयपुर में विधानसभा-हाईकोर्ट को बम से उड़ाने की धमकी

जयपुर

जयपुर में सोमवार को राजस्थान विधानसभा, हाईकोर्ट और सेशन कोर्ट को बम से उड़ाने की धमकी दी गई। विधानसभा सचिवालय को सुबह 11:10 बजे एक ईमेल आया। इसमें अगले 3 घंटे में विधानसभा भवन को आरडीएक्स से उड़ाने की धमकी दी गई थी। विधानसभा अध्यक्ष वासुदेव देवनानी ने बताया- ईमेल में लिखा था कि साइनाइड ऋष्ठङ्ग के 15 धमाके किए जाएंगे। यह ईमेल इसलिए किया गया, क्योंकि किसी भी ब्राह्मण को डीएमके जॉइन नहीं करना चाहिए।

बम निरोधक दस्ता, डॉग स्क्वॉड और स्पेशल टीमों ने विधानसभा परिसर सहित आसपास के एरिया में करीब ढाई घंटे तक सर्च ऑपरेशन चलाया। इस दौरान कर्मचारियों को बाहर निकालकर परिसर को खाली करवा लिया था।

सर्च में किसी प्रकार की कोई संदिग्ध वस्तु नहीं मिली। इस बीच पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत भी विधानसभा पहुंचे थे। सर्च ऑपरेशन चलने के कारण वे लौट गए।

पीएम बोले - 21वीं सदी के सबसे बड़े निर्णयों में से एक की दहलीज पर भारत

हमारी योजनाओं से औरतें आर्थिक रूप से ताकतवर बनीं: मोदी

नई दिल्ली

पीएम नरेंद्र मोदी ने सोमवार को महिला आरक्षण बिल पर कहा, 'हमारे देश की संसद एक नया इतिहास रचने के करीब है। विधानसभाओं से लेकर संसद तक दशकों की प्रतीक्षा के अंत का समय आ गया है। इसलिए सरकार 16 से 18 अप्रैल तक संसद का स्पेशल सेशन लाई है।' उन्होंने कहा, 'नारी शक्ति वंदन अधिनियम महिलाओं के जीवन का बड़ा अवसर बनने जा रहा है। संसद तक पहुंचने का रास्ता आसान बनने जा रहा है। आज महिलाओं की भूमिका और भी अहम हो गई है। हमारी योजनाओं से औरतें आर्थिक रूप से ताकतवर बनीं। उन्होंने कहा कि मैं गृहस्थ नहीं हूं, लेकिन जानता सब हूं।'

पीएम मोदी ने कहा, 'हमारी सरकार महिलाओं के लिए कई योजनाएं लेकर हाजिर है। बेटी बचाओ-बेटी पढ़ाओ, मातृत्व योजना, जन्म के बाद सुकन्या समृद्धि योजना, सही समय पर टीके लगें इसके लिए मिशन इंद्र धनुष शुरू किया।'

स्कूल में शौचालय की परेशानी न हो स्वच्छ भारत अभियान, मुफ्त सेनेटरी पैड, खेलों में सालाना 1 लाख की मदद, भविष्य में सेना में जाना चाहे तो सरकार ने सैनिक स्कूल के दरवाजे खोले। जीवन के आगे के पड़ाव में रसोई में धुएं की परेशानी से बचाने उज्जवला योजना, पानी के लिए हर घर नल, 5 लाख तक मुफ्त इलाज देने वाली आयुष्मान योजना। इन सबका सबसे ज्यादा लाभ हमारी बहनों और बेटियों को हो रहा है।

3 करोड़ से ज्यादा महिलाएं अपने घर की मालिक बनी हैं। आम तौर पर पिता और बेटा व्यापार की बात करते हैं न और मां आ जाए तो कहते हैं तुम जाओ। अब जब वो आर्थिक सशक्त हो गई हैं तो बेटा भी कहता है कि मां को बुलाइए न। उन्होंने कहा कि मैं गृहस्थ नहीं हूं, लेकिन जानता सब हूं।

'भारत की सभी महिलाओं को एक नए युग के आगमन की बधाई भी देता हूं। लोकतांत्रिक संरचना में महिलाओं को आरक्षण देने की जरूरत दशकों से हर कोई महसूस कर रहा है।'

'महिला आरक्षण बिल पर विमर्श को करीब चालीस साल बीत गए। इसमें सभी पार्टियों के और कितनी ही पीढ़ियों के प्रयास शामिल हैं। हर दल ने इस विचार को अपने अपने ढंग से आगे बढ़ाया है।'

'2023 में जब यह अधिनियम आया था तब भी सभी दलों ने सर्व सम्मति से इसे पास कराया था। एक सुर में यह बात भी उठी थी कि इसे हर हाल में 2029 तक लागू हो जाना चाहिए।' देश की महिलाएं अपने सांसदों से मिलें अपना पक्ष रखें अपेक्षाएं बताएं, जिस दिन वे सदन में आने के लिए निकलें तो फूल माला देकर उन्हें विदाई दीजिए, ताकि जब सांसद माता-बहनों का आशीर्वाद लेकर निकलेंगे न तो दूसरा निर्णय कर ही नहीं सकेंगे।'

राजस्थान में इस हफ्ते 40 डिग्री के पार होगा तापमान

12 से ज्यादा शहरों का तापमान 35 डिग्री सेल्सियस से ऊपर दर्ज

जयपुर

राजस्थान में आंधी-बारिश का दौर थमने के साथ ही धीरे-धीरे गर्मी बढ़ने लगी है। रविवार सुबह से आसमान साफ रहा और धूप निकलने के साथ ही हल्की गर्मी बढ़ गई।

पश्चिमी जिलों के अलावा पूर्वी और दक्षिण के 12 से ज्यादा जिलों में रविवार दिन का अधिकतम तापमान 35 से 40 डिग्री सेल्सियस के बीच दर्ज हुआ। दिन के साथ अब कुछ शहरों में रात में भी ठंडक कम होने लगी। यहां न्यूनतम तापमान 20 डिग्री सेल्सियस से ऊपर दर्ज होने लगा है। मौसम विज्ञान केन्द्र जयपुर ने राज्य में

अगले 4-5 दिन आसमान साफ रहने और तापमान में 3-4 डिग्री सेल्सियस तक बढ़ोतरी होने का अनुमान जताया है।

पिछले 24 घंटे का मौसम देखें तो राज्य के सभी शहरों में आसमान साफ रहा। बीकानेर, जोधपुर संभाग के जिलों में सुबह से धूप तेज रही और देर शाम तक गर्मी का असर रहा। रविवार दिन का सबसे अधिक अधिकतम तापमान 39.4 डिग्री सेल्सियस बाड़मेर में दर्ज हुआ।

मौसम विज्ञान केन्द्र जयपुर के निदेशक राधेश्याम शर्मा ने बताया- राजस्थान में अगले 4-5 दिन मौसम ड्राय रहेगा। इस सप्ताह कई शहरों का अधिकतम तापमान 3-4 डिग्री सेल्सियस तक बढ़ सकता है।

पश्चिमी जिलों में कहीं-कहीं तापमान 40 डिग्री सेल्सियस से ऊपर भी जा सकता है। हालांकि अगले चार-पांच दिन हीटवेव चलने की संभावना नहीं है।

जेद्दा जा रहे यात्रियों को लखनऊ एयरपोर्ट पर विमान से उतारा, यात्री नाराज

लखनऊ (एजेंसी)। सऊदी एयरलाइंस की जेद्दा जाने वाली फ्लाइट एसवी-893 से 54 यात्रियों को लखनऊ एयरपोर्ट पर ही उतार दिया। एयरपोर्ट सूत्रों के मुताबिक ये सभी यात्री लखनऊ से जेद्दा जा रहे थे। वहां से दुबई कनेक्टिंग फ्लाइट एसवी-588 से जाना था, लेकिन कनेक्टिंग फ्लाइट को अचानक रद्द कर दिया गया। इस वजह से यात्रियों के टिकट रद्द कर दिए गए और उन्हें लखनऊ में ही रोक दिया। यह घटना बीती रात की है। उड़ान का तय समय तड़के 2:30 बजे था। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक इस अचानक लिए गए फैसले से यात्रियों में नाराजगी दिखी। यात्रियों ने आरोप लगाया कि उन्हें समय रहते सूचना नहीं दी गई और न ही कोई वैकल्पिक व्यवस्था की गई। शुरुआत में रिफंड न मिलने से वह आक्रोशित भी थे। बाद में एयरलाइन अधिकारियों ने रिफंड का आश्वासन दिया, जिसके बाद यात्री घर लौट गए। सूत्रों का कहना है कि खाड़ी क्षेत्र में चल रहे तनाव और युद्ध जैसी स्थिति के कारण कनेक्टिंग फ्लाइट रद्द की गई। हालांकि, इस संबंध में एयरलाइन की ओर से कोई आधिकारिक बयान जारी नहीं किया गया है।

वसुंधरा का छलका दर्द कहा- मैं खुद की जमीन नहीं बचा पाई तो दूसरों के लिए क्या लड़ूंगी?

जयपुर (एजेंसी)। मुख्यमंत्री न बन पाने की टीस कहीं न कहीं भाजपा की वरिष्ठ नेता वसुंधरा राजे सिंधिया के मन में है। शायद यही वजह है कि एक बार उनका दर्द छलका और उनकी जुबान पर आ गया। उन्होंने झालावाड़ा में जनसभा को संबोधित करते हुए कहा कि जब मैं खुद को और अपनी जमीन को नहीं बचा पाई तो आपके लिए क्या लड़ूंगी। उनके इस बयान से राजस्थान से लेकर दिल्ली तक हड़कंप मच गया। बाद में उन्होंने सफाई देते हुए कहा कि मेरे बयान को तोड़मरोड़कर पेश किया गया है, मेरा मतलब मेरे खुद के अनुभवों से था। दरअसल, सभा में जनता को संबोधित करते हुए राजे ने मुस्कराते हुए कहा था कि जब वे खुद को और अपनी जमीन को नहीं बचा पाईं, तो दूसरों के लिए क्या लड़ सकती हैं। उन्होंने धौलपुर में सड़क निर्माण के दौरान अपनी जमीन चले जाने का उदाहरण देते हुए कहा, मेरा चला गया, मैं नहीं बचा सकी अपने आपको। राजे के इस बयान को राजनीतिक विश्लेषक मुख्यमंत्री पद न मिलने की टीस और पार्टी आलाकमान के प्रति उनके असंतोष के रूप में देख रहे हैं। हालांकि, विवाद बढ़ता देख राजे ने स्पष्टीकरण दिया कि उनके शब्दों को तोड़-मरोड़कर पेश किया जा रहा है और उनका तात्पर्य पद से नहीं, बल्कि व्यक्तिगत अनुभवों से था। इस घटनाक्रम पर भाजपा प्रदेश अध्यक्ष मदन राठौड़ ने बीकानेर दौरे के दौरान बेहद सधे हुए लेकिन कड़े अंदाज में प्रतिक्रिया दी। राठौड़ ने ठेठ राजस्थानी (मारवाड़ी) कहावत- 'चिट्ठी चूर-चूर करे, मांगे डाल और घी, मोदी सु कुन झगड़ो करे, चिट्ठी खानी नाल' का सहारा लेकर राजे को परोक्ष रूप से नसीहत दी। इस कहावत का अर्थ यह है कि जो कुछ भी प्राप्त हुआ है, उसमें संतोष कर उसका आनंद लेना चाहिए और जिस स्रोत से भरण-पोषण हो रहा है, उससे विवाद मोल लेना आत्मघाती हो सकता है। राठौड़ का यह कटाक्ष स्पष्ट रूप से यह संदेश देता है कि पार्टी में अनुशासन सर्वोपरि है और वर्तमान स्थिति को स्वीकार करना ही श्रेयस्कर है। उन्होंने यह भी जोड़ा कि राजे आज भी पार्टी की वरिष्ठ नेता हैं और उनके सभी कार्य समय पर हो रहे हैं। लेकिन जानकारों का मानना है कि चुनाव के काफी समय पहले ही इस तरह की बयानबाजी राजस्थान भाजपा में आंतरिक गुटबाजी और नेतृत्व के बीच की खाई को दर्शा रही है, जो आने वाले समय में बड़ी चुनौती बन सकती है।

बोकारो में 28 पुलिसकर्मी सस्पेंड

बोकारो (एजेंसी)। झारखंड में संभवत- ऐसा पहली बार हुआ है, जब किसी मामले के निष्पादन में जानबूझकर लापरवाही बरतने के आरोप में पूरे थाने को सस्पेंड किया गया हो। ऐसा उदाहरण बोकारो जिले के पिंड्राजोरा थाने का है। बोकारो एसपी ने इस थाने में कार्यरत 10 सब इंस्पेक्टर, पांच असिस्टेंट सब इंस्पेक्टर, दो हवलदार और 11 सिपाही को सस्पेंड किया है। बोकारो एसपी ऑफिस से शनिवार की देर रात यह आदेश जारी किया गया है। दरअसल, 24 जुलाई 2025 को जिले के पिंड्राजोरा थाने की रहने वाली 18 साल की पुष्पा महतो के लापता होने का मामला उसकी मां रेखा देवी ने दर्ज कराया था। लेकिन लगभग 9 महीने तक पुलिस इसे नहीं तलाश पा रही थी। इसके बाद परिजन हाईकोर्ट पहुंच गए। मामले में हाईकोर्ट में पुलिस की कार्रवाई के लिए फटकार लगाई। डीजीपी से लेकर एसपी तक को कोर्ट में हाजिर होना पड़ा। इसके बाद पुलिस ने एक ही दिन में पूरे मामले का खुलासा कर दिया। पुलिस ने लापता युवती का कंकाल भी बरामद कर लिया और आरोपी को भी अरेस्ट कर लिया।

मां वैष्णो देवी यात्रा में उमड़े श्रद्धालू, कटड़ा में दिखा उत्सव जैसा माहौल

जम्मू (एजेंसी)। जम्मू-कश्मीर के विश्व प्रसिद्ध तीर्थस्थल मां वैष्णो देवी मंदिर में इन दिनों श्रद्धालुओं का जनसैलाब उमड़ रहा है। आधार शिविर कटड़ा से लेकर भवन परिसर और यात्रा मार्गों तक हर जगह भक्तों की भीड़ देखने को मिल रही है। जयकारों और भक्ति भाव से पूरा क्षेत्र उत्सवमय माहौल में डूबा नजर आ रहा है।

रविवार सुबह से ही कटड़ा के पंजीकरण काउंटरों पर लंबी कतारें लगनी शुरू हो गईं। श्रद्धालु नए ताराकोट मार्ग और दर्शनी ड्योढ़ी प्रवेश द्वार पर सुरक्षा जांच और पंजीकरण प्रक्रिया के लिए अपनी बारी का इंतजार करते दिखाई दिए। बड़ी संख्या में लोग परिवार और मित्रों के साथ मां के जयकारे लगाते हुए यात्रा मार्ग की ओर बढ़ते रहे। भवन परिसर में भी दर्शन के लिए श्रद्धालुओं की कतारें लगातार आगे बढ़ती रहीं। मौसम साफ रहने और दिनभर धूप खिली रहने से यात्रा का अनुभव और भी सुखद बना रहा, हालांकि ठंडी हवाओं का असर भी बना रहा, जिससे मौसम सुहावना बना रहा।

मीडिया रिपोर्ट के अनुसार यात्रा के चलते स्थानीय बाजारों में भी खासा उत्साह देखने को मिल रहा है। दर्शन के बाद श्रद्धालु कटड़ा के बाजारों में प्रसाद और धार्मिक सामग्री की खरीदारी करते नजर आए, जिससे व्यापारिक गतिविधियों में तेजी आई है। श्रद्धालुओं की बढ़ती संख्या को देखते हुए प्रशासन पूरी तरह सतर्क है। सीआरपीएफ, पुलिस, श्राइन बोर्ड और आपदा प्रबंधन दल के जवान यात्रा मार्गों और प्रमुख स्थलों पर तैनात हैं। सुरक्षा के कड़े इंतजामों के साथ-साथ पूरी यात्रा व्यवस्था पर लगातार निगरानी रखी जा रही है, ताकि श्रद्धालुओं की यात्रा सुरक्षित और सुचारु रूप से जारी रह सके।

पश्चिम बंगाल की सीएम ममता बनर्जी का दावा, बोलीं- देश का सबसे बड़ा घोटाला है एसआईआर

कोलकाता (एजेंसी)। पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने रविवार को भाजपा पर चुनावों से पहले मतदाताओं को रिश्वत देने का आरोप लगाया। इसके साथ ही उन्होंने बंगाल चुनाव से पहले मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) को हालिया समय का देश का सबसे बड़ा घोटाला बताया। पूर्वी बर्धवान जिले के खंडाघोष में एक रैली को संबोधित करते हुए ममता बनर्जी ने दावा किया कि अगर भाजपा राज्य में सत्ता में आई तो वह पश्चिम बंगाल के लोगों से सब कुछ छीन लेगी। उन्होंने कहा कि भाजपा चुनावों से पहले मतदाताओं को रिश्वत देती है। लेकिन वे मतदान खत्म होने के तुरंत बाद अपने वादे भूल जाते हैं। यह बिहार चुनावों में देखा गया था।

तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) प्रमुख ने आगे आरोप लगाया कि भाजपा चुनाव जीतने के लिए मतदान प्रक्रिया में हेरफेर करने की कोशिश करेगी। उन्होंने लोगों से सतर्क रहने और मतदान मशीनों पर नजर रखने का आग्रह किया। ममता बनर्जी ने कहा कि मतदान मशीनों के बारे में सतर्क रहें। भाजपा ने धीमी वोटिंग और धीमी मतगणना की योजना बनाई है। उनकी सभी योजनाओं को असफल करें। मुख्यमंत्री ने कहा कि एसआईआर हाल के समय में देश द्वारा देखा गया सबसे बड़ा घोटाला है। उन्होंने यह भी भविष्यवाणी की कि केंद्र में भाजपा सरकार 2026 में गिर जाएगी। उन्होंने कहा कि दुनिया जानती है कि आपकी सरकार 2026 में गिर जाएगी। हम तब आपकी सरकार द्वारा लाए गए सभी जन-विरोधी कानूनों को रद्द कर देंगे।

हुमायूं कबीर के वायरल वीडियो के सहारे लगाए आरोप

ममता बनर्जी ने भाजपा पर पश्चिम बंगाल की सत्ता से टीएमसी को बेदखल करने के लिए 1,000 करोड़ रुपये के सौदे का आरोप लगाया है। उन्होंने यह आरोप एक वायरल वीडियो का हवाला देते हुए लगाया, जिसमें आम आदमी उन्नयन पार्टी (एजेयूपी) के प्रमुख हुमायूं कबीर कथित तौर पर भाजपा नेताओं के साथ संपर्क में होने और अल्पसंख्यक वोटों को बांटकर टीएमसी को हराने के लिए 1,000 करोड़ रुपये के सौदे की अग्रिम राशि के तौर पर 200 करोड़ रुपये प्राप्त करने की बात कह रहे हैं। यह वीडियो सोशल मीडिया पर काफी वायरल हुआ है। हालांकि, इस वीडियो की प्रामाणिकता की स्वतंत्र रूप से पुष्टि नहीं की जा सकी है। ममता बनर्जी ने बांकुड़ा जिले के ओंडा में एक चुनावी रैली को संबोधित करते हुए कहा कि उन्होंने (भाजपा) पश्चिम बंगाल में टीएमसी को सत्ता से बेदखल करने के लिए 1,000 करोड़ रुपये का सौदा किया है।

मणिपुर में सुरक्षा बलों की बड़ी कार्रवाई, 21 अवैध बंकर नष्ट और 13 आईईडी बरामद, उखरुल और तेंगनौपाल जिलों में सर्च ऑपरेशन तेज

इंफाल (एजेंसी)। मणिपुर में सुरक्षा बलों ने उग्रवाद और अवैध गतिविधियों के खिलाफ बड़ी कार्रवाई करते हुए एक महत्वपूर्ण सफलता हासिल की है। राज्य के उखरुल जिला में 21 अवैध बंकरों को नष्ट कर दिया गया, जबकि अलग-अलग अभियान में तेंगनौपाल जिला से 13 आईईडी (इम्प्रोवाइज्ड एक्सप्लोसिव डिवाइस) भी बरामद किए गए हैं। जानकारी के अनुसार, यह कार्रवाई हाल ही में हुई उस घटना के बाद की गई है, जिसमें एक बीएसएफ जवान की गोली मारकर हत्या कर दी गई थी। इस घटना के बाद क्षेत्र में सुरक्षा एजेंसियों ने सघन तलाशी अभियान तेज कर दिया है और संवेदनशील इलाकों में अतिरिक्त बल तैनात किए गए हैं। अधिकारियों ने मीडिया को बताया कि शनिवार को उखरुल जिले के अंतर्गत लिटान पुलिस स्टेशन क्षेत्र में आने वाले सिकिबुंग गांव में सुरक्षा बलों ने 14 अवैध बंकरों को ध्वस्त किया। इसके अलावा मोंगकोट चेपु इलाके में सात अन्य बंकरों को भी नष्ट किया गया। अभियान के दौरान सुरक्षा बलों को 11 खाली कारतूस भी बरामद हुए, जिससे इलाके में हाल ही में हुई गतिविधियों के संकेत मिलते हैं। सुरक्षा एजेंसियों का मानना है कि ये बंकर असामाजिक और उग्रवादी तत्वों द्वारा छिपने और गतिविधियों को अंजाम देने के लिए बनाए गए थे। इन बंकरों के नष्ट होने से क्षेत्र में उनकी छिपने और ऑपरेशन क्षमता पर बड़ा असर पड़ेगा। इसी तरह, तेंगनौपाल जिले में चलाए गए एक अलग सर्च ऑपरेशन में 13 आईईडी बरामद किए गए, जिन्हें समय रहते निष्क्रिय कर दिया गया, जिससे एक बड़ी संभावित दुर्घटना टल गई। अधिकारियों ने बताया कि ये विस्फोटक संवेदनशील मार्गों और इलाकों को निशाना बनाने की साजिश का हिस्सा हो सकते थे। मणिपुर के कई हिस्सों में पिछले कुछ समय से सुरक्षा स्थिति तनावपूर्ण बनी हुई है। ऐसे में सुरक्षा बल लगातार सर्च ऑपरेशन, गश्त और तलाशी अभियान चला रहे हैं ताकि शांति व्यवस्था बहाल की जा सके।

गाने पर झूमी टीएमसी सांसद, भड़की भाजपा ने कहा- ये हिंदुओं के भावना से खिलवाड़

कोलकाता। पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव 2026 की सरगर्मियों के बीच तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) की सांसद और अभिनेत्री सायोनी घोष एक बार फिर बड़े राजनीतिक विवाद के केंद्र में आ गई हैं। सोशल मीडिया पर सायोनी का एक वीडियो तेजी से वायरल हो रहा है, जिसमें वह एक सार्वजनिक मंच पर काबा इन माई हार्ट एंड मदीना इन माई आईज (मेरे दिल में काबा और मेरी आंखों में मदीना) गीत पर झूमती और गाती नजर आ रही हैं। इस वीडियो के सामने आते ही भारतीय जनता पार्टी ने टीएमसी पर हिंदू विरोधी होने का आरोप लगाते हुए इसे बंगाल के हिंदुओं की भावनाओं के साथ खिलवाड़ करार दिया है। सायोनी घोष के लिए विवादों से नाता कोई नई बात नहीं है। भाजपा नेताओं ने इस वायरल वीडियो के साथ उनके उस पुराने विवादित ट्वीट को भी चर्चा में ला दिया है, जिसमें उन्होंने शिवलिंग को लेकर कथित तौर पर एक बेहद आपत्तिजनक पोस्ट किया था। भाजपा समर्थकों का तर्क है कि जो नेता हिंदू आस्था के प्रतीकों का अपमान करती रही हैं, वह अब मुस्लिम तुष्टिकरण के लिए मंचों से इस तरह के गीत गा रही हैं।

कर्नाटक में सीएम सिद्धारमैया के करीबी नेताओं पर एक्शन की तैयारी में आलाकमान

-रिपोर्टों में तीन नेताओं को पार्टी विरोधी गतिविधियों में शामिल पाया गया

नई दिल्ली (एजेंसी)। अल्पसंख्यक नेतृत्व के एकीकरण को लेकर कांग्रेस में तनाव बढ़ गया है। कहा जा रहा है कि पार्टी हाईकमान सीएम सिद्धारमैया के करीबी नेताओं की पार्टी विरोधी गतिविधियों से नाराज हैं। ऐसे में इन नेताओं पर पार्टी आलाकमान जल्द एक्शन ले सकता है। हाल ही में अल्पसंख्यक कल्याण बोर्ड के अध्यक्ष ने इस्तीफा दे दिया था। अब सीएम के राजनीतिक सचिव नजीर अहमद को पद छोड़ने के लिए कहा गया है। शनिवार को सिद्धामैया और हाईकमान के बीच देर रात तक कई दौर की बातचीत हुई।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक हाईकमान ने निर्देश दिया है कि दावणगेरे दक्षिण में पार्टी के खिलाफ काम करने वाले लोगों के खिलाफ कार्रवाई की जाए। सिद्धारमैया के करीबी सहयोगी और पूर्व जद(एस) नेता जमीर अहमद खान भी इस जांच के घेरे में आ गए हैं। इंटेलिजेंस विंग और एआईसीसी सचिव अभिषेक दत्त की दो अलग-अलग रिपोर्टों में जब्बार, नजीर अहमद और जमीर को पार्टी विरोधी गतिविधियों में शामिल पाया गया। उनपर आरोप हैं कि उन्होंने प्रतिद्वंद्वी उम्मीदवारों का समर्थन किया। इसके साथ ही उनके कंपेन के लिए फंडिंग की और चुनाव में भी मदद की।

पार्टी को शक है कि इनमें से कुछ नेताओं ने वित्तीय रूप से एसडीपीआई की मदद की होगी, जो कांग्रेस के लिए किसी बड़ी राजनीतिक चुनौती से कम नहीं है। इंटेलिजेंस इनपुट्स ने दावणगेरे दक्षिण में एक एसडीपीआई उम्मीदवार के समर्थन से जुड़े वित्तीय लेनदेन को ट्रैक किया है। तीनों नेताओं ने एक अल्पसंख्यक उम्मीदवार, सादिक पहलवान के लिए भी पुरजोर दबाव बनाया था। इसके बाद सिद्धारमैया को आंतरिक असंतोष को शांत करने के लिए सेकेंड लाइन मुस्लिम नेताओं रिजवान अरशद और सलीम अहमद को आगे लाना पड़ा। जब्बार और नजीर अहमद के खिलाफ कार्रवाई करने के बाद, सीएम अब जमीर अहमद को कैबिनेट से हटाने पर विचार कर रहे हैं।

जाति जनगणना पर कांग्रेस का केंद्र पर हमला, बोली- सरकार मुद्दे को टालना चाह रही

जयराम रमेश ने बयानों की टाइमलाइन जारी कर साधा निशाना

नई दिल्ली (एजेंसी)। नई दिल्ली में जाति जनगणना को लेकर सियासी घमासान तेज हो गया है। कांग्रेस ने केंद्र सरकार पर इस मुद्दे को ÷ठंडे बस्ते में डालने÷ का आरोप लगाया है। राज्यसभा सांसद और पार्टी महासचिव जयराम रमेश ने रविवार को सोशल मीडिया के जरिए सरकार के खिलाफ मोर्चा खोला।

जयराम रमेश ने कहा कि नरेंद्र मोदी सरकार जाति जनगणना को लेकर लगातार अपना रुख बदल रही है और देश को गुमराह कर रही है। उन्होंने पिछले कुछ वर्षों में केंद्र द्वारा दिए गए बयानों की एक टाइमलाइन साझा करते हुए दावा किया कि सरकार की मंशा स्पष्ट नहीं है। कांग्रेस नेता के अनुसार, 20 जुलाई 2021 को लोकसभा में सरकार ने स्पष्ट कहा था कि अनुसूचित जाति (एससी) और अनुसूचित जनजाति (एसटी) के अलावा अन्य जातियों की गणना नहीं की जाएगी। इसके बाद 21 सितंबर 2021 को सुप्रीम कोर्ट में दायर हलफनामे में भी केंद्र ने जाति जनगणना न कराने को एक नीतिगत निर्णय बताया था।

उन्होंने आगे कहा कि 28 अप्रैल 2024 को एक इंटरव्यू में प्रधानमंत्री मोदी ने जाति जनगणना की मांग को ÷अर्बन नक्सल मानसिकता÷ करार दिया था। वहीं, 30 अप्रैल 2025 को सरकार ने अचानक घोषणा की कि आगामी जनगणना में जाति आधारित आंकड़े भी जुटाए जाएंगे। जयराम रमेश ने यह भी उल्लेख किया कि 30 मार्च 2026 को जनगणना आयुक्त ने कहा था कि डिजिटल प्रक्रिया के कारण 2027 तक अधिकांश आंकड़े उपलब्ध हो जाएंगे। इसके बावजूद अब सरकार द्वारा यह संकेत दिया जा रहा है कि जाति जनगणना के परिणाम आने में कई साल लग सकते हैं, जिसे कांग्रेस ने विरोधाभासी बताया है।

कांग्रेस का आरोप है कि सरकार संविधान के प्रावधानों में संशोधन कर इस प्रक्रिया को और टालना चाहती है। पार्टी का कहना है कि बिहार और तेलंगाना जैसे राज्यों ने कम समय में जातिगत सर्वेक्षण पूरा कर दिखाया है, ऐसे में केंद्र का तर्क उचित नहीं है। इस पूरे मुद्दे पर कांग्रेस ने सरकार पर ÷छिपे एजेंडे÷ के तहत जाति जनगणना से बचने का आरोप लगाया है। जयराम रमेश ने कहा कि प्रधानमंत्री जनता को भ्रमित कर रहे हैं और पारदर्शिता से बच रहे हैं।

तमिलनाडु चुनाव में विजय की रैलियां रद्द, डीएमके ने ली चुटकी और साधा निशाना

चैन्नई (एजेंसी)। तमिलनाडु में आगामी विधानसभा चुनाव को लेकर सियासी सरगर्मी तेज हो गई है। इसी बीच अभिनेता से नेता बने विजय की पार्टी तमिलगा वेत्री कझगम (टीवीके) के प्रचार कार्यक्रमों में लगातार हो रही रद्दीकरण ने राजनीतिक बहस को जन्म दे दिया है। विजय इस चुनाव में पेरम्बूर और तिरुचिरापल्ली पूर्व सीटों से चुनाव लड़ रहे हैं। 30 मार्च को नामांकन दाखिल करने के बाद उन्होंने कुछ क्षेत्रों में प्रचार किया था, लेकिन उसके बाद उनके कई महत्वपूर्ण कार्यक्रम या तो रद्द कर दिए गए या स्थगित कर दिए गए। इनमें विल्लीवाक्कम, टी नगर, कुड्डालोर और तिरुवल्लूर जैसे क्षेत्रों में प्रस्तावित रैलियां और रोड शो शामिल हैं। मीडिया रिपोर्ट के अनुसार पार्टी की ओर से इन रद्दीकरणों की कोई स्पष्ट वजह सार्वजनिक नहीं की गई है। हालांकि कुछ मामलों में सुरक्षा कारणों और समय की कमी का हवाला दिया गया, जिससे उनकी चुनावी रणनीति को लेकर सवाल खड़े हो रहे हैं। इस बीच सत्तारूढ़ द्रविड़ मुनेत्र कड़गम ने इस मुद्दे पर विजय पर तीखा हमला बोला है। तमिलनाडु के उपमुख्यमंत्री उदयनिधि स्टालिन ने कहा कि जहां कुछ नेता जनता से सीधे जुड़ने के लिए लगातार मैदान में उतर रहे हैं, वहीं कुछ नेता सीमित और रुक-रुककर प्रचार कर रहे हैं।

महिला आरक्षण पर चर्चा से पहले भाजपा ने जारी किया व्हिप

सभी सांसदों को 16 से 18 अप्रैल तक संसद में रहना होगा मौजूद

नई दिल्ली (एजेंसी)। भाजपा ने रविवार को लोकसभा और राज्यसभा के सभी सांसदों को 3 लाइन का व्हिप जारी कर 16 से 18 अप्रैल तक संसद में मौजूद रहने को कहा है। इस दौरान किसी को भी छुट्टी नहीं दी जाएगी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अध्यक्षता में बुधवार को हुई कैबिनेट बैठक में नारी शक्ति वंदन अधिनियम में संशोधन के ड्राफ्ट बिल को मंजूरी दे दी गई थी।

सरकार ने बजट सत्र को बढ़ाते हुए 16 से 18 अप्रैल तक संसद का विशेष सत्र बुलाया है। संसद से मंजूरी मिलने के बाद यह कानून 31 मार्च 2029 से लागू होगा और उसी साल होने वाले लोकसभा चुनाव में पहली बार प्रभावी होगा। इससे पहले प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शनिवार को लोकसभा और राज्यसभा के सभी दलों के फ्लोर लीडर्स को पत्र लिखकर 'नारी शक्ति वंदन अधिनियम' पर समर्थन मांगा। पीएम ने लिखा कि अब समय आ गया है कि इस कानून को पूरे देश में सही मायनों में लागू किया जाए। पीएम मोदी ने लिखा कि 2029 के लोकसभा और विधानसभा चुनाव महिलाओं के लिए आरक्षण के साथ कराए जाने चाहिए। महिलाओं को राजनीति में ज्यादा प्रतिनिधित्व देने की इच्छा सभी पार्टियों ने लंबे समय से जताई है, अब इसे हकीकत में बदलने का समय है।

खड़गे बोले- सर्वदलीय बैठक हो

वहीं, कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने पत्र के जवाब में पत्र लिखकर कहा कि राज्य चुनावों के बीच संसद का विशेष सत्र बुलाना यह दिखाता है कि सरकार इस कानून को राजनीतिक लाभ के लिए जल्दबाजी में लागू करना चाहती है। खड़गे ने यह भी मांग की कि इस मुद्दे पर सर्वदलीय बैठक बुलाई जाए और परिसीम से जुड़े मुद्दों पर भई विस्तार से चर्चा की जाए। इस प्रस्ताव के तहत लोकसभा की सीटें मौजूदा 543 से बढ़ाकर 816 की जाएंगी, जिनमें 273 सीटें महिलाओं के लिए आरक्षित होंगी।

बीजेपी नेता ने की एक्स पर कम्युनिटी नोट्स को बंद करने की मांग

-निशिकांत ने कहा- एक्स लाइसेंस ले और हर साल 25,000 करोड़ का टैक्स दे

नई दिल्ली (एजेंसी)। बीजेपी नेता और संचार एवं आईटी पर संसदीय स्थायी समिति के अध्यक्ष निशिकांत दुबे ने एक्स पर कम्युनिटी नोट्स को बंद करने की मांग की है। यह मांग निशिकांत ने खुद एक पोस्ट के जरिए की। उन्होंने कहा कि समिति ने इलेक्ट्रॉनिक्स और आईटी मंत्रालय के सामने सर्वसम्मति से यह राय जाहिर की है। पोस्ट में दुबे ने सवाल उठाया कि कम्युनिटी नोट्स को लेकर इतना हंगामा क्यों हो रहा है।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक निशिकांत ने दावा किया कि एक्स क्राप भारत सरकार को कोई टैक्स नहीं देता। ऑस्ट्रेलिया का उदाहरण देते हुए उन्होंने सुझाव दिया कि ऑस्ट्रेलियाई कानून की तरह ही एक्स को भारत में एक पब्लिशर का लाइसेंस लेना चाहिए और हर साल 25,000 करोड़ का टैक्स देना चाहिए। उन्होंने तर्क दिया कि अगर ऐसा नहीं होता, तो कम्युनिटी नोट्स को बंद कर देना चाहिए।

बता दें कम्युनिटी नोट्स एक पर एक क्राउड-सोर्स्ड फैक्ट-चेकिंग टूल है, जहां यूजर्स संभावित रूप से गुमराह करने वाली या गलत पोस्ट पर नोट्स जोड़ सकते हैं। जब दूसरे यूजर्स किसी नोट को हेपफुल यानी मददगार बताते हैं, तो वह नोट मूल पोस्ट के नीचे दिखाई देता है। उत्तर प्रदेश के सीएम द्वारा एआई पार्क और डेटा सेंटर के लिए पुक एआई के साथ 25,000 करोड़ के करार की घोषणा के बाद यह फीचर चर्चा में रहा है। सीएम योगी की पोस्ट पर एक कम्युनिटी नोट ने एमओयू की प्रामाणिकता पर सवाल उठाते हुए कहा कि पुक एआई एक साल पुराना स्टार्ट-अप है, जिसका सालाना राजस्व 50 लाख से भी कम है और उसमें इस तरह के समझौते को पूरा करने की क्षमता नहीं है। यह नोट एक्स के उन यूजर्स ने जोड़ा था, जिन्होंने इसे मददगार बताया था। चार दिन बाद, उत्तर प्रदेश सरकार ने इस करार को रद्द कर दिया था।

जंग के बीच ईरान में महंगाई और जरुरी सामान की कमी, भारत ने दिखाई इंसानियत

-भारत में अनाज का पर्याप्त भंडार, इसे ईरान भेजने पर किया जा रहा विचार

नई दिल्ली (एजेंसी)। अमेरिका-इजराइल और ईरान के बीच एक महीन से ज्यादा चले युद्ध ने साबित कर दिया है कि तीनों पक्षों को भारी नुकसान हुआ है, लेकिन सबसे ज्यादा मार आम लोगों पर पड़ी है। सीजफायर का ऐलान जरूर हो गया है, लेकिन जमीन पर हालात अब भी आसान नहीं हैं। युद्ध अपने साथ सिर्फ तबाही नहीं लाता, बल्कि महंगाई, बेरोजगारी और खाने-पीने की किल्लत भी लेकर आता है। ईरान में भी यही स्थिति देखने को मिल रही है, जहां आम लोग महंगाई और जरूरी सामानों की कमी से जूझ रहे हैं। वहीं भारत ने इंसानियत का परिचय देते हुए ईरानी लोगों के लिए मदद का हाथ बढ़ाया है। शांति वार्ता भी बेअसर रही। भारत सरकार अब युद्ध से प्रभावित ईरान समेत कई देशों को चावल भेजने की योजना पर गंभीरता से विचार कर रही है, ताकि वहां के लोगों को राहत मिल सके।

यह कदम सिर्फ एक कूटनीतिक पहल नहीं, बल्कि मानवीय संवेदना का बड़ा उदाहरण है। ईरान में जरूरी खाद्य सामग्री महंगी हो गई है और कई जगहों पर उपलब्धता कम हो गई है। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक ऐसे में भारत का आगे आना एक राहत भरी खबर है। सरकार के पास इस समय अनाज का पर्याप्त भंडार है, जिसे जरूरतमंद देशों तक पहुंचाया जा सकता है। यह फैसला भारत की वैश्विक भूमिका को भी मजबूत करता है, जहां वह सिर्फ एक आर्थिक ताकत ही नहीं, बल्कि संकट के समय मददगार देश के रूप में भी उभर रहा है।

भारत सरकार के स्तर पर हाल ही में हुई उच्चस्तरीय बैठक में इस मुद्दे पर विस्तार से चर्चा की गई। अधिकारियों के मुताबिक देश में गेहूं और चावल का बड़ा स्टॉक मौजूद है, जिसे अब निर्यात या मानवीय सहायता के तौर पर इस्तेमाल करने की योजना बनाई जा रही है। खासतौर पर युद्ध से प्रभावित देशों को प्राथमिकता दी जा रही है। ईरान के लिए चावल की शिपमेंट शुरू करने का प्रस्ताव इसी दिशा में एक बड़ा कदम माना जा रहा है।

जानकारी के मुताबिक पंजाब और हरियाणा जैसे राज्यों में नए सीजन की फसल आने वाली है, इससे गोदामों में जगह की कमी भी एक चुनौती है। दूसरी ओर वेस्ट एशिया में जारी तनाव के कारण सप्लाई चेन बुरी तरह प्रभावित है। जहाजों की आवाजाही पर असर पड़ा है और कई देशों में खाद्य संकट गहराने की आशंका है। इसको देखते हुए शिपिंग मंत्रालय को भी निर्देश दिए गए हैं कि वे इस बात की योजना बनाएं कि कैसे बड़े कार्गो जहाजों के जरिए खाद्य सामग्री को प्रभावित देशों तक पहुंचाया जा सके। यहां तक कि कुछ हाई-वैल्यू फूड आइटम्स को हवाई मार्ग से भेजने पर भी विचार किया जा रहा है।

रिपोर्ट के मुताबिक पाकिस्तान शांति वार्ता की मेजबानी में व्यस्त नजर आया और अंत में यह शांति वार्ता विफल भी हो गई। वहीं जमीनी स्तर पर राहत पहुंचाने में उसकी कोई खास भूमिका सामने नहीं आई है।

इसके उलट भारत ने सीधे तौर पर मदद की पहल करके यह दिखा दिया है कि संकट के समय सिर्फ बातचीत ही नहीं, बल्कि ठोस कदम भी जरूरी होते हैं। यही वजह है कि भारत की इस पहल को अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भी सराहा जा रहा है। इस कदम से भारत को दोहरा फायदा मिलेगा। एक तरफ गोदामों में जमा अतिरिक्त अनाज का इस्तेमाल हो जाएगा, जिससे भंडारण की समस्या कम होगी।

अरावली में तेंदुआ-मानव संघर्ष की नई तस्वीर नुकसान भारी, फिर भी कायम है सहअस्तित्व

जयसमंद अभयारण्य क्षेत्र में 13 साल में 572 घटनाएं, 98% मामलों में पशुधन शिकार; मुआवजा प्रणाली कमजोर, लेकिन लोगों की सहनशीलता मजबूत

स्मार्ट हलचल | डॉ. कमल शर्मा

जयपुर/उदयपुर। राजस्थान के दक्षिणी अरावली क्षेत्र में इंसान और तेंदुए के बीच संबंध टकराव और सह अस्तित्व का अनोखा मिश्रण बनकर सामने आया है। जयसमंद वन्यजीव अभयारण्य के आसपास किए गए एक विस्तृत शोध में यह खुलासा हुआ है कि भारी आर्थिक नुकसान के बावजूद स्थानीय समुदायों में तेंदुए के प्रति सहनशीलता बनी हुई है। मोहनलाल सुखाड़िया विश्वविद्यालय, उदयपुर के प्राणी शास्त्र विभाग के प्रभारी विभागाध्यक्ष डॉ. विजय कुमार कोली और उनके दल के कमल वैष्णव, निर्भय सिंह चौहान व उत्कर्ष प्रजापति द्वारा 2011 से 2024 के बीच किए गए इस अध्ययन में 572 मानव-तेंदुआ संघर्ष घटनाएं दर्ज की गई, जिनमें से लगभग 98% मामले पशुधन के शिकार से जुड़े थे।

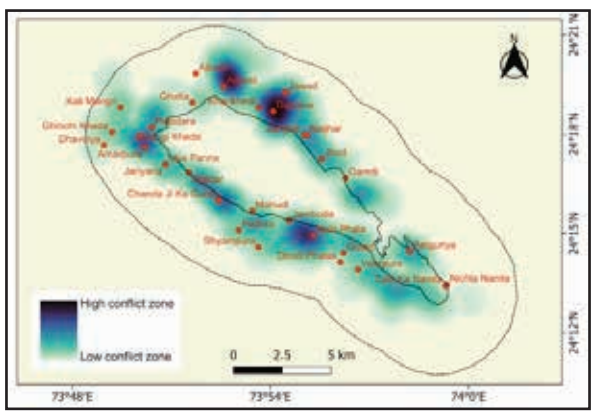

रात में बढ़ता है खतरा, बकरियां सबसे ज्यादा निशाने पर

कोली ने बताया कि शोध के अनुसार तेंदुए के हमले मुख्य रूप से रात के समय होते हैं, जब पशु खुले या कच्चे बाड़ों में बंधे होते हैं। इनमें बकरियां, गाय और बछड़े सबसे ज्यादा शिकार बने। शोध में पाया गया है कि ऊंचाई वाले और अभयारण्य के पास स्थित गांवों में खतरा सबसे अधिक पाया गया, जहां मानव बस्तियां और वन क्षेत्र एक-दूसरे से सटे हुए हैं।

मुआवजा: प्रक्रिया कठिन, राशि कम

कोली ने बताया कि अध्ययन में मुआवजा प्रणाली की बड़ी खामियां भी उजागर हुईं। कुल घटनाओं में से केवल 31% मामलों में ही मुआवजे के लिए दावा किया गया। इसी प्रकार स्वीकृत राशि वास्तविक नुकसान से काफी कम रही वहीं जटिल कागजी प्रक्रिया और कम जागरूकता प्रमुख बाधाएं रहीं। इससे ग्रामीणों में आर्थिक दबाव तो बढ़ा, लेकिन आश्चर्यजनक रूप से इससे तेंदुए के प्रति हिंसक प्रतिक्रिया नहीं दिखी।

उत्कर्ष प्रजापति

विजय कुमार कोली

निर्भय सिंह चौहान

सह अस्तित्व की मिसाल: बदले की भावना नहीं

शोध की सबसे सकारात्मक बात यह रही कि तेंदुए के खिलाफ बदले में हत्या का कोई मामला सामने नहीं आया। स्थानीय लोगों का दृष्टिकोण लगभग तटस्थ (ल0.2 स्कोर) पाया गया, जो बताता है कि सांस्कृतिक और धार्मिक मान्यताएं वन्यजीव संरक्षण में अहम भूमिका निभा रही हैं।

शिक्षा से बदलता नजरिया

अध्ययन में यह भी सामने आया कि अधिक शिक्षित लोग तेंदुए के प्रति अधिक सकारात्मक सोच रखते हैं जबकि कम आय और कम शिक्षा वाले परिवारों में डर और नकारात्मकता अधिक है। अर्थात शिक्षा, सहअस्तित्व की सबसे मजबूत कुंजी बनकर उभर रही है।

संघर्ष के प्रमुख कारण

विशेषज्ञों के अनुसार संघर्ष के पीछे कई कारण एक साथ काम कर रहे हैं। इसके तहत जंगल और गांवों के बीच बढ़ती नजदीकी, खुले और असुरक्षित पशु बाड़े, भूमि उपयोग में बदलाव, अभयारण्य के आसपास मानव गतिविधियां आदि तेंदुआ और मानव संघर्ष के प्रमुख कारण पाए गए हैं।

क्या हैं समाधान?

शोधकर्ताओं ने इस संघर्ष को कम करने के लिए व्यावहारिक सुझाव दिए हैं। इसके तहत पशुओं के लिए जालीदार और मजबूत बाड़े बनाने के साथ–साथ चराई में बदलाव करते हुए जंगल के भीतर की बजाय गांव के पास चराई को बढ़ावा दिया जाना चाहिए। इसी प्रकार मुआवजा प्रणाली में सुधार के तहत सरल प्रक्रिया और बाजार मूल्य के अनुरूप भुगतान किया जाना चाहिए। उन्होंने इस संघर्ष को कम करने के लिए जागरूकता अभियान चलाकर ग्रामीणों को सुरक्षा और वन्य जीव व्यवहार की जानकारी देने की बात भी कही है।

एक्सपर्ट व्यू :

एनटीसीए के सदस्य और सेवानिवृत्त मुख्य वन संरक्षक राहुल भटनागर बताते हैं कि अध्ययन स्पष्ट करता है कि तेंदुए को बचाने के लिए केवल जंगल संरक्षण पर्याप्त नहीं है। जरूरी है कि उन लोगों की आर्थिक और सामाजिक सुरक्षा सुनिश्चित की जाए, जो इन वन्यजीवों के साथ अपनी जमीन साझा कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि अरावली की पहाड़ियों में यह सह अस्तित्व की कहानी न केवल राजस्थान बल्कि पूरे देश के लिए एक महत्वपूर्ण मॉडल बन सकती है–जहां संघर्ष के बीच भी संतुलन संभव है।

बोर्डियास में दो घरों में घुसे चोर, आभूषण, नगदी व देशी घी चुराया

स्मार्ट हलचल | सांवर वैष्णव

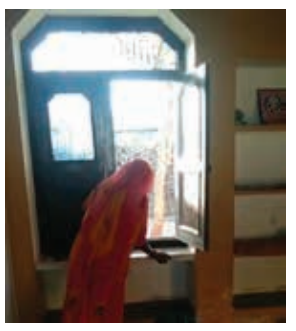

सवाईपुर। सवाईपुर क्षेत्र के बोर्डियास गांव में रविवार मध्य रात्रि को चोरों ने दो घरों को अपना शिकार बनाया, यहां चोर जगला तोड़कर व दिवार फांद कर घर में घुसे और आभूषण, नगदी व देशी घी को चुराया । सूचना पर सवाईपुर चौकी व बड़लियास थाना पुलिस मौके पर पहुंची । पुलिस ने बताया कि बोर्डियास गांव रविवार मध्य रात्रि को चोरों ने जगदीश सिंह पिता नारायण सिंह पुरावत के घर में चोर जगला तोड़कर कमरे में घूसे, इस वक्त परिवार के सदस्य कमरों के बाहर बरामदे में सो रहे थे, चोर यहां कमरे में रखे सूटकेस को चुरा कर पास ही नारायण दरोगा के बाड़े में ले गए, सूटकेस में से डेढ़ तोला की सोने की चैन, आधा तोला सोने की अंगूठी, 200 ग्राम चांदी के गले व कान में पहने के आभूषण, 10 हजार नगद चुरा कर ले गए, वही चोरों ने दुकान से एक नमकीन का डिब्बा व चोकलेट का डिब्बा ले गए, जगदीश सिंह की पत्नी पुत्री के साथ सोमवार सुबह पीहर में शादी में जाने के लिए सूटकेस में कपड़े व गहने नगदी जमा कर रखी हुई थी, वही कमरे में प्रसूता बच्ची के साथ सो रही थी, लेकिन करीब 12:00 बिजली बंद होने से कुलर पंखे बंद होने के चलते वह भी बाहर आकर सो गई थी, नहीं तो कोई बड़ी घटना हो सकती थी । वही चोरों ने गांव के ही जगदीश चंद्रपिता नंदा प्रजापत के घर को भी निशाना बनाया, यहां चोर मध्य रात्रि बात दीवार बांधकर घर में घुसे और अंदर कमरे का ताला तोड़कर कमरे में से एक रामनवमी दो मादलिया 5000 की नगदी के साथ दो किला देसी घी जो स्टील के डिब्बे में भरा हुआ था, उसे चुरा कर ले गए, चोरी की घटना का पता परिजनों को सुबह 6:00 बजे चला जब उठे तो कमरे में कपड़े बिखरे हुए थे, सूचना पर एएसआई जेठमल, कांस्टेबल श्रवण कुमार मौके पर पहुंचकर घटना की जानकारी, वही भीलवाड़ा से एफएसएल की टीम मौके पर पहुंची, जहां टीम ने फिंगरप्रिंट सहित अन्य साक्ष्य जुटाए । चोरों की यह घटना पास ही लगे एक सीसीटीवी कैमरे में कैद हो गई, जिसमें तीन अज्ञात चोर दिखाई दिए।

बजरी भरे ट्रैक्टर की टक्कर से दो युवक गंभीर, चालक फरार

स्मार्ट हलचल | खजुरी

शक्करगढ़ थाना क्षेत्र के किशनगढ़ गांव के पास सोमवार सुबह एक दर्दनाक सड़क हादसा हो गया। यहां बजरी से भरे एक ट्रैक्टर ने बाइक सवार दो युवकों को जोरदार टक्कर मार दी, जिससे दोनों युवक गंभीर रूप से घायल हो गए। हादसे के बाद ट्रैक्टर चालक मौके से फरार हो गया।

प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार टक्कर इतनी तेज थी कि बाइक सवार सड़क पर दूर जा गिरे और गंभीर चोटें आईं। घटना के बाद मौके पर अफरा-तफरी मच गई प्रशासक प्रतिनिधि नंदलाल मीणा ने तुरंत मानवता दिखाते हुए ग्रामीणों की मदद से घायलों को खुद की गाड़ी में खजुरी सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पहुंचाया।

खजुरी सीएचसी में प्राथमिक उपचार के बाद दोनों घायलों ओमप्रकाश ओर गणेश गुर्जर की की हालत गंभीर होने पर उन्हें भीलवाड़ा जिला अस्पताल रेफर कर दिया गया, जहां उनका इलाज जारी है।

इधर सूचना मिलने पर शक्करगढ़ थाना पुलिस मौके पर पहुंची और कार्रवाई करते हुए ट्रैक्टर को दलपुरा के पास से डिटेन कर लिया लेकिन जब तक चालक ने ट्रेक्टर को सुजान पूरा के श्मशान घाट के पास खाली कर दिया ओर फरार हो गया फरार चालक की तलाश शुरू कर दी है।

गांधीनगर पुलिस के हत्थे चढ़ा शातिर चोर, 13 मोबाइल व लैपटॉप बरामद

बस में महिला का पर्स चोरी करने के मामले में हुई गिरफ्तारी

स्मार्ट हलचल | भीलवाड़ा

जिले में चोरी की वारदातों पर अंकुश लगाने के लिए पुलिस अधीक्षक धर्मेन्द्र सिंह के निर्देशन में चलाए जा रहे अभियान के तहत गांधीनगर थाना पुलिस ने एक शातिर चोर को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपी के कब्जे से चोरी के 13 मोबाइल फोन और एक लैपटॉप बरामद करने में सफलता हासिल की है।

गांधीनगर थानाधिकारी डॉ. नेहा राव (आरपीएस प्रो.) ने बताया कि 10 अप्रैल को प्रियंका पाराशर ने रिपोर्ट दी थी कि 24 मार्च को मांडलगढ़ से भीलवाड़ा आते समय बस में किसी ने उनका पर्स चुरा लिया था। पर्स में 2 मोबाइल, चांदी के आभूषण और 2000 रुपये थे। मामला दर्ज कर पुलिस ने विशेष टीम का गठन किया। टीम ने सीसीटीवी फुटेज खंगाले और तकनीकी साक्ष्यों के आधार पर आरोपी भवानी ओड (33) पुत्र श्रवण ओड (निवासी कांगसो का खेड़ा, थाना करेड़ा) को गिरफ्तार कर लिया। पुलिस ने आरोपी से 13 मोबाइल व एक लैपटॉप बरामद किया है। इस अहम कार्रवाई में कांस्टेबल राकेश का विशेष योगदान रहा। टीम में हेड कांस्टेबल सुखदेव सिंह, जगदीश, कांस्टेबल अनिल व ब्रजमोहन भी शामिल रहे। फिलहाल आरोपी से पूछताछ जारी है।

मंत्रोच्चार व जयकारों के बीच बाबूगिरी महाराज बने महामंडलेश्वर

निरंजनी अखाड़े के सानिध्य में भव्य पट्टाभिषेक, संतों-भक्तों ने चादर ओढ़ाकर किया अभिनंदन

स्मार्ट हलचल

भीलवाड़ा। संकटमोचन हनुमान मंदिर के महंत बाबूगिरी महाराज का सोमवार को आजादनगर स्थित मेडिसिटी ग्राउंड में आयोजित श्री शिव महापुराण कथा पांडाल में भव्य पट्टाभिषेक कर उन्हें निरंजनी अखाड़े का महामंडलेश्वर बनाया गया। वैदिक मंत्रोच्चार, हर-हर महादेव के गगनभेदी जयकारों और पुष्पवर्षा के बीच संपन्न इस गरिमामय समारोह ने पूरे वातावरण को भक्तिमय बना दिया।

अखिल भारतीय अखाड़ा परिषद के अध्यक्ष महंत डॉ. रविन्द्रपुरी महाराज के सानिध्य में हुए इस कार्यक्रम में देशभर से आए संत-महंतों की उपस्थिति रही। पट्टाभिषेक की विधि पंडितों द्वारा वैदिक रीति से संपन्न कराई गई, जिसके बाद बाबूगिरी महाराज ने वरिष्ठ संतों से आशीर्वाद लिया। निरंजनी अखाड़े की ओर से उन्हें चादर ओढ़ाकर सम्मानित किया गया, वहीं विभिन्न संतों व श्रद्धालुओं ने भी अभिनंदन किया। कार्यक्रम में जनप्रतिनिधियों सहित बड़ी संख्या में श्रद्धालु मौजूद रहे। संतों ने बाबूगिरी महाराज को धर्म व समाज के प्रति उनके योगदान का सम्मान बताते हुए इस पद को बड़ी जिम्मेदारी बताया। इसी आयोजन के तहत संत-महात्माओं के लिए भव्य भंडारे का भी आयोजन किया गया, जिसमें देश के विभिन्न हिस्सों से आए 200 से अधिक संत शामिल हुए। भंडारे में कथावाचक पंडित प्रदीप मिश्रा भी पहुंचे और संतों का आशीर्वाद प्राप्त किया।

व्यवस्थाओं पर सवाल:-

वहीं दूसरी ओर कथा पंडाल में उमड़ी भारी भीड़ के चलते आम श्रद्धालुओं को बैठने के लिए पर्याप्त स्थान नहीं मिल सका। वीआईपी व्यवस्था के कारण कई लोग खड़े-खड़े ही कथा सुनने को मजबूर हुए। एक महिला श्रद्धालु पूरे समय खड़े होकर कथा श्रवण करती नजर आई, जो सच्ची भक्ति का उदाहरण बनी, लेकिन व्यवस्थाओं पर सवाल भी खड़े कर गई।

बनकाखेड़ा विद्यालय में मनाई भीमराव अम्बेडकर जयंती

स्मार्ट हलचल

सवाईपुर। कस्बे के निकटवर्ती बनकाखेड़ा गांव के राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय मे डॉ. भीमराव अम्बेडकर जयंती मनाई गई । प्रधानाचार्य बरदा लाल रेगर ने संविधान निर्माता डॉ भीमराव अम्बेडकर के जीवन परिचय तथा उपलब्धियों पर प्रकाश डाला । उप प्रधानाचार्य जोगेंद्र सिंह चौहान ने प्रार्थना सभा में संविधान की प्रस्तावना का छात्रों को वाचन करवाया, बताया कि सभी कक्षा के छात्रों ने कविता, भाषण, व प्रेरक प्रसंग, पोस्टर, चित्रकला, निबंध के माध्यम से कार्यक्रम में भाग लिया । राजेंद्र कुमार मीना ने कार्यक्रम का संचालन किया । इस अवसर पर व्याख्याता उर्मिला पारीक, दयाशंकर खोईवाल, वरिष्ठ अध्यापक अनिल ओझा आदि ने विचार रखे।

वनवासी कल्याण परिषद बैठक में संगठन विस्तार के अहम फैसले

स्मार्ट हलचल

भीलवाड़ा। राजस्थान वनवासी कल्याण परिषद की जिला, नगर व महिला इकाइयों की संयुक्त बैठक में संगठन को मजबूत बनाने के लिए अहम निर्णय लिए गए। जिला उपाध्यक्ष कैलाश सोनी ने संगठन विस्तार को लेकर महत्वपूर्ण सुझाव रखे। बैठक में विभिन्न पदाधिकारियों को नई जिम्मेदारियां सौंपी गई तथा जनसेवा से जुड़े प्रस्तावों को मंजूरी दी गई। अंत में कल्याण मंत्र के साथ बैठक का समापन हुआ।

भंवर लाल तेली बानीना साहू समाज के मेवाड़ अध्यक्ष निवार्चित

स्मार्ट हलचल

भीलवाड़ा। मेवाड़ के प्रसिद्ध धार्मिक स्थल मातृकुंडिया में चार चोखला घाणीवाल तेली समाज मंदिर समिति के अध्यक्ष पद के लिए चुनाव शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न हुए। चुनाव के मुख्य निर्वाचन अधिकारी बंशीलाल पंचोली राज्यावास ने बताया कि अध्यक्ष पद के लिए मुख्य मुकाबला भंवर लाल तेली (बानिना) एवं माधु लाल तेली (सहाड़ा) के बीच हुआ। मेवाड़ क्षेत्र के चार जिले चित्तौड़गढ़, उदयपुर, राजसमंद और भीलवाड़ा से समाज के लोगों ने बढ़-चढ़कर मतदान में भाग लिया। चुनाव हेतु कुल 8 बूथ बनाये गए। चुनाव में कुल 4190 मत डाले गए। इनमें से भंवर लाल तेली को 2094 मत प्राप्त हुए, जबकि माधु लाल तेली को 2048 मत मिले। इस प्रकार भंवर लाल तेली ने 46 मतों के अंतर से विजय हासिल कर अध्यक्ष पद पर कब्जा जमाया। निर्वाचित होने के बाद साहू समाज के मेवाड़ अध्यक्ष भंवर लाल बानीना ने बताया कि बदले की भावना से काम नहीं किया जायेगा, सबको साथ लेकर समाज में विकास के कार्य जैसे सामूहिक विवाह सम्मेलन, समाज की धर्मशाला हेतु जमीन आवंटन, बाल विवाह पर रोक, नाता प्रथा जैसी कुप्रथा पर रोक, समाज की जाजम पर अमल नशा बन्दी एवं शिक्षा व्यवस्था के स्तर पर जोर दिया जाएगा। साथ ही इस जीत का श्रेय सम्पूर्ण साहू समाज को देकर समाज की जीत बताया है।

बनेठा थाना क्षेत्र बनास नदी में बजरी माफिया बेलगाम, जिम्मेदार मौन-हादसों की बढ़ती आहट

बनेठा में 'एंट्री सिस्टम' से अवैध खनन-परिवहन जारी, पुलिस-प्रशासन पर कथित मिलीभगत के आरोप

स्मार्ट हलचल

टोंक/बनेठा/उनियारा। उनियारा सर्किल के बनेठा थाना क्षेत्र में बनास नदी इन दिनों अवैध बजरी खनन और परिवहन का बड़ा केंद्र बनी हुई है। हालात इतने गंभीर हैं कि यहां रात-दिन खुलेआम ट्रैक्टर-ट्रॉली से बजरी का खनन और परिवहन किया जा रहा है, लेकिन जिम्मेदार विभाग पूरी तरह मौन नजर आ रहे हैं।

क्षेत्र में यह चर्चा आम है कि 'बनेठा आइए-एंट्री दीजिए और बेरोकटोक बजरी भरकर ले जाइए ', जो प्रशासनिक ढिलाई और कथित मिलीभगत की ओर साफ इशारा करता है। पुलिस, खनिज विभाग और वन विभाग के दावों के बावजूद जमीनी स्तर पर हालात बिल्कुल विपरीत दिखाई दे रहे हैं।

ना पुलिस का डर, ना कार्रवाई का असर

बनेठा सहित अलीगढ़, सोप, नगरफोर्ट और उनियारा थाना क्षेत्रों में दर्जनों ट्रैक्टर-ट्रॉली दिन-रात बजरी ढोते नजर आते हैं। यहां तक कि पुलिस थानों और चौकियों सहित सरकारी कार्यालयों के सामने व आजू बाजू से भी अवैध परिवहन खुलेआम हो रहा है, जिससे कानून व्यवस्था पर सवाल खड़े हो रहे हैं।

हादसों का बढ़ता खतरा

ओवरलोड और तेज रफ्तार बजरी वाहनों के कारण क्षेत्र में कई सड़क हादसे हो चुके हैं। इन हादसों में आमजन और राहगीरों के साथ-साथ खुद बजरी माफिया भी चोटिल होकर तक जान गंवा चुके हैं। इसके बावजूद प्रभावी रोकथाम के प्रयास नदारद हैं।

112 गाड़ी को टक्कर- फिर भी कार्रवाई नहीं

हाल ही 2 अप्रैल की देर रात बनेठा थाना पुलिस की 112 बोलेरो को बजरी माफियाओं द्वारा टक्कर मारकर क्षतिग्रस्त कर दिया गया। यह घटना चौथ का बरवाड़ा थाना क्षेत्र में नदी पार हुई। चौंकाने वाली बात यह है कि सीसीटीवी और जीपीएस सिस्टम होने के बावजूद भी बजरी माफिया आरोपियों के खिलाफ अब तक कोई ठोस कार्रवाई नहीं हुई है।

मिलीभगत के आरोप

स्थानीय स्तर पर पुलिस, वन और खनिज विभाग के कुछ कार्मिकों पर माफियाओं से सांठगांठ के आरोप लग रहे हैं। आरोप है कि गश्त या कार्रवाई की सूचना पहले ही माफियाओं तक पहुंच जाती है, जिससे वे बच निकलते हैं। छोटे परिवहनकर्ताओं पर कार्रवाई कर खानापूर्ति की जाती है, जबकि बड़े माफिया बेखौफ सक्रिय हैं।

एसआईटी की भूमिका पर भी सवाल

जिला और उपखण्ड स्तर पर गठित एसआईटी टीम भी अवैध खनन रोकने में प्रभावी नजर नहीं आ रही है। कार्रवाई के नाम पर सिर्फ औपचारिकताएं पूरी की जा रही हैं।

प्रशासन की साख पर सवाल

अवैध बजरी खनन अब क्षेत्र में 'कैंसर' की तरह फैल चुका है। आमजन को सब कुछ दिख रहा है, लेकिन जिम्मेदार विभागों की निष्क्रियता से प्रशासन की साख पर गंभीर सवाल खड़े हो रहे हैं। अब देखना यह होगा कि पुलिस, खनिज विभाग, वन विभाग और एसआईटी इस पूरे मामले में कब तक ठोस और निष्पक्ष कार्रवाई कर पाते हैं, या फिर बजरी माफिया यूं ही बेलगाम चलते रहेंगे।

बिजौलिया पुलिस की दोहरी कार्रवाई

3 साइबर ठग और डकैती का वांटेड गिरफ्तार, 8 राज्यों में फैला था साइबर ठगी का जाल

स्मार्ट हलचल | बिजौलिया

जिले में चलाए जा रहे 'म्यूल हंटर' और 'वांछित अपराधी गिरफ्तारी' अभियान के तहत बिजौलिया पुलिस ने दो बड़ी कार्रवाइयों को अंजाम दिया है। पुलिस ने साइबर ठगों को अपने बैंक खाते बेचने वाले 2 युवकों व उनके एक दलाल को गिरफ्तार किया है। वहीं, एक साल से फरार डकैती के स्थायी वारंटी को भी धर दबोचा है।

थानाधिकारी स्वागत पाण्डया ने बताया कि साइबर डेस्क द्वारा यूको बैंक बिजौलिया के 3 संदिग्ध खातों की जांच की गई, जिनमें 2,42,093 रुपये की साइबर ठगी का लेन-देन सामने आया। इन खातों के खिलाफ 8 राज्यों (दिल्ली, महाराष्ट्र, यूपी, केरल आदि) में साइबर ठगी की शिकायतें दर्ज हैं।

जांच के बाद पुलिस ने खाताधारक आमीन और अशफाक (निवासी बिजौलिया) को हिरासत में लिया। पूछताछ में उन्होंने बताया कि उन्होंने अपने दोस्त शाबीर के मार्फत एटीएम व सिम सहित खाते साइबर ठगों को बेचे थे। पुलिस ने तीनों आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया है। इस खुलासे में साइबर सेल के कांस्टेबल अनिल कुमार का विशेष योगदान रहा।

डकैती का वांटेड भी चढ़ा हत्थे:

एक अन्य कार्रवाई में पुलिस ने माण्डलगढ़ कोर्ट के डकैती व मारपीट प्रकरण में एक साल से फरार स्थायी वारंटी सत्तु उर्फ सत्यनारायण कंजर निवासी बड़ा चिताबड़ा को भी गिरफ्तार कर लिया है। इसे पकड़ने में एएसआई नरेश कुमार की अहम भूमिका रही। पुलिस अब साइबर गिरोह के अन्य फरार गुर्गों की तलाश कर रही है।

शाहपुरा में 90% से अधिक अंक लाने वालों को मिला सम्मान

विधायक डॉ. लालाराम बेरवा की पहल—हर वर्ष होगा आयोजन, 1100 नगद, मेडल व प्रशस्ति पत्र देकर बढ़ाया हौसला

स्मार्ट हलचल

शाहपुरा। क्षेत्र के कक्षा 10वीं एवं 12वीं में 90 प्रतिशत से अधिक अंक प्राप्त करने वाले मेधावी विद्यार्थियों को प्रोत्साहित करने के उद्देश्य से आज राम कोठी में सम्मान समारोह का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का आयोजन शाहपुरा विधायक डॉ. लालाराम बेरवा की ओर से किया गया, जिसमें बड़ी संख्या में विद्यार्थी, अभिभावक व गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे।

समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में भीलवाड़ा जिला कलेक्टर जसमीत सिंह संधू, पुलिस अधीक्षक धर्मेंद्र सिंह राठौड़, विधायक डॉ. लालाराम बेरवा, शिक्षा विभाग के पूर्व उपनिदेशक तेजपाल उपाध्याय, आरएसएस के पूर्व जिला संघ चालक शंकर लाल तोषनीवाल एवं शिक्षाविद रमेश चंद्र गालरिया मौजूद रहे। कार्यक्रम की शुरुआत में सभी अतिथियों का स्मृति चिन्ह भेंट कर स्वागत किया गया।

कार्यक्रम के दौरान सभी मेधावी विद्यार्थियों को विधायक की ओर से 1100 नगद पुरस्कार, मेडल एवं प्रशस्ति पत्र प्रदान कर सम्मानित किया गया। इस अवसर पर विद्यार्थियों के चेहरे पर खुशी और गर्व साफ झलक रहा था।

जिला कलेक्टर जसमीत सिंह संधू ने अपने संबोधन में कहा कि शाहपुरा क्षेत्र प्रारंभ से ही शिक्षा के क्षेत्र में अग्रणी रहा है। इस वर्ष भी सरकारी स्कूलों का परीक्षा परिणाम बेहतर आने से यह उम्मीद जगी है कि आने वाला समय शाहपुरा के लिए उज्ज्वल भविष्य लेकर आएगा। उन्होंने ब्लॉक स्तरीय अधिकारियों को निर्देशित करते हुए कहा कि विद्यार्थियों के लिए नियमित रूप से करियर काउंसलिंग की व्यवस्था की जानी चाहिए, ताकि उनके भविष्य को बेहतर दिशा मिल सके।

पुलिस अधीक्षक धर्मेंद्र सिंह राठौड़ ने कहा कि विधायक द्वारा किया गया यह प्रयास सराहनीय है। शिक्षा के क्षेत्र में प्रतिभाओं का सम्मान निश्चित रूप से पूरे क्षेत्र का सम्मान है। उन्होंने प्रतिभाशाली विद्यार्थियों का आह्वान किया कि वे समाज और क्षेत्र की उम्मीदों पर खरा उतरें।

पूर्व उपनिदेशक तेजपाल उपाध्याय ने कहा कि सरकारी विद्यालयों के विद्यार्थियों द्वारा इस स्तर का परीक्षा परिणाम प्राप्त करना उन विद्यालयों की गुणवत्ता को दर्शाता है। उन्होंने शिक्षा के क्षेत्र में हो रहे नवाचारों की सराहना करते हुए सरकार एवं ऐसे प्रेरणादायक आयोजन के लिए शाहपुरा विधायक का आभार व्यक्त किया।

विधायक डॉ. लालाराम बेरवा ने सभी अतिथियों एवं उपस्थितजनों का स्वागत करते हुए कहा कि क्षेत्र की प्रतिभाओं को सम्मानित करना उनका कर्तव्य है। उन्होंने कहा कि यह आयोजन अब प्रतिवर्ष आयोजित किया जाएगा, जिससे विद्यार्थियों को आगे बढ़ने की प्रेरणा मिलती रहे।

उन्होंने विशेष रूप से सरकारी विद्यालयों में अध्ययनरत विद्यार्थियों की सराहना करते हुए कहा कि इन छात्रों ने उत्कृष्ट परिणाम देकर न केवल अपने विद्यालय बल्कि पूरे क्षेत्र का नाम रोशन किया है। उन्होंने विश्वास जताया कि यही विद्यार्थी भविष्य में समाज और देश का नाम गौरवान्वित करेंगे।

समारोह में शाहपुरा के ब्लॉक स्तरीय अधिकारी, जनप्रतिनिधि एवं विभिन्न सामाजिक संस्थाओं के प्रतिनिधि भी मौजूद रहे। पूरे आयोजन का माहौल उत्साह और प्रेरणा से भरपूर रहा, जिसने विद्यार्थियों में आगे बढ़ने का नया जोश भर दिया।

18 अप्रैल को मनायेंगे पाराशर जयंती, शिव कथा में की जल सेवा

भजन संध्या, शोभायात्रा व प्रतिभा सम्मान सहित होंगे कई आयोजन

स्मार्ट हलचल

भीलवाड़ा। पाराशर समाज, भीलवाड़ा द्वारा आगामी 18 अप्रैल को महर्षि पाराशर जयंती हर्षोल्लास के साथ मनाई जाएगी। आयोजन संयोजक ने बताया कि मुख्य समारोह सुभाष नगर स्थित पाराशर छात्रावास (छोटी पुलिया) पर आयोजित होगा।

जयंती की पूर्व संध्या पर रात्रि 8 बजे से भजन संध्या का आयोजन किया जाएगा। वहीं, 18 अप्रैल को प्रातः काल पूजा-अर्चना के साथ विशाल शोभायात्रा निकाली जाएगी। इस दौरान शिक्षा के क्षेत्र में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले समाज के बच्चों का सम्मान और खेलकूद प्रतियोगिताओं का आयोजन भी होगा। सायं 4 बजे से सभी समाजबंधुओं के लिए स्नेह भोज (महाप्रसादी) रखा गया है।

शिव भक्तों को पिलाई छाछः

सामाजिक सरोकार के तहत महर्षि पाराशर सेवार्थ संस्थान, भीलवाड़ा द्वारा शिव पुराण महाकथा के दौरान श्रद्धालुओं के लिए जल व छाछ वितरण का सेवा कार्य किया गया। संस्थान के सचिव ने बताया कि गर्मी को देखते हुए यह पुनीत कार्य किया गया, जिसमें समाज के वरिष्ठजनों व युवाओं ने पूरे उत्साह के साथ अपनी सेवाएं दीं।

श्री राम कृष्ण कल्कि शक्ति महायज्ञ में 23 जोड़ो ने लगाई आहुतियां

स्मार्ट हलचल

सवाईपुर। कस्बे के निकटवर्ती त्रिवेणी संगम पर भोलेनाथ भगवान के मंदिर प्रांगण में श्री बानोड़ा बालाजी के तत्वावधान में आयोजित श्री राम कृष्ण कल्कि शक्ति महायज्ञ की शुरुआत सोमवार से हुई । दोपहर 12:15 बजे अग्नि स्थापन कर देवी देवताओं का आह्वान कर पूजा अर्चना की । बानोड़ा बालाजी सेवा मंडल ने बताया कि त्रिवेणी संगम पर बानोड़ा बालाजी के तत्वावधान में आयोजित पांच दिवसीय पंच कुंडीय महायज्ञ में कल रविवार को आसपास के 25 गांवों के 38 चारभुजा नाथ कि भव्य शोभायात्रा के साथ विशाल कलश यात्रा निकाली । श्री रामचरित मानस के पाठ का दशांश हवन तर्पण के तहत् श्री विशाखा नक्षत्र इन्द्राग्नि यज्ञ में आज सोमवार को प्रातः 8 :15 बजे मंडप प्रवेश कर स्थापित देवी देवताओं में चारभुजा नाथ की पूजा अर्चना कर सुबह 11:15 बजे स्तंभ पूजन की । दोपहर 12:15 बजे हवन कुंड में अग्नि स्थापना की । बानोड़ा बालाजी आचार्यस्व एवं पंडितों के वैदिक मंत्रोचार के साथ 23 जोड़ो ने भगवान श्री राम, शिवजी व षोडश मातृका सहित अन्य देवी-देवताओं की 1008 आहुतियां हवन कुंड में लगाई । वहीं रविवार रात्रि को विशाल भजन संध्या का आयोजन हुआ, जिसमें भजन गायक कलाकार कन्हैयालाल कांकर मध्यप्रदेश ने एक से बढ़कर एक भक्तिमय भजनों की प्रस्तुतियां दी, जिस पर भक्तगण भाव विभोर होकर नाचने झुमने लगे, भजन संध्या भौंर तक चली।

गायत्री शक्तिपीठ में कार्यशाला : विश्व शांति के लिए यज्ञ, पाराशर ने स्मृति में वाटर कूलर भेंट किया

स्मार्ट हलचल

शाहपुरा। गायत्री शक्तिपीठ शाहपुरा में जिला जन्म शताब्दी अनुयाज कार्यशाला का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ दीप प्रज्वलन, युग संगीत और अतिथि स्वागत के साथ हुआ। इसके बाद गायत्री यज्ञ में विश्व शांति और मानव कल्याण के लिए आहुतियां दी गईं।

कार्यक्रम में सेवानिवृत्त आयुर्वेद चिकित्सा अधिकारी डॉ. कमलेश पाराशर ने अपनी धर्मपत्नी स्व. अनुराग बाला पाराशर की स्मृति में शक्तिपीठ को वाटर कूलर भेंट किया। अतिथियों ने इसका उद्घाटन कर पाराशर का सम्मान किया।

कार्यशाला में शांतिकुंज प्रतिनिधि रतनलाल उपाध्याय, रामेश्वर सुखवाल और श्यामलाल सेन के मार्गदर्शन में जन्म शताब्दी वर्ष की कार्ययोजना पर चर्चा की गई। श्यामलाल सेन ने संगठन विस्तार और जनजागरण पर जोर दिया, जबकि रामेश्वर सुखवाल ने 'सत्य संकल्प' के 18 सूत्रों का वाचन कर आचार्य श्रीराम शर्मा के जीवन दर्शन पर प्रकाश डाला।

रतनलाल उपाध्याय ने जन्म शताब्दी अनुयाज कार्यसमिति का गठन करते हुए विभिन्न अभियानों के प्रभारी नियुक्त किए। उन्होंने 'हम सुधरेंगे, युग सुधरेगा' के संदेश को घर-घर पहुंचाने का आह्वान किया।

कार्यशाला में जहाजपुर, काछोला, शाहपुरा, फुलियाकला, कोटड़ी और बनेड़ा क्षेत्र से 110 कार्यकर्ता शामिल हुए। अंत में शांति पाठ के साथ कार्यक्रम का समापन हुआ। जिला समन्वयक दुर्गालाल जोशी ने आभार जताया।

विद्यालयो में अंबेडकर जयंती मनाई

स्मार्ट हलचल

कोटडी। ब्लॉक के अनेक राजकीय एवं निजी विद्यालय में सोमवार को भारतीय सविधान के शिल्पकार बाबा साहेब डॉ. भीमराव अंबेडकर की जयंती समारोह पूर्वक मनाई गई। इस दौरान डॉ. आंबेडकर के जीवन पर प्रकाश डालते हुए सामाजिक भेदभाव को मिटाने तथा समाज के पिछडे वर्ग को आगे बढ़ाने के लिए पहल के बारे में विस्तार से बताया। कार्यक्रम के दौरान बालकों के द्वारा चित्रकला, पेंटिंग, निबंध व भाषण प्रतियोगिता आयोजित की गई तथा उत्कर्ष प्रतिभाओं को सम्मानित किया गया। इस दौरान प्रार्थना सभा में विद्यालय में उपस्थित बालक- बालिकाओ को संविधान की प्रस्तावना का वाचन किया तथा शपथ दिलाई जिसमें बालक-बालिकाओं के अलावा विद्यालय स्टाफ व अभिभावक उपस्थित हुए। इस दौरान विद्यालय के प्रधानाचार्य ने डॉ भीमराव अंबेडकर की जीवनी पर प्रकाश डालते हुए उनके आदर्शों को जीवन में आत्मसात करने को कहा।

साथ ही डॉ. भीमराव अंबेडकर की तस्वीर पर पुष्प अर्पित किए। मुख्य ब्लॉक शिक्षा अधिकारी अशोक कुमार पारीक ने बताया कि सरकार के निर्देशानुसार ब्लॉक के 314 राजकीय व निजी विद्यालयों में आयोजित प्रतियोगिताओ में बड़ी संख्या में बालको ने हुनर दिखाते हुए भाग लिया। साथ ही उत्कृष्ट प्रतिभाओ को पुरस्कृत किया गया।

अंबेडकर जयंती की पूर्व संध्या पर स्वच्छता अभियान और दीपदान किया

स्मार्ट हलचल| बूंदी

संविधान निर्माता भारत रत्न बाबासाहेब भीमराव अंबेडकर की जयंती की पूर्व संध्या पर सोमवार शाम को अंबेडकर सर्किल पर भाजपा द्वारा स्वच्छता अभियान और दीपदान कार्यक्रम आयोजित किया गया । सभी कार्यकर्ताओं ने जिला अध्यक्ष रामेश्वर मीणा की अगुवाई में एकजुटता से अंबेडकर सर्किल पर झाड़ू लगाकर सफाई कार्य किया और बाबा साहेब की प्रतिमा पर दीपदान किया गया । 14 अप्रैल मंगलवार प्रातः 10:00 बजे भाजपा कार्यकर्ताओं द्वारा बाबासाहेब की प्रतिमा पर माल्यार्पण कार्यक्रम आयोजित होगा । कार्यक्रम सहसंयोजक अभिषेक जैन ने बताया कि इस दौरान पूर्व जिला अध्यक्ष कुंज बिहारी बिल्या, पूर्व जिला अध्यक्ष सुरेश अग्रवाल, जिला महामंत्री संजय लाठी शहर अध्यक्ष राजकुमार श्रंगी, जिला संयोजक व पूर्व जिला प्रमुख राकेश बोयत, पूर्व उप जिला प्रमुख आशा मीणा, डॉक्टर बृजबाला गुप्ता, महिला मोर्चा जिला अध्यक्ष नूपुर मालव, पूर्व उपसभापति संतोष कटारा, जिला मंत्री रंजना जोशी, रजनी छाबड़ा, जिला कार्यालय मंत्री मोहन कराड, जिला प्रवक्ता कविता कहार, शहर महामंत्री गौरव वर्मा, संजय भूटानी, सहसंयोजक कमलेश रेगर, शहर मंत्री दिलीप सिंह, पूर्व जिला प्रवक्ता निर्मल मालव, जनसंख्या फाउंडेशन शहर अध्यक्ष अशोक जैन, सोशल मीडिया संयोजक मुकेश सोमानी, आईटी संयोजक अर्चना जैन, महिला मोर्चा जिला मंत्री कमलेश सक्सेना, साधना श्रंगी, पूर्व पार्षद पेंशु सिंह, पूनम, महेश जैन, महावीर सैनी, ऋतिक नायक, भोला गुर्जर, मनोज जांगिड़ सहित कार्यकर्ता मौजूद रहे।

'संविधान एवं अंबेडकर'' विषय पर पेंटिंग प्रतियोगिता आयोजित

स्मार्ट हलचल

भीलवाड़ा। सेठ मुरलीधर मानसिंहका राजकीय कन्या महाविद्यालय में डॉ. बी.आर. अंबेडकर जयंती के अवसर पर 14 अप्रैल तक आयोजित होने वाले कार्यक्रमों की श्रृंखला के अंतर्गत सोमवार को राष्ट्रीय सेवा योजना एवं चित्रकला विभाग के संयुक्त तत्वावधान में प्राचार्य डॉ. सावन कुमार जांगिड़ की अध्यक्षता में 'संविधान एवं अंबेडकर' विषय पर पेंटिंग प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। इस अवसर पर महाविद्यालय की छात्राओं ने उत्साहपूर्वक भाग लेते हुए अपनी रचनात्मक प्रतिभा का प्रदर्शन किया। प्रतियोगिता में छात्राओं ने संविधान के मूल्यों एवं डॉ. अंबेडकर के विचारों को चित्रों के माध्यम से सजीव रूप में प्रस्तुत किया। कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए प्राचार्य ने कहा कि डॉ. भीमराव अंबेडकर भारतीय संविधान के निर्माता ही नहीं, बल्कि सामाजिक न्याय, समानता और मानवाधिकारों के महान अग्रदूत थे। अंबेडकर जयंती हमें उनके सिद्धांतों- समानता, स्वतंत्रता और बंधुत्व को आत्मसात करने की प्रेरणा देती है। उन्होंने छात्राओं से आह्वान किया कि वे संविधान के मूल्यों को अपने जीवन मंज अपनाकर एक जिम्मेदार नागरिक बनें तथा समाज में सकारात्मक परिवर्तन लाने में अपनी सक्रिय भूमिका निभाएं।

खण्डेलवाल सरावगी समाज के नवीन पार्श्वनाथ जिनालय का शिलान्यास

स्मार्ट हलचल| बूंदी

पार्शवनाथ कालोनी देवपुरा में नवीन पाश्वनाथ जिनालय का श्री दिगम्बर जैन खण्डेलवाल (सरावगी) समाज द्वारा शिलान्यास एवं भूमि पूजन समारोह प्रज्ञान सागर महाराज, प्रसिद्ध सागर महाराज के सानिध्य में सम्पन्न हुआ।

समाज के प्रवक्ता डॉ तरुण जैन, मंत्री महावीर सेठी ने बताया कि कार्यक्रम के पूर्व पार्शवनाथ विधान मंडल की पूजा की गई। जिसमें सोधर्म इंद्र का सौभाग्य अभिषेक दीपांक्षी बाकलीवाल केकडी वालो को प्राप्त हुआ। कार्यक्रम का शुभारंभ सम्भवनाथ पाठशाला की बालिकाओं द्वारा प्रस्तुत मंगलाचरण के साथ हुआ। इसके बाद इलायची देवी रावका, चंद्रेश रावका, रश्मि रावका द्वारा कार्यक्रम का झंडा रोहण किया गया।

अध्यक्ष ऋत्ऋवभ सोगाणी ने बताया कि इसके मानस्तंभ एवं जिनालय हेतु मुख्य शिला, सिद्ध शिला, अरिहंत शिला, मूलनायक प्रतिमा, मानस्तम्भप्रतिमा आदि की बोली लगाई गई। मूलनायक प्रतिमा के पूर्णयर्जक अमित जैन, बरखा जैन, पर्व जैन विलासपुरिया वाले बीएम जैन एंड कंपनी टोंक वाले रहे। मानस्तम्भ मुख्य शिला के पूर्णयर्जक कमला बाई, पदम, अशोक रोबिन कासलीवाल थे। मुख्य बेदी की मुख्य शिला के पूर्णयर्जक मंजू देवी, धीरज, राकेश शाह थे। नवीन जिनालय के फाउंडर मेम्बर्स विपिन

गोधा, राजेन्द्र छाबडा, ओम प्रकाश बडजात्या, महावीर सेठी, ऋत्ऋश्वभ सोगाणी,मुकेश सोगनी, लोकेश गोधा, विमल, कटारिया, अशोक कासलीवाल, डॉ तरुण जैन, शांति लाल गंगवाल, लोकेश चंदवाड आदि ने मुनि श्री को श्री फल भेंट किया। इसके बाद मुनि प्रज्ञान सागर ने धर्म सभा को सम्बोधित करते हुए दान के महत्त्व बताए। अंत मे पंडित नरेंद्र द्वारा मंत्रोचार के विधि विधान शिलाऐ रखी गई।

कार्यक्रम के दौरान खंडेलवाल समाज अध्यक्ष संतोष पाटनी, मंत्री योगेंद्र कासलीवाल, सकल जैन के अध्यक्ष महावीर धनोप्या, सुरेंद्र छाबडा, लोकेश सेठी, सेंकी जैन, सुनील बाकलीवाल, सी.टी.ओ नरेंद्र जैन, रमेश बडजात्या, समाज सेवी बिरधी चंद छाबडा, संजय जैन एडवोकेट, ओम ठग, प्रभात कासलीवाल, नवीन गंगवाल, मनोज जैन, संगीता सेठी, इंद्रा सोगाणीआदि मौजूद रहे। कार्यक्रम का संचालन ब्रम्हचारी पूर्णन्यास जैन ने किया। महाराज की सुबह आहार किया हुई। जिसका सौभाग्य महावीर सेठी, मनोज जैन, लोकेश जैन को प्राप्त हुआ।

दिगम्बर जैन सोशल ग्रुप फेडरेशन का 30वां राष्ट्रीय अधिवेशन संपन्न

स्मार्ट हलचल

बारां/खानपुर। दिगम्बर जैन तीर्थ क्षेत्र चांदखेड़ी में दिगम्बर जैन सोशल ग्रुप फेडरेशन का 30वां राष्ट्रीय अधिवेशन ऐतिहासिक भव्यता के साथ संपन्न हुआ। 'में से हम की यात्रा' थीम पर आधारित इस कार्यक्रम में संगठन की एकजुटता और सामाजिक सरोकारों पर जोर दिया गया।

यह आयोजन राष्ट्रीय अध्यक्ष मनोहर झाँझरी व अन्य पदाधिकारियों के तत्वावधान में हुआ। मुख्य अतिथि पूर्व केंद्रीय मंत्री प्रदीप जैन 'आदित्य' रहे, जबकि अध्यक्षता चांदखेड़ी जैन तीर्थ क्षेत्र के अध्यक्ष हुकमचंद जैन ने की। राष्ट्रीय मीडिया प्रभारी नितिन जैन ने बताया कि देशभर के 14 रीजन के 350 से अधिक ग्रुपों के 1000 से ज्यादा पदाधिकारी अधिवेशन में शामिल हुए, जहां भावी योजनाओं पर विस्तार से चर्चा की गई।

कार्यक्रम की शुरुआत अभिषेक पूजन, महिला बैंड दल के साथ ध्वजारोहण और बालकों के मंगलाचरण से हुई। अधिवेशन में उत्कृष्ट कार्यों के लिए चंबल को सर्वश्रेष्ठ रीजन घोषित किया गया। इसके अलावा सर्वश्रेष्ठ रीजन अध्यक्ष सीए मनोज जैन, रीजन कोषाध्यक्ष सुनील घिया, महिला अध्यक्ष मयूरी पाटनी, ग्रुप अध्यक्ष मुल्कराज बादशाह एवं ग्रुप सचिव मयंक जैन को सम्मानित किया गया। कार्यक्रम को सफल बनाने में दिगम्बर जैन सोशल ग्रुप चंद्रोदय चांदखेड़ी की टीम का विशेष योगदान रहा, जिनकी ओर से निकाली गई माँ जिनवाणी की पालकी ने सभी का मन मोह लिया।

बाबा साहब डॉ भीमराव अंबेडकर की मनाई जयंती, विद्यार्थियों ने किया संविधान की उद्देशिका का वाचन

स्मार्ट हलचल|काछोला

कस्बे सहित क्षेत्र के सरथला,महुआ,मानपुरा, थलकला,जस्सूजी का खेडा सहित आदि विद्यालयों में भारत रत्न बाबासाहेब भीमराव अंबेडकर जयंती के उपलक्ष में आज पीएम श्री राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय धामनिया में विभिन्न कार्यक्रम आयोजित हुए। बाबासाहेब के विचारों को जन-जन तक पहुंचाने के लिए विभिन्न कार्यक्रमों के तहत आज स्थानीय विद्यालय में भारत के संविधान की उद्देशिका का वाचन प्रार्थना सभा में छात्र महादेव नाथ योगी तथा कविता योगी ने प्रभारी जगदीश चंद्र मंत्री के नेतृत्व में वाचन किया।

इसके पश्चात प्रश्नोत्तरी कार्यक्रम में विभिन्न प्रश्नों के माध्यम से छात्र-छात्राओं को बाबा साहब एवं संविधान के प्रति जागरूक किया जिसमें कविता योगी ने प्रथम स्थान गार्गी पुरोहित ने द्वितीय स्थान तथा खुशबू धाकड़ ने तृतीय स्थान प्राप्त किया व्याख्याता प्रकाश चतुर्वेदी ने प्रभारी जगदीश मंत्री के साथ प्रश्न उत्तर कार्यक्रम आयोजित किया विद्यालय प्रभारी हीरालाल शर्मा ने रामप्यारी मीणा पप्पू कुमार मीणा के साथ निबंध प्रतियोगिता में छात्र-छात्राओं को प्रेरित किया निबंध प्रतियोगिता में कविता योगी ने प्रथम स्थान कमल धाकड़ ने दूसरा स्थान तथा विद्या कुमारी पांचाल ने तृतीय स्थान प्राप्त किया पोस्टर प्रतियोगिता में रामप्यारी मीणा नंदलाल कुम्हार तथा बाबूलाल खटीक के नेतृत्व में छात्र-छात्राओं में बढ़ चढ़कर भाग लिया इसमें शिवानी प्रथम स्थान गार्गी पुरोहित द्वितीय स्थान रही। संविधान की उद्देशिका वाचन में 270 छात्र-छात्राओं ने अभिभावकों एवं शिक्षकों के साथ भाग लिया।

प्रभारी मंत्री ने छात्र छात्रों को बताया कि बाबा साहब ने उस समय हाशिए पर पड़े समुदायों के अधिकारों की रक्षा की थी। उनका मानना था कि सच्ची तरक्की तभी हो सकती है जब हर इंसान, चाहे उसकी जाति या बैकग्राउंड कुछ भी हो, उसे बराबर अधिकार और सम्मान मिले। उन्होंने अपनी लिखाई, भाषण और सुधार आंदोलनों से सामाजकि रुकावटों का सामना करने और सबको साथ लेकर चलने की बात की थी।

बाबा साहब का मानना था कि शिक्षा से समाज को बदलने की सबसे बड़ी ताकत है। उन्होंने कहा था कि 'शिक्षा शेरनी का वह दूध है, जो जितना पिएगा वो दहाड़ेगा' आज सभी को आगे बढने के लिए प्रेरित करता है। वे सिर्फ संविधान निर्माता ही नहीं थे बल्कि एक महान विचारक और समाज सुधारक भी थे।

इस अवसर पर विद्यालय प्रभारी हीरालाल शर्मा पीएम श्री प्रभारी जगदीश मंत्री, प्रकाश चतुर्वेदी,नंदलाल कुम्हार, पप्पू कुमार मीणा,राजकुमार चौधरी, रामप्यारी मीणा,देबी लाल गुर्जर,बाबूलाल खटीक आदि उपस्थित थे।कार्यक्रम का संचालन जगदीश मंत्री ने किया।

कोटड़ी पत्रकार शर्मा को मातृ शोक

स्मार्ट हलचल|कोटड़ी

कोटड़ी निवासी कैलाश चन्द्र शर्मा व पत्रकार संघ के अध्यक्ष, दैनिक नवज्योति कोटड़ी के वरिष्ट पत्रकार श्याम सुन्दर की माता श्रीमती बदाम देवी पत्नी भंवर लाल चोटिया (शर्मा) का आज शाम को निधन हो गया। श्रीमती शर्मा के निधन पर कोटड़ी कस्बावासियो, उपखण्ड के जनप्रतिनिधियों व पत्रकार संघ के सदस्यों ने गहरा दुख प्रकट किया। अन्तिम यात्रा मंगलवार को सुबह 9 बजे भीलवाड़ा आवास से पंचमुखी मोक्षधाम जाएगी।

728 किलोमीटर का सफर: नर्मदा का नीर पहुंचा देश के आखिरी गाँव सुंदरा तक, बदली ज़िंदगी की धारा

स्मार्ट हलचल | जयपुर/बाड़मेर

राजस्थान के बाड़मेर जिले की भारत-पाकिस्तान सीमा पर बसे सुंदरा गाँव में इतिहास रच गया है। आज़ादी के बाद पहली बार इस दूरस्थ रेगिस्तानी गाँव के हर घर तक नल से स्वच्छ पेयजल पहुंचा है। यह केवल पानी की आपूर्ति नहीं, बल्कि वर्षों से चली आ रही कठिनाइयों पर जीत और नई उम्मीदों की शुरुआत है।

सदियों पुराना गाँव, कठिन परिस्थितियों से जुड़ाव

सन् 1734 में स्थापित सुंदरा कभी क्षेत्रफल की दृष्टि से देश की सबसे बड़ी ग्राम पंचायत माना जाता था। लगभग 1345 वर्ग किलोमीटर में फैले इस गाँव का जीवन हमेशा से रेगिस्तान की कठिन परिस्थितियों से जुड़ा रहा है। बाड़मेर मुख्यालय से करीब 170 किलोमीटर दूर बसे इस गाँव के लोगों को पीने के पानी के लिए वर्षों तक संघर्ष करना पड़ा। यहाँ का भूजल इतना खारा था कि इंसान और पशु दोनों उसे पीने से कतराते थे। सरकार की ओर से लगाए गए ट्यूबवेल भी बेकार साबित हुए। मजबूरी में लोगों को 15-20 किलोमीटर दूर अन्य गाँवों से पानी ढोकर लाना पड़ता था।

युद्ध और विस्थापन की पीड़ा

भारत-पाक युद्ध 1965 और 1971 के दौरान इस सीमा क्षेत्र के गाँवों को खाली करवा दिया गया था। ऐसे में सुंदरा के लोगों ने न केवल प्राकृतिक कठिनाइयों, बल्कि ऐतिहासिक चुनौतियों का भी सामना किया।

नर्मदा का नीर: असंभव को संभव करने वाली परियोजना

इस क्षेत्र की सबसे बड़ी समस्या – पेयजल – का समाधान बनी नर्मदा नहर आधारित पेयजल परियोजना। सरदार सरोवर बाँध से शुरू होकर नर्मदा का पानी 728 किलोमीटर की लंबी दूरी तय कर सुंदरा तक पहुंचा।

करीब 513 करोड़ रुपए की इस महत्वाकांक्षी योजना के तहत:

200 से अधिक गाँवों तक पानी पहुंचाने का लक्ष्य रखा गया। 16 बड़े जल संग्रहण केंद्र बनाए गए। कई पम्पिंग स्टेशन स्थापित किए गए। 80 से अधिक एलिवेटेड सर्विस रिज़र्वायर तैयार किए गए। रेत के ऊँचे-ऊँचे टीलों को काटकर पाइपलाइन बिछाना, बिजली की कमी और सीमा क्षेत्र में सुरक्षा प्रतिबंध – इन सभी बाधाओं को पार करते हुए यह परियोजना पूरी की गई।

जब सपना हकीकत बना

सुंदरा के लोगों के लिए यह बदलाव किसी चमत्कार से कम नहीं है। 80 वर्षीय महिलाओं ने पहली बार अपने घर के सामने मीठे पानी का नल देखा। दशकों तक खारा पानी पीने के कारण लोगों के स्वास्थ्य पर गंभीर असर पड़ा था – दाँत पीले होना, हड्डियाँ कमजोर होना और समय से पहले बुढ़ापा आम बात थी। अब गाँव की महिलाओं को रोजाना कई किलोमीटर दूर पानी लाने की मजबूरी से मुक्ति मिल गई है। इससे न केवल समय की बचत होगी, बल्कि स्वास्थ्य और जीवन स्तर में भी सुधार आएगा।

नई शुरुआत की ओर कदम

आज सुंदरा गाँव में नल से बहता पानी सिर्फ प्यास बुझाने का साधन नहीं, बल्कि विकास, सम्मान और बेहतर जीवन का प्रतीक बन चुका है। यह कहानी बताती है कि सही योजना, दृढ़ संकल्प और तकनीकी प्रयासों से देश के सबसे कठिन इलाकों में भी बदलाव संभव है।

चित्तौड़गढ़ जिला महिला कांग्रेस की कार्यकारिणी घोषित

आंजना की अनुशंसा पर निम्बाहेड़ा की महिला शक्ति को मिला अहम प्रतिनिधित्व

स्मार्ट हलचल | चित्तौड़गढ़

महिला कांग्रेस की राष्ट्रीय अध्यक्षा श्रीमती अलका लांबा, पीसीसी चीफ गोविंद सिंह डोटासरा और प्रदेश महिला कांग्रेस अध्यक्ष श्रीमती सारिका सिंह के निर्देश पर चित्तौड़गढ़ जिला महिला कांग्रेस अध्यक्षा श्रीमती यशोदा पुरोहित द्वारा नई कार्यकारिणी की घोषणा की गई है।

इस कार्यकारिणी में पूर्व सहकारिता मंत्री एवं वरिष्ठ कांग्रेस नेता उदयलाल आंजना की अनुशंसा पर निम्बाहेड़ा विधानसभा क्षेत्र से सक्रिय व समर्पित महिला कार्यकर्ताओं को सम्मानजनक स्थान देकर संगठन को सशक्त बनाने का प्रयास किया गया है।

पूर्व मंत्री आंजना की अनुशंसा पर निम्बाहेड़ा से एकता सोनी व शबाना खान को जिला उपाध्यक्ष, वंदना जैन व ममता त्रिपाठी को जिला महासचिव तथा मुन्नीदेवी तेली व गायत्री शर्मा को जिला सचिव मनोनीत किया गया है। साथ ही, सुनीता पारख को निम्बाहेड़ा नगर अध्यक्ष और अनुसुईया मीणा को निम्बाहेड़ा ब्लॉक अध्यक्ष की जिम्मेदारी सौंपी गई है।

इन नियुक्तियों पर स्थानीय कांग्रेसजनों में भारी उत्साह है। कार्यकर्ताओं ने पूर्व मंत्री उदयलाल आंजना सहित शीर्ष नेतृत्व का आभार व्यक्त करते हुए सभी नवनियुक्त पदाधिकारियों को शुभकामनाएं दी हैं।

'मुख्यमंत्री विकसित शहर अभियान' का आगाज

स्मार्ट हलचल

ब्यावर। राज्य सरकार के 'विकसित राजस्थान 2027' विजन को धरातल पर उतारने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम उठाते हुए 'मुख्यमंत्री विकसित शहर अभियान' का शुभारंभ किया गया है। इस अभियान का मुख्य उद्देश्य शहरी क्षेत्रों में योजनाबद्ध विकास के साथ-साथ आमजन की भागीदारी (सहभागी विकास) को प्रोत्साहित करना है।

वार्ड स्तर पर तय होंगी प्राथमिकताएं

अभियान के अंतर्गत स्थानीय समुदायों की वास्तविक आवश्यकताओं और आकांक्षाओं को ध्यान में रखते हुए शहरी वार्डों का संतुलित और समग्र विकास सुनिश्चित किया जाएगा। इसके तहत प्रत्येक वार्ड की प्रमुख चुनौतियों की पहचान की जाएगी और उपलब्ध संसाधनों के आधार पर उनके प्रभावी समाधान तलाशे जाएंगे।

कमरा नंबर 11 में खुला सुझाव केंद्र

आमजन की राय को प्राथमिकता देने के लिए प्रशासन द्वारा सामान्य प्रशासन विभाग के कमरा नंबर 11 में एक विशेष 'सुझाव संग्रहण केंद्र' स्थापित किया गया है। शहर के जागरूक नागरिक अपने वार्ड के विकास, मूलभूत सुविधाओं में सुधार और स्थानीय समस्याओं के समाधान हेतु अपने लिखित सुझाव यहाँ जमा करवा सकते हैं।

महत्वपूर्ण जानकारी: स्थान: कमरा नंबर 11, सामान्य प्रशासन। समय: कार्यालय समय के दौरान। प्रक्रिया: सुझाव केवल लिखित रूप में स्वीकार किए जाएंगे।

प्रशासन का मानना है कि जनता के सीधे सुझावों से विकास कार्यों में पारदर्शिता आएगी और सरकारी योजनाओं का लाभ अंतिम छोर तक पहुँच सकेगा

नारी शक्ति वंदन अधिनियम से बढ़ेगी महिलाओं की भागीदारी, नीति निर्माण में निभाएंगी अहम भूमिका: दिया कुमारी

महिला सशक्तिकरण की दिशा में ऐतिहासिक कदम—जयपुर में उपमुख्यमंत्री दिया कुमारी का संवाद कार्यक्रम

स्मार्ट हलचल

जयपुर। दिया कुमारी ने जयपुर में विभिन्न क्षेत्रों में उत्कृष्ट कार्य कर रही महिलाओं के साथ संवाद करते हुए 'नारी शक्ति वंदन अधिनियम' को महिला सशक्तिकरण की दिशा में ऐतिहासिक पहल बताया। इस अवसर पर उन्होंने महिलाओं के विचार, सुझाव और अनुभवों को ध्यानपूर्वक सुना और उन्हें नीति निर्माण में सक्रिय भागीदारी के लिए प्रेरित किया।

उपमुख्यमंत्री ने कहा कि यह अधिनियम नरेंद्र मोदी के दूरदर्शी नेतृत्व का परिणाम है, जो देश की महिलाओं को नई पहचान और अवसर प्रदान करेगा। उन्होंने कहा कि लंबे समय से महिलाओं को राजनीति और नीति निर्माण में पर्याप्त प्रतिनिधित्व नहीं मिल पाया था, लेकिन अब यह कानून उन्हें सशक्त बनाकर निर्णय प्रक्रिया का महत्वपूर्ण हिस्सा बनाएगा।

संवाद कार्यक्रम में शिक्षा, स्वास्थ्य, सामाजिक सेवा, उद्यमिता और प्रशासनिक क्षेत्रों से जुड़ी महिलाओं ने भाग लिया। उपस्थित महिलाओं ने अपने अनुभव साझा करते हुए बताया कि इस अधिनियम से उन्हें नेतृत्व के नए अवसर मिलेंगे और वे समाज के विकास में अधिक प्रभावी भूमिका निभा सकेंगी।

दिया कुमारी ने कहा कि 'नारी शक्ति वंदन अधिनियम' के माध्यम से महिलाएं आत्मनिर्भर भारत के निर्माण में अग्रणी भूमिका निभाएंगी। उन्होंने कहा कि यह कानून महिलाओं को पुरुषों के समान अधिकार और अवसर दिलाने की दिशा में मील का पत्थर साबित होगा।

उन्होंने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि पूर्व में कई सरकारों ने महिलाओं को राजनीतिक प्रतिनिधित्व देने की बात कही, लेकिन इसे धरातल पर उतारने का कार्य वर्तमान सरकार ने किया है।

कार्यक्रम में मौजूद महिलाओं ने सरकार की इस पहल का स्वागत करते हुए विश्वास जताया कि इससे देश में सकारात्मक बदलाव आएगा और महिलाएं हर क्षेत्र में नेतृत्व करती नजर आएंगी।

घर से नाराज होकर निकली 7 वर्षिय बालिका को परिवार तक पहुंचाया

स्मार्ट हलचल | ओम जैन

चित्तौड़गढ़। कलेक्ट्रेट चौराहा पर रोती बिलखती मिली एक 7 वर्षीय बच्ची जो कि दादी के डांटने पर घर से निकलकर कलेक्ट्रेट पहुंच गई जिसको कालिका यूनिट की मदद से परिवार तक पहुंचाया गया।

साथिन ब्रजबाला तिवारी ने बताया कि मैं सोमवार दोपहर करीब 12:30 बजे कलेक्ट्री चौराहा से गुजर रही थी तब एक 7 वर्षीय बच्ची डिम्पल पुत्री उदयलाल निवासी भूतिया ग्राम पंचायत नाहरगढ़ जो खो गई थी और कलेक्ट्री पहुंच गई थी वो रोती बिलखती अकेली मिली तो मैने कालिका यूनिट को फोन किया तो तुरन्त कालिका टीम से रेखा, रेणुका ओर आकांक्षा मौके पर पुहंची, फिर उससे पूछताछ की एवं नाहरगढ़ ग्राम पंचायत में सूचना कर हमने घर वालो को बुलाया करीब 4 बजे घर वाले आये तब पता चला कि वो रविवार से घर से निकली जिसे हम सिंहपुर के उधर ढूंढ रहे थे, बच्ची के मिलने पर माता ओर परिजनों की आंखे खुशी से झलक उठी, सभी ने ब्रजबाला ओर कालिका टीम का आभार जताया।

आवश्यक सेवाओं संबंधी साप्ताहिक समीक्षा बैठक हुई सम्पन्न

स्मार्ट हलचल | बूंदी

आवश्यक सेवाओं संबंधी साप्ताहिक समीक्षा बैठक सोमवार को कार्यवाहक जिला कलेक्टर रामकिशोर मीणा की अध्यक्षता में कलेक्ट्रेट सभागार में आयोजित हुई। बैठक में जिले में पेयजल, बिजली आपूर्ति व चिकित्सा सुविधाओं की समीक्षा कर आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए।

बैठक में जिला कलेक्टर ने निर्देश दिए कि गर्मी के मौसम को देखते हुए आमजन की सुविधा के लिए स्वीकृत हुए ट्यूबवैल को प्राथमिकता के साथ बिजली कनेक्शन जारी किए जाएं साथ ही जिलेभर में खराब पड़े हैंडपंपों को प्राथमिकता के साथ दुरुस्त करवाया जाएं। ताकि आमजन को गर्मियों में पेयजल संबंधी समस्याओं का सामना ना करना पड़े।

उन्होंने जिले में स्थापित विभिन्न खरीद केंद्रों पर समर्थन मूल्य पर की जा रही खरीद प्रक्रिया के बारे में विस्तार से जानकारी लेते हुए निर्देश दिए की खरीद केंद्रों पर आ रही विभिन्न समस्याओं को प्राथमिकता के साथ निस्तारित किया जावें। खरीद एजेंसियां आपसी समन्वय के साथ खरीद प्रक्रिया को सुगम व व्यवस्थित रूप से संपादित करें ताकि किसानों को किसी प्रकार की समस्या का सामना न करना पड़े। उन्होंने निर्देश दिए की खरीद केंद्रों पर बारदाना, पेयजल, छाया सहित अन्य मूलभूत सुविधाओं की उपलब्धता सुनिश्चित की जावें। टोकन व्यवस्था से ही जींसों की खरीद की जावे। साथ ही जींस का तुरंत उठाव किया जावें परिवहन व्यवस्था को लेकर पर्याप्त संख्या में ट्रकों की उपलब्धता रखी जावें।

उन्होंने कहा कि हीटवेव के दृष्टिगत सभी चिकित्सा संस्थानों में ओआरएस, कूलर, शुद्ध पेयजल, छाया, पर्याप्त संख्या में आवश्यक दवाओं की उपलब्धता रखी जावे साफ सफाई का विशेष ध्यान दिया जाएं। उन्होंने कहा कि सभी विभाग बजट घोषणाओं को धरातल पर जल्द लागू करने के लिए विशेष प्रयास करें। उन्होंने निर्देश दिए कि गर्मियों में आने वाली लो-वोल्टेज की समस्या के समाधान के लिए कार्य योजना बनाएं। सांसद एवं विधायक कोष के अप्रारंभ कार्यों को शीघ्र शुरू करवाएं तथा पूर्ण हो चूके कार्यों के कार्य पूर्णता प्रमाण-पत्र एवं कार्य उपयोगिता प्रमाण-पत्र आवश्यक रूप से भिजवाया जाना सुनिश्चित किया जावें। बैठक में मुख्य कार्यकारी अधिकारी जिला परिषद रवि वर्मा, विद्युत विभाग के अधीक्षण अभियंता सी पी गुप्ता, मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. ओपी सामर, जन स्वास्थ्य एवं अभियांत्रिकी विभाग के अधीक्षण अभियंता सुनील कुमार शर्मा, प्रवर्तन अधिकारी शिवजी राम जाट सहित अन्य जिला स्तरीय अधिकारी मौजूद रहें।

मॉडल स्कूल करौली में अंबेडकर जयंती पर आयोजित हुई प्रतियोगिताएं

स्मार्ट हलचल | करौली

स्वामी विवेकानंद राजकीय मॉडल स्कूल ब्लॉक करौली प्रधानाचार्य गोविंद सहाय प्रजापत ने बताया कि 14 अप्रैल भीमराव अंबेडकर की जयंती के उपलक्ष में आज स्वामी विवेकानंद राजकीय मॉडल स्कूल ब्लॉक करौली में पेंटिंग और निबंध प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। निबंध प्रतियोगिता में प्रथम स्थान परी गुप्ता,द्वितीय स्थान शिवानी मीणा,तृतीय स्थान परी मित्तल ने प्राप्त किया। पेंटिंग प्रतियोगिता में एक से बढ़कर एक विद्यार्थियों ने डॉक्टर भीमराव अंबेडकर के चित्र बनायें।पेंटिंग प्रतियोगिता में प्रथम स्थान पर प्रियांशी, द्वितीय स्थान पर रितु,तृतीय स्थान पर सुमित्रा रही। प्रथम द्वितीय एवं तृतीय स्थान प्राप्त करने बाले विद्यार्थियों को प्रधानाचार्य गोविंद सहाय प्रजापत,राजेश कुमार मीणा, मुकेश कुमार मीणा,मीरा मीना,सोहनलाल तिवाडी ने पुरस्कृत किया।इस अवसर बाबा साहब भीमराव अम्बेडकर के जीवन,दर्शन पर प्रधानाचार्य गोविंद सहाय प्रजापत ने प्रकाश डाला।

संदिग्ध परिस्थितियों में मजदूर की झोपड़ी में लगी आग, सामान राख

स्मार्ट हलचल | खखरेरू / फतेहपुर

थाना क्षेत्र के गुरसंडी गांव में सड़क किनारे बनी घास-फूस की झोपड़ी में संदिग्ध परिस्थितियों में आग लगने से मजदूर का आशियाना जलकर राख हो गया। हादसे में घर का सामान नष्ट हो गया, जबकि एक भैंस बुरी तरह झुलस गई।

जानकारी के अनुसार गुरसंडी गांव निवासी सोहनलाल सोनकर पुत्र स्व. चौसाठी सड़क किनारे घास-फूस की झोपड़ी बनाकर परिवार के साथ जीवनयापन कर रहे थे। शनिवार शाम करीब 8:30 बजे अचानक उनकी झोपड़ी में आग लग गई। जब तक परिवार कुछ समझ पाता, आग ने पूरी झोपड़ी को अपनी चपेट में ले लिया।आग की लपटों में झोपड़ी के अंदर रखा करीब चार कुंतल गेहूं, कपड़े, चारपाई समेत अन्य घरेलू सामान जलकर राख हो गया। झोपड़ी के पास बंधी भैंस भी आग की चपेट में आ गई। ग्रामीणों की मदद से जोखिम उठाकर मवेशी को बाहर निकाला गया, लेकिन तब तक वह बुरी तरह झुलस चुकी थी। ग्रामीणों का अनुमान है कि किसी अराजक तत्व द्वारा फेंकी गई बीड़ी या सिगरेट से आग लगी हो सकती है। पीड़ित ने घटना की सूचना क्षेत्रीय लेखपाल को दी, लेकिन खबर लिखे जाने तक लेखपाल मौके पर नहीं पहुंचे थे।

शहर एवं ग्रामीण कांग्रेस के तत्वाधान में संगठन बढ़ाओ लोकतंत्र बचाओ की बैठक आयोजित

स्मार्ट हलचल | ओम जैन

चित्तौड़गढ़। अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी एवं प्रदेश कांग्रेस कमेटी के निर्देशन में चलाए जा रहे संगठन बढ़ाओ लोकतंत्र बचाओ कार्यक्रम की चित्तौड़गढ़ विधानसभा क्षेत्र की बैठक शहर एवं ग्रामीण कांग्रेस के तत्वाधान में पूर्व राज्यमंत्री सुरेंद्रसिंह जाड़ावत के मुख्य आतिथ्य एवं विधानसभा प्रभारी नरेंद्र सिंह गुड्डा की अध्यक्षता में दीपक गार्डन संगम मार्ग पर आयोजित हुई। कार्यक्रम में जलियांवाला बाग कांड में शहादत देने वालों के लिए मौन रहकर श्रृद्धांजलि अर्पित की गई।

प्रवक्ता नवरतन जीनगर ने बताया कि बैठक को संबोधित करते हुए पूर्व राज्यमंत्री सुरेंद्रसिंह जाड़ावत ने कहा कि भाजपा सरकार द्वारा पंचायती राज और नगर निकायों के चुनाव टालने के निर्णय को लोकतांत्रिक परंपराओं पर कुठाराघात करार देते हुए कहा कि भजनलाल की पर्ची सरकार राजस्थान के स्थानीय चुनावों में अपनी संभावित हार को देखते हुए बार बार चुनावों को आगे बढ़ाने का काम कर रही है कांग्रेस की योजनाओं को कमजोर कर रहे है इनके राज में कानून व्यवस्था लचर साबित हो रही है प्रशासनिक तंत्र फेल हो चुका है जिससे यह डरे हुए है संगठन की मजबूती ही पार्टी की सबसे बड़ी ताकत है। उन्होंने कार्यकर्ताओं से आह्वान किया कि वे घर-घर जाकर कांग्रेस की नीतियों को आमजन तक पहुंचाएं तथा अधिक से अधिक लोगों को संगठन से जोड़ें, लोकतांत्रिक मूल्यों की रक्षा के लिए एकजुट होकर कार्य करने की आवश्यकता है इस अवसर पर पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत द्वारा जिले की 1026 करोड़ की उन्होंने चंबल परियोजना के चित्तौड़गढ़ विधानसभा क्षेत्र में धरातल पर उतरने की बधाई देते हुए स्थानीय विधायक चंद्रभान सिंह आक्या पर कटाक्ष करते हुए कहा कि इस परियोजना के बारे में उनको कोई जानकारी नहीं है उनकी सोच हेडपंप लगाने और बजरी का व्यवसाय करने तक सीमित है मेरी मानसिक स्थिति बिल्कुल सही है अहंकार में आकर विधायक अधिकारियों को गाली देता है और अपने निजी व्यवसाई मित्र को फायदा पहुंचाने की नियत से होमगार्ड की बिल्डिंग को तुड़वाने की धमकी देता है मानसिक स्थिति उनकी बिगड़ी हुई है। होमगार्ड की बिल्डिंग सरकार की बिल्डिंग है इसका शिलान्यास पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने किया सरकार के 80 लाख रुपए खर्च हुए है। पुलिस महकमे का हिस्सा होमगार्ड है उनकी बिल्डिंग तुड़वाने की धमकी पर जिला प्रशासन को संज्ञान लेना चाहिए।

विधानसभा प्रभारी नरेंद्र सिंह गुड्डा ने संगठन की शक्ति पर बल देते हुए निर्देशित किया कि यदि कांग्रेस के साथी एकजुटता के साथ मैदान में उतरें तो विपक्षी दल उन्हें पराजित नहीं कर सकते। उन्होंने जमीनी स्तर पर पकड़ मजबूत करने के लिए अविलंब ग्राम पंचायत एवं वार्ड स्तर पर कांग्रेस कमेटियों के गठन के सख्त निर्देश दिए।

कार्यक्रम में युवा नेता नितिन वर्मा ने भी सम्बोधित किया और युवक कांग्रेस के चुनाव में अपने नामांकन के लिए आशीर्वाद मांगते हुए कहा कि में छात्रसंघ चुनाव में एनएसयूआई उम्मीदवार के रूप में विजय हुआ, पूर्व में भी युवक कांग्रेस का चुनाव लड़ा हु युवाओं को संगठन बढ़ाओ अभियान के तहत युवाओं को इस अभियान के तहत अधिक से अधिक सदस्यों को जोड़ने का आव्हान करते हुए इसकी प्रक्रिया के बारे में विस्तार से जानकारी दी।

इस कार्यक्रम में वरिष्ठ नेता प्रेम प्रकाश मूंदड़ा, शहर अध्यक्ष अनिल सोनी, ग्रामीण अध्यक्ष विक्रम जाट, प्रदेश सचिव रणजीत लोट, पूर्व सभापति रमेशनाथ योगी, पूर्व उप सभापति कैलाश पंवार, विधानसभा चुनाव प्रभारी नगेंद्र सिंह राठौड़, पूर्व प्रधान पुष्पा जाट सहित बड़ी संख्या मे कांग्रेस जनप्रतिनिधिगण, पदाधिकारी, कार्यकर्ता मौजूद रहे।

महंत बनवारी शरण जी की पुण्यतिथि निम्बार्क आश्रम में श्रद्धा से मनाई

स्मार्ट हलचल | भीलवाड़ा

श्री निम्बार्क पारमार्थिक सेवा ट्रस्ट (रजि.) के तत्वाधान में महंत श्री मोहन शरण जी शास्त्री के सानिध्य में गोलोकवासी महंत 1008 श्री बनवारी शरण जी की पुण्यतिथि निम्बार्क आश्रम में श्रद्धा व भक्ति के साथ मनाई गई।

मीडिया प्रभारी दिलीप सोनी ने जानकारी देते हुए बताया कि कार्यक्रम की शुरुआत पंडित निलेश शर्मा ने महंत 1008 श्री बनवारी शरण जी शास्त्री की प्रतिमा पर माल्यार्पण एवं पुष्प अर्पित कर की गई पूजा अर्चना कराई । इसके पश्चात महाआरती का आयोजन हुआ तथा उपस्थित श्रद्धालुओं को प्रसाद वितरण किया गया।

पुजारी माधव शरण ने बताया कि इस अवसर पर ट्रस्ट से जुड़े कॉन्ट्रैक्टर ओम प्रकाश सेन, जितेन्द्र वैष्णव, दिनेश शर्मा, नीलम शर्मा, गोपी दादा, कैलाश अरोड़ा, रणजीत सिंह कारोई, रामेश्वर डाड, ओम प्रकाश पारीक, नीरू शर्मा, भंवर लाल शर्मा, दीपिका अरोड़ा, वंदना शर्मा, रवि शर्मा, पुरुषोत्तम शर्मा, विनोद ओझा, गोपाल सुखवाल एवं श्याम सुंदर शर्मा सहित कई श्रद्धालु उपस्थित रहे।

ओवरलोड वाहनों का कहर, प्रशासनिक कार्रवाई बेअसर

स्मार्ट हलचल

मेड़ता रोड। कस्बे और आसपास के क्षेत्रों में चारा और भूसे से भरे ओवरलोड वाहन बेखौफ सड़कों पर दौड़ते नजर आ रहे हैं। इन वाहनों को न तो यातायात नियमों की परवाह है और न ही पुलिस प्रशासन की कार्रवाई का कोई डर दिखाई देता है। स्थिति इतनी गंभीर हो चुकी है कि आए दिन ऐसे ओवरलोड वाहन अनियंत्रित होकर सड़क पर पलट जाते हैं, जिससे बड़े हादसे की आशंका बनी रहती है।

स्थानीय लोगों का कहना है कि कई बार पुलिस द्वारा कार्रवाई किए जाने के बावजूद इन वाहन चालकों पर कोई खास असर नहीं पड़ा है। प्रशासनिक सख्ती के अभाव में ओवरलोडिंग का यह सिलसिला लगातार जारी है। चारा और भूसे से भरे ये वाहन अक्सर संतुलन खो देते हैं, जिससे न सिर्फ चालक बल्कि सड़क पर चल रहे अन्य लोगों की जान भी खतरे में पड़ जाती है। इन हादसों के कारण सड़कों पर लंबा जाम लग जाता है, जिससे आमजन को भारी परेशानी का सामना करना पड़ता है। स्कूल जाने वाले बच्चों, कामकाजी लोगों और आपातकालीन सेवाओं तक को इस अव्यवस्था का खामियाजा भुगतना पड़ रहा है।

स्थानीय नागरिकों में इस समस्या को लेकर भय और आक्रोश दोनों व्याप्त हैं। उनका कहना है कि अगर भविष्य में कोई बड़ा हादसा होता है तो इसकी जिम्मेदारी किसकी होगी। लोगों ने प्रशासन से मांग की है कि ओवरलोड वाहनों पर सख्ती से रोक लगाई जाए और नियमों का कड़ाई से पालन सुनिश्चित किया जाए।

इसके अलावा, आमजन ने यह भी सुझाव दिया है कि कस्बे के भीतर दिन के समय ऐसे वाहनों के प्रवेश पर प्रतिबंध लगाया जाए और केवल रात 10:00 बजे के बाद ही इन्हें चलने की अनुमति दी जाए, ताकि दिन के समय यातायात व्यवस्था सुचारू बनी रहे और दुर्घटनाओं की संभावना कम हो सके।

यदि समय रहते इस समस्या पर ठोस कदम नहीं उठाए गए, तो यह लापरवाही किसी बड़े हादसे को न्योता दे सकती है।

रेल प्रशासन की लापरवाही : मेड़ता रोड रेलवे फाटक संख्या 101 टूटा, लगभग आधा घंटा जाम में फंसे वाहन

स्मार्ट हलचल

मेड़ता रोड। क्षेत्र में रेलवे फाटक संख्या 101 पर रविवार रात एक बार फिर अव्यवस्था का बड़ा नज़ारा देखने को मिला। रात करीब 8:15 बजे रणथंभौर-जोधपुर इंटरसिटी ट्रेन के गुजरने के लिए रेलवे गेट बंद किया गया था, लेकिन ट्रेन के निकल जाने के बाद भी फाटक नहीं खुल सका। कारण था–रेलवे गेट का टूट जाना।

फाटक के लंबे समय तक बंद रहने से सड़क के दोनों ओर वाहनों की लंबी कतारें लग गईं। खासकर नागौर जाने वाले मुख्य मार्ग पर भारी जाम की स्थिति बन गई, जिससे वाहन चालकों को काफी परेशानी का सामना करना पड़ा। यह मार्ग दर्जनों गांवों को जोड़ता है, इसलिए स्थानीय लोगों, कामकाजी यात्रियों और आपातकालीन सेवाओं तक पर इसका सीधा असर पड़ा।

प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, ट्रेन के निकलने के के बाद रेलवे कर्मचारियों ने फाटक को खोलने के लिए तुरंत प्रयास किया लेकिन टूटी फाटक नहीं खुली। अंत में रेल कर्मचारियों ने टीटी फाटक को हटाया। टूटी फाटक से कई लोग घंटों तक जाम में फंसे रहे, जिससे लोगों में रेलवे प्रशासन के प्रति आक्रोश देखने को मिला।

स्थानीय नागरिकों का कहना है कि इस प्रकार की घटनाएं यहां आम हो चुकी हैं। आए दिन रेलवे फाटकों पर तकनीकी खराबी या लापरवाही के कारण लोगों को परेशानी झेलनी पड़ती है, लेकिन जिम्मेदार विभाग इस ओर गंभीरता नहीं दिखा रहा।

इस घटना ने एक बार फिर रेल प्रशासन की कार्यशैली पर सवाल खड़े कर दिए हैं। यदि समय रहते फाटक की मरम्मत और उचित निगरानी की व्यवस्था होती, तो इस प्रकार की समस्या से बचा जा सकता था। अब देखना यह है कि संबंधित विभाग इस मामले में क्या कार्रवाई करता है और भविष्य में ऐसी घटनाओं को रोकने के लिए क्या कदम उठाए जाते हैं।

दौसा पुलिस की बड़ी कार्रवाई

21 वर्षीय लूट का मुख्य आरोपी गिरफ्तार, वारदात का खुलासा

स्मार्ट हलचल

दौसा। जिला पुलिस ने लूट की एक गंभीर वारदात का खुलासा करते हुए मुख्य आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस अधीक्षक सागर राणा के निर्देशन में की गई इस कार्रवाई में घटना में शामिल अन्य आरोपियों को पहले ही गिरफ्तार किया जा चुका है।

पुलिस के अनुसार, 23 मार्च 2026 को शाम करीब 6:30 बजे परिवादी मेहरसिंह निवासी फागी (जयपुर) अपनी बाइक से गुजर रहा था। इसी दौरान रास्ते में अज्ञात बदमाशों ने उसे रोककर मारपीट की और उसका मोबाइल व सोने की अंगूठी लूटकर फरार हो गए। घटना के बाद मामला दर्ज कर पुलिस ने जांच शुरू की।मामले की गंभीरता को देखते हुए थाना बालाहेड़ी पुलिस की एक विशेष टीम का गठन किया गया। टीम ने तकनीकी सहायता और मुखबिर तंत्र के आधार पर कार्रवाई करते हुए लूट की घटना में शामिल मुख्य आरोपी गौरव उर्फ टोपा (19 वर्ष) निवासी नगांव, जिला सवाई माधोपुर को जयपुर से गिरफ्तार किया।पुलिस ने बताया कि इस मामले में अन्य आरोपी ब्रजेश मीणा (21 वर्ष) निवासी अलवर और अनुज कुमार (22 वर्ष) निवासी करौली को पूर्व में ही गिरफ्तार किया जा चुका है। आरोपियों से एक एंड्रॉयड मोबाइल और सोने की अंगूठी बरामद की गई है।

इस पूरी कार्रवाई में थानाधिकारी सत्यनारायण के नेतृत्व में पुलिस टीम ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। टीम के सदस्यों ने लगातार प्रयास कर आरोपियों को पकड़ने में सफलता हासिल की।

पुलिस अधीक्षक सागर राणा ने टीम की सराहना करते हुए कहा कि जिले में कानून व्यवस्था बनाए रखने और अपराधियों पर नकेल कसने के लिए पुलिस लगातार सख्त कार्रवाई कर रही है।इस कार्रवाई से क्षेत्र में सुरक्षा की भावना मजबूत हुई है और अपराधियों में भय का माहौल बना है।

जिला कांग्रेस का संयुक्त आयोजन; चांगगेट पर पुष्पांजलि के बाद दलित बस्तियों में होगा सीधा जनसंवाद

स्मार्ट हलचल

ब्यावर। राजस्थान प्रदेश कांग्रेस कमेटी के आह्वान पर कल, 14 अप्रैल को संविधान निर्माता भारत रत्न डॉ. भीमराव अम्बेडकर की जयंती ब्यावर में 'गौरव दिवस' के रूप में मनाई जाएगी। जिला कांग्रेस कमेटी और ब्लॉक कांग्रेस के तत्वावधान में आयोजित होने वाला यह कार्यक्रम 'संगठन बढ़ाओ - लोकतंत्र बचाओ' अभियान को समर्पित होगा।

प्रमुख कार्यक्रम की रूपरेखा

जिला अध्यक्ष किशोर चौधरी ने बताया कि मुख्य समारोह मंगलवार प्रातः 11:00 बजे चांगगेट स्थित अम्बेडकर सर्किल पर आयोजित होगा। यहाँ कांग्रेस पदाधिकारी और कार्यकर्ता बाबा साहेब की प्रतिमा पर पुष्पांजलि अर्पित करेंगे। इस दौरान एक संगोष्ठी का भी आयोजन होगा, जिसमें डॉ. अम्बेडकर के विचारों और वर्तमान समय में संविधान की प्रासंगिकता पर चर्चा की जाएगी।

बस्तियों में जाकर सुनेंगे जनता का हाल

ब्लॉक कांग्रेस अध्यक्ष एडवोकेट अजय शर्मा ने जानकारी दी कि पुष्पांजलि कार्यक्रम के पश्चात 'सामाजिक न्याय व सुरक्षा सप्ताह' के समापन के अवसर पर कार्यकर्ता दलित एवं वंचित समुदाय की बस्तियों में पहुंचेंगे। वहाँ सीधा जनसंवाद कर आमजन की समस्याओं को सुना जाएगा और उन्हें उनके संवैधानिक अधिकारों के प्रति जागरूक किया जाएगा।

कांग्रेस की अपील: एकजुट हों कार्यकर्ता

जिलाध्यक्ष किशोर चौधरी ने केंद्र सरकार की नीतियों पर निशाना साधते हुए कहा कि आज संवैधानिक संस्थाओं को बचाने के लिए बाबा साहेब के आदर्शों पर चलना जरूरी है। उन्होंने ब्यावर जिले के सभी: विधायक एवं पूर्व विधायक पार्षद एवं पूर्व पार्षद अग्रिम संगठनों, विभागों एवं प्रकोष्ठों के पदाधिकारी निष्ठावान कांग्रेस कार्यकर्ता इन सभी से अपील की है कि वे भारी संख्या में उपस्थित होकर इस आयोजन को सफल बनाएं और लोकतंत्र की रक्षा का संकल्प लें। बाबा साहेब ने हमें जो संविधान दिया है, वह देश की आत्मा है। उसकी रक्षा करना ही कांग्रेस का मुख्य लक्ष्य है।

महिला कांग्रेस का आह्वान: महिलाओं के अधिकारों पर कोई समझौता नहीं

स्मार्ट हलचल | नई दिल्ली/ जयपुर

महिला कांग्रेस ने महिलाओं के अधिकार, सुरक्षा और सम्मान के मुद्दों पर स्पष्ट और सख्त रुख अपनाते हुए कहा है कि इन विषयों पर किसी भी प्रकार का समझौता स्वीकार नहीं किया जाएगा। संगठन ने जोर देकर कहा कि देश की आधी आबादी को निर्णय प्रक्रिया से दूर रखकर सशक्त लोकतंत्र की कल्पना अधूरी है।महिला कांग्रेस का कहना है कि कांग्रेस पार्टी ने हमेशा महिलाओं के सशक्तिकरण को अपनी प्राथमिकताओं में शामिल किया है। राजनीतिक प्रतिनिधित्व से लेकर आर्थिक आत्मनिर्भरता और सामाजिक सुरक्षा तक, हर स्तर पर महिलाओं को आगे बढ़ाने के प्रयास किए गए हैं।

संगठन ने यह भी स्पष्ट किया कि महिलाओं को केवल योजनाओं का लाभार्थी मानने के बजाय उन्हें नीति-निर्माण की मुख्यधारा में शामिल किया जाना आवश्यक है। महिला कांग्रेस के अनुसार, आज भी समाज में कई ऐसी सामाजिक और संरचनात्मक चुनौतियां मौजूद हैं, जो महिलाओं की प्रगति में बाधा बनती हैं। महिला कांग्रेस ने कहा कि वह इन सभी चुनौतियों के खिलाफ मजबूती से खड़ी है और महिलाओं को न्याय, समान अवसर और सम्मान दिलाने के लिए निरंतर संघर्ष करती रहेगी।संगठन ने दोहराया कि महिलाओं की आवाज को दबने नहीं दिया जाएगा और हर मंच पर उनके अधिकारों की रक्षा के लिए सक्रिय भूमिका निभाई जाएगी।

महवा पुलिस की बड़ी कार्रवाई

फिरौती गैंग का मुख्य आरोपी गिरफ्तार, चोरी का सामान बरामद

स्मार्ट हलचल

महवा (दौसा)। पुलिस थाना महवा ने बड़ी कार्रवाई करते हुए फिरौती मांगने के मामले में वांछित मुख्य आरोपी रोहिताश उर्फ आरके मीणा को गिरफ्तार कर लिया है। आरोपी पर 2000 का इनाम घोषित था और उसके खिलाफ हत्या के प्रयास, आर्म्स एक्ट व डकैती सहित कई गंभीर मामले पहले से दर्ज हैं।

पुलिस के अनुसार, इस मामले में शामिल अन्य 5 आरोपियों को पहले ही गिरफ्तार किया जा चुका है। घटना में प्रयुक्त एक स्विफ्ट डिजायर कार को भी पूर्व में बरामद किया गया था। इसके अलावा पीड़ित से छीनी गई एक मोटरसाइकिल और दो मोबाइल फोन भी पुलिस ने बरामद कर लिए हैं।

पुलिस महानिरीक्षक जयपुर रेंज के निर्देश और जिला पुलिस अधीक्षक दौसा के मार्गदर्शन में वृत्ताधिकारी महवा के सुपरविजन में थाना महवा टीम ने यह कार्रवाई की। थानाधिकारी के नेतृत्व में गठित टीम ने तकनीकी साक्ष्यों और मुखबिर की सूचना के आधार पर आरोपी को दबोच लिया।

क्या था मामला परिवादी ने रिपोर्ट दर्ज कराई थी कि उसके साथ मारपीट कर आरोपियों ने रुपयों की फिरौती मांगी, साथ ही मोटरसाइकिल और मोबाइल छीन लिए। इस पर पुलिस ने विभिन्न धाराओं में मामला दर्ज कर जांच शुरू की थी।

आरोपी का विवरण

गिरफ्तार आरोपी रोहिताश उर्फ आरके मीणा (21 वर्ष) निवासी थाना टोडाभीम, जिला करौली का रहने वाला है। आरोपी से पूछताछ जारी है और पुलिस अन्य वारदातों में उसकी संलिप्तता की जांच कर रही है।

पुलिस टीम इस कार्रवाई में थाना महवा के थानाधिकारी सहित पूरी टीम की अहम भूमिका रही, जिन्होंने लगातार प्रयास कर मुख्य आरोपी को गिरफ्तार करने में सफलता हासिल की। पुलिस का कहना है कि मामले में गहन अनुसंधान जारी है और जल्द ही अन्य खुलासे भी हो सकते हैं।

हिंदू हेल्पलाइन की नई कार्यकारिणी घोषित, रामेंद्र शर्मा जिला विधिक सलाहकार और मनीष व्यास बने नगर महामंत्री

स्मार्ट हलचल

ब्यावर। अंतरराष्ट्रीय हिंदू परिषद की प्रमुख इकाई हिंदू हेल्पलाइन ने संगठन को गतिशीलता प्रदान करने के लिए ब्यावर नगर की नई कार्यकारिणी का विस्तार किया है। विजयनगर रोड स्थित सोनी वाटिका में आयोजित एक विशेष बैठक में नए पदाधिकारियों की घोषणा की गई और उन्हें संगठन की मजबूती के लिए समर्पित भाव से कार्य करने का संकल्प दिलाया गया।

प्रमुख नियुक्तियाँ और जिम्मेदारियाँ

संगठन को कानूनी और प्रशासनिक रूप से सुदृढ़ बनाने के लिए निम्नलिखित नियुक्तियाँ की गईं विधिक विभाग: एडवोकेट रामेंद्र शर्मा, कपिल जलवाल और एडवोकेट सुनील शर्मा को जिला विधिक सलाहकार नियुक्त किया गया। संगठन नेतृत्व: मनीष व्यास को नगर संगठन महामंत्री, अनिल गुप्ता को उपाध्यक्ष और विक्रम रल को द्वितीय उपाध्यक्ष की जिम्मेदारी सौंपी गई।

कार्यकारी टीम: बंटी कुमावत को संगठन मंत्री, कमलेश रावत को सह संगठन मंत्री, सुनील जैन को नगर कोषाध्यक्ष और ऋषिपाल सिंह को हनुमान चालीसा केंद्र प्रभारी बनाया गया।

संकट के समय समाज का साथी है हिंदू हेल्पलाइन'

कार्यक्रम में मुख्य वक्ता के रूप में उपस्थित प्रांत अध्यक्ष मुकेश सोनी ने नवनियुक्त पदाधिकारियों का अभिनंदन किया। उन्होंने कहा: 'हिंदू हेल्पलाइन का मूल मंत्र हिंदू समाज को आपातकालीन परिस्थितियों में तुरंत सहायता पहुँचाना है। प्रत्येक कार्यकर्ता को सेवा भाव के साथ समाज के अंतिम व्यक्ति तक पहुँच बनानी होगी। ' कार्यक्रम की शुरुआत भगवान हनुमान जी के चित्र के समक्ष दीप प्रज्ज्वलन के साथ हुई। अंत में सभी कार्यकर्ताओं ने सामूहिक हनुमान चालीसा का पाठ किया, जिससे पूरा परिसर भक्तिमय हो गया।इस अवसर पर सत्यनारायण बालोदिया, लालचंद सांखला, तपेंद्र व्यास, पिंटू यादव, टीकम दास, हरिसिंह, नंदलाल कोठारी सहित बड़ी संख्या में हिंदू परिषद के कार्यकर्ता और प्रबुद्ध जन उपस्थित रहे।

ब्यावर में गूँजा संत कंवर राम का नाम: 141वीं जयंती पर उमड़ा श्रद्धा का सैलाब, चांग गेट पर लगा विशाल अन्नक्षेत्र

स्मार्ट हलचल

ब्यावर। श्री सिंधी सेंट्रल पंचायत सोसाइटी (रजि.) जिला ब्यावर द्वारा संत शिरोमणि कंवर राम साहिब की 141वीं जयंती बड़े ही धूमधाम और सेवा भाव के साथ मनाई गई। इस पावन अवसर पर समाज द्वारा मानवीय संवेदनाओं का परिचय देते हुए शहर के व्यस्ततम चांग गेट गांधी सर्किल पर विशाल 'अन्नक्षेत्र' का आयोजन किया गया।

जरूरतमंदों को मिला 'कोसा कुंवर' का आशीर्वाद

अन्नक्षेत्र के दौरान समाज के युवाओं और पदाधिकारियों ने आपसी सहयोग से निर्धन परिवारों, ठेले वालों, राहगीरों और अस्थाई मजदूरों को 'कोसा कुंवर' के रूप में श्रद्धापूर्वक प्रसाद वितरित किया। कड़ी धूप और व्यस्तता के बीच राहगीरों ने रुककर बड़े चाव से प्रसाद ग्रहण किया और सिंधी समाज की इस अनूठी पहल की सराहना की।

इनकी रही गरिमामयी उपस्थिति

कार्यक्रम को सफल बनाने में पंचायत के पदाधिकारियों और समाजसेवियों ने कंधे से कंधा मिलाकर सेवाएं दीं। आयोजन में अध्यक्ष प्रेमचंद मंगलानी, सचिव रमेश अलवानी, खुशाल रामचंदानी, चंदू मूरजानी, दीपक रामचंदानी, बाबू भाई वासवानी और निक्कू सिंधी ने सक्रिय भूमिका निभाई। साथ ही प्रकाश हंसराजानी, महेश पारवानी, ईश्वर राजवानी, नरेश रामचंदानी, मोनू वाधवानी, महेश आसवानी, गोपाल लालवानी, गोपाल नाथानी, राजू भाई सहित बड़ी संख्या में समाज बंधु उपस्थित रहे और अपनी सेवाएं अर्पित कीं।

भक्ति और सेवा का संगम

अंत में पंचायत अध्यक्ष प्रेमचंद मंगलानी ने बताया कि संत कंवर राम साहिब का जीवन मानवता और भाईचारे को समर्पित था। उन्हीं के पदचिन्हों पर चलते हुए समाज प्रतिवर्ष इस प्रकार के सेवा कार्य करता है ताकि समाज के अंतिम छोर पर बैठे व्यक्ति तक मदद और प्रेम पहुँच सके।

स्वराज हर नागरिक का अधिकार: जयपुर के सर्वोदय संकल्प शिविर में गूंजा संगठन मजबूती का मंत्र

पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत सहित दिग्गजों ने दी बूथ मैनेजमेंट की ट्रेनिंग; ब्यावर के कार्यकर्ताओं ने लिया क्षेत्र में बदलाव का संकल्प

स्मार्ट हलचल

ब्यावर। जयपुर राजधानी के रानी बाग रिजॉर्ट में राजीव गांधी पंचायती राज संगठन, राजस्थान द्वारा आयोजित तीन दिवसीय सर्वोदय संकल्प शिविर एवं प्रदेश स्तरीय सम्मेलन सफलतापूर्वक संपन्न हुआ। शिविर का मुख्य उद्देश्य 'सर्वोदय' की भावना को धरातल पर उतारना और प्रत्येक नागरिक को उसके 'स्वराज' के अधिकार के प्रति जागरूक करना रहा।

बूथ स्तर पर मजबूती और चुनावी रणनीति

शिविर के दौरान कार्यकर्ताओं को केवल भाषण ही नहीं, बल्कि व्यावहारिक प्रशिक्षण भी दिया गया। कार्यक्रम में मुख्य रूप से बूथ मैनेजमेंट पर जोर दिया गया, जिसमें मतदाता सूची प्रबंधन, सघन संपर्क अभियान और चुनावी रणनीति के गुर सिखाए गए। वक्ताओं ने स्पष्ट किया कि संगठन की असली ताकत गांव, वार्ड और बूथ स्तर की सक्रियता में ही निहित है।

डिजिटल साक्षरता से जन सेवा

कार्यकर्ताओं को आधुनिक तकनीकों से लैस करने के लिए जन सूचना पोर्टल और संपर्क पोर्टल के उपयोग की विस्तृत जानकारी दी गई। इसका उद्देश्य यह सुनिश्चित करना है कि कार्यकर्ता सरकारी योजनाओं का लाभ अंतिम छोर पर बैठे व्यक्ति तक पहुँचा सकें और जनता की समस्याओं का त्वरित समाधान करवा सकें।

दिग्गजों का मिला मार्गदर्शन

शिविर में राजस्थान की राजनीति के दिग्गज चेहरों ने शिरकत की। पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत, नेता प्रतिपक्ष टीकाराम जूली, पूर्व विधानसभा अध्यक्ष डॉ. सी.पी. जोशी, और पूर्व मुख्य सचिव निरंजन आर्य ने अपने अनुभवों को साझा किया। नेताओं ने राज्य में समय पर निकाय एवं पंचायत चुनाव नहीं कराए जाने के मुद्दे पर चिंता जताई और कार्यकर्ताओं को इसे जन-मुद्दा बनाने के लिए प्रेरित किया।

ब्यावर जिले की सक्रिय भागीदारी

ब्यावर जिले से प्रदेश सचिव शैलेश शर्मा के नेतृत्व में महेंद्र चौहान, राम यादव, रज्जाक मोहम्मद और रंजीत पवार सहित कई उत्साहवर्धक कार्यकर्ताओं ने भाग लिया। शिविर के समापन पर ब्यावर के प्रतिनिधियों ने संकल्प लिया कि वे यहाँ से प्राप्त ज्ञान और प्रशिक्षण को अपने क्षेत्र में लागू कर संगठन को नई ऊंचाइयों पर ले जाएंगे। 'यह शिविर केवल एक बैठक नहीं, बल्कि लोकतंत्र को सशक्त बनाने और कार्यकर्ताओं को सेवा के लिए प्रशिक्षित करने का एक बड़ा मिशन रहा।

घाड़ विद्यालय में संविधान निर्माता अंबेडकर की जयंती मनाई

स्मार्ट हलचल

घाड़ (देवली)। राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय घाड़ में सोमवार, 13 अप्रैल 2026 को भारत रत्न डॉ. भीमराव अंबेडकर की 135वीं जयंती मनाई गई। इस अवसर पर विद्यालय में एक समारोह का आयोजन किया गया, जिसकी अध्यक्षता पंचायत प्रारंभिक शिक्षा अधिकारी श्री नीरज कुमार जैन ने की।

समारोह को संबोधित करते हुए मुख्य अतिथि नीरज कुमार जैन ने डॉ. अंबेडकर के संघर्षमय जीवन और उनकी शिक्षाओं पर प्रकाश डाला। उप प्रधानाचार्य भेरुलाल रेगर ने उन्हें 'भारतीय संविधान का जनक' बताते हुए राष्ट्र निर्माण में उनके योगदान को रेखांकित किया। उप प्रधानाचार्य भंवर लाल मीणा ने समाज से छुआछूत जैसी कुप्रथाओं को समाप्त करने का आह्वान किया। पंचायत शिक्षक विनोद कुमार साहू ने महात्मा ज्योतिबा फुले और डॉ. अंबेडकर के विचारों की प्रासंगिकता पर जोर दिया और विद्यार्थियों को उनके आदर्शों पर चलने के लिए प्रेरित किया। कार्यक्रम का संचालन उप प्रधानाचार्य लोकेश कुमार टेलर ने किया।

जयंती के उपलक्ष्य में विभागीय निर्देशानुसार विभिन्न प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया। निबंध प्रतियोगिता में रौनक शर्मा ने प्रथम, राकेश गुर्जर और खुशी देवतवाल ने द्वितीय तथा आनंद वैष्णव ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। पोस्टर प्रतियोगिता में अक्षत शर्मा प्रथम रहे, जबकि वर्षा देवतवाल और गुंजन देवतवाल ने द्वितीय तथा रौनक शर्मा और सुमन ने तृतीय स्थान हासिल किया।

विद्यालय प्रशासन ने सभी विजेता प्रतिभागियों को बधाई दी और डॉ. अंबेडकर के 'शिक्षित बनो, संगठित रहो और संघर्ष करो' के नारे को आत्मसात करने का संदेश दिया।

पाकिस्तान की मध्यस्थता से शांति समझौता रहा बेनतीजा

संजय गोस्वामी

पाकिस्तान की मध्यस्थता से शांति समझौता कराने की कोशिशों के बीच अमेरिका और ईरान ने इस्लामाबाद में बातचीत की। अमेरिकी का प्रतिनिधिमंडल का नेतृत्व अमेरिका के उप राष्ट्रपति जेडी वेंस ने की , जबकि ईरानी वातार्कारों की अगुवाई अगुआई ईरानी संसद के स्पीकर मोहम्मद बाघेर गालिबाफ कर रहे हैं। दल में विदेश मंत्री अब्बास अराघची, भी हैं लेकिन यह वार्ता में सफलता मिलने की संभावना बहुत ही कम दिखाई दे रही है, आज सारी दुनिया को मालूम है पाकिस्तान एक आतंकवादी देश है आज कल सारे न्यूज चैनल में अमेरिका ईरान युद्ध के 11अप्रैल 26 के शान्ति वार्ता पर ध्यान केंद्रीत है जो पाकिस्तान फुले नहीं समा रहा है और ऐ दिखाने की कोशिश की गईं है कि पाकिस्तान शान्ति का मैसेंजर है लेकिन हकीकत उल्टी है

पाकिस्तान की मध्यस्थता से शांति समझौता कराने की कोशिशों के बीच अमेरिका और ईरान ने इस्लामाबाद में बातचीत की। अमेरिकी का प्रतिनिधिमंडल का नेतृत्व अमेरिका के उप राष्ट्रपति जेडी वेंस ने की , जबकि ईरानी वातार्कारों की अगुवाई अगुआई ईरानी संसद के स्पीकर मोहम्मद बाघेर गालिबाफ कर रहे हैं। दल में विदेश मंत्री अब्बास अराघची, भी हैं लेकिन यह वार्ता में सफलता मिलने की संभावना बहुत ही कम दिखाई दे रही है आज सारी दुनिया को मालूम है पाकिस्तान एक आतंकवादी देश है आज कल सारे न्यूज चैनल में अमेरिका ईरान युद्ध के 11अप्रैल 26 के शान्ति वार्ता पर ध्यान केंद्रीत है जो पाकिस्तान फुले नहीं समा रहा है और ऐ दिखाने की कोशिश की गईं है कि पाकिस्तान शान्ति का मैसेंजर है लेकिन हकीकत उल्टी है दरअसल पाकिस्तान हाल ही में अफगानिस्तान में हवाई हमले कर 400 से अधिक निर्दोष नागरिकों को मौत की नींद सुला दिया और इजराइल पर ऐ आरोप लगाना तर्कसंगत है कि बेरूत में बम बरसा रहा है निर्दोष नागरिकों की हत्या कर रहा है जबकी वहाँ हिजबुल्लाह एक आतंकी संघठन है लेबनान में हिजबुल्लाह के ठिकानों पर बुधवार को हुए इजरायली हमले में अब तक कम से कम 254 लोगों की मौत हो चुकी है। वहीं 1100 लोग गंभीर रूप से घायल हुए हैं।जो मानता हूँ ठीक नहीं है लेकिन जब आंतकवादी को पनाह देने वाले और आतंकवादी गतिविधियों में हजारों की संख्या में खुद ही निर्दोष लोग जिसमें भारत भी है को धर्म के आधार पर मारते हैं तो क्या ऐ सही है यदि धर्म का आधार ही है तो अफगानिस्तान में क्यों निर्दोष लोगों को मारा गया ऐ सिर्फ और सिर्फ अपनी डफली अपना राग और अपने आतंकी छवि को एक सफेद झूठ की चादर से ढक रहें है पाकिस्तान और ईरान का सीमा विवाद कोई नया नहीं है 2 वर्ष पूर्व याद कीजियेगा 17 जनवरी 2024 को मंगलवार रात पाकिस्तान पर हुए ईरानी मिसाइल हमले में दो बच्चों की मौत और तीन अन्य के घायल होने के बाद पाकिस्तान और ईरान के राजनयिक संबंधों में दरार है। उस समय पाकिस्तान ने इस हमले की कड़ी निंदा करते हुए तेहरान से अपने राजदूत को वापस बुला लिया था और इस्लामाबाद में मौजूद ईरान के दूत के पाकिस्तान लौटने पर रोक लगा दी। उस समय इस्लामाबाद ने ईरान पर पाकिस्तानी हवाई क्षेत्र का उल्लंघन करने का आरोपलगाया, जबकि ईरान के सरकारी मीडिया ने कहा कि मिसाइलों ने जैश अल-अदल नामक सशस्त्र समूह के दो ठिकानों को निशाना बनाया था।उस समय एक बयान में पाकिस्तान के प्रधानमंत्री ने कहा गया था , यह गैर-कानूनी हरकत पूरी तरह से अस्वीकार्य है और इसका कोई भी औचित्य नहीं है। इसमें चेतावनी दी गई, पाकिस्तान इस गैर-कानूनी हरकत का जवाब देने का अधिकार सुरक्षित रखता है। इसके परिणामों की पूरी ज़िम्मेदारी ईरान की होगी।अमेरिका भी कैसे पाकिस्तान के चंगुल में फंस गया ऐ भी उसकी वर्ड पावर की छवि को बहुत ही निचे बातचीत के टेबल तक ले गया ऐ उसके इतिहास में कभी नहीं हुआ की पाकिस्तान जैसे देश में जाकर शांति वार्ता के लिए मजबूरी वश जाना पड़ा क्योंकि पहले जितने भी राष्ट्रपति हुए वो या

तो वर्ल्ड ट्रेड सेंटर पर, हमले का बदला या ईरान पर हमला कर कभी पीछे नहीं मुड़ा जहाँ तक ईरान में युद्ध की बात है नाटो का कहना ऐ उसका निजी मामला है हमसे पूछ कर नहीं किया गया तो ईराक में जब सद्दाम हुसैन पर हमला किया गया तो किससे पूछ कर किया फिर भी वहाँ भी अमेरिका को क्या खतरा था ईरान से तो समझ में आता है कि अमेरिका को बाद में खतरा हो सकता था क्योंकि उसकी मिशायल की मारक क्षमता बाद में अमेरिका तक मार करने की क्षमता हासिल कर सकता था और जो अभी खाड़ी देशों में अमेरिका के बेस पर जिसतरह हमला हुआ वैसा पहले कभी नहीं हुआ ऐ अमेरिका को गहरा चोट पहुँचाया है और इसमें कहीं ना कहीं पाकिस्तान की भी मिली भगत हैं क्योंकि उसी के बॉडर से होकर ही हथियार गया है जो अमेरिका के लाख बम्ब्रबारी के बाद भी 100 वीं लहर तक कैसे गया इसलिए की इसमें चीन और रूस के साथ पाकिस्तान का भी हाथ होगा हथियार पहुंचाने में, जो खबर निकल कर सामने आई है इसलिए पाकिस्तान शान्ति वार्ता क्या कराएगा जो खुद ही आतंकवादी के सहारे दहशतगर्द को पनपा रहा है और भारत में मासूमों की हत्या करवाता है 26/11/08 को मुंबई में पाकिस्तान के आईएसआई ने ऐसी कत्लेआम का अंजाम दिया जिसमें सैकड़ो मासूमों की जान चंद आतंकवादी ने कत्लेआम किया वो भी धर्म के नाम पर, और हाल ही में पहलगांव में दर्जनों भारतीय पर्यटक की हत्या धर्म के नाम पर की, अतः एक कहावत है जो संत कबीर ने लिखी है :-बुरा जो देखन मैं चला, बुरा न मिलिया कोय, जो दिल खोजा आपना, मुझसे बुरा न कोय,संत कबीरदास जी का यह प्रसिद्ध दोहा आत्म-निरीक्षण (self-reflection) का संदेश देता है, जो सिखाता है कि दूसरों में दोष ढूंढने से पहले अपने भीतर झांकना चाहिए। भारत अगर ऑपरेशन सिंदूर कर पाकिस्तान के आतंकी ठिकानों पर हमला नहीं करता तो कट्टरवादी आतंकी फिर कोई नया खेल करते और भारतीय मासूमों की जान जाती किसी भी धर्म में मानवता को ही सर्वोपरि माना गया है लेकिन धर्म की आड़ लेकर लोग इसका फायदा आतंक को पनपाने में करता है जो विश्व के लिए खतरा है अब ईरान भी उसी रास्ते पर चल पड़ा है क्योंकि जिस तरह खाड़ी देशों में उसके हमले में कई निर्दोष नागरिकों की मौत हुई है और जिस तरह हार्मोस को पूरी तरह बंद करके दूसरे देश के लिए क्यों बन्द किया जिसका इस युद्ध से कोई लेना देना नहीं है और उसने इसे सबसे बड़े हथियार के तौर पर इस्तेमाल किया। तेहरान ने छोटी नावों का इस्तेमाल करके हार्मोज में माइंस बिछा दी जिससे कोई भी जहाज इसका शिकार हो सकता है जिससे इस युद्ध में कोई लेना देना नहीं है कई जहाजो को वहाँ से गुजरने पर उड़ा भी दिया गया ऐ सब विश्व शांति के लिए खतरा है, और आतंकवादी देश आतंकी देश ही आपस में तालमेल बिठा लेते हैं और आतंकी को पनपाने में अमेरिका का ही हाथ रहा है क्योंकि यह बात खुद ट्रम्प ने ही पूर्व राष्ट्रपति बराक ओबामा को ईरान में परमाणु समझौता किया जिससे वो आज परमाणु बम बनाने के तरफ कदम रखा, हुती हिजबुल्ला, हमास, मलेशिया ग्रुप ईरान के प्रॉक्सी ग्रुप हैं जो न सिर्फ इजराइल में बल्कि मिडिल ईस्ट में आतंकवादी गतिविधियों का अंजाम देते हैं ट्रम्प की हताशा यहाँ तक हो गईं थी की सभ्यता नष्ट की बात करते हैं और फिर शान्ति के मसीहा बन जाते हैं और ईरान में अपने पैर पसारने और सजाने संवारने की बात करते हैं वहीँ ईरान में कहाँ परिवर्तन हुआ आज भी खामनोई का फोटो और झंडा लहराते हुए लोग जश्न मानते नजर आ रहें हैं युद्ध विराम किया अच्छी बात है लेकिन पहले डराने धमकाने और खत्म करने का धमकी देने की जरुरत क्या थी ईरान ने अमेरिका को आर्थिक और सामरिक दृश्टिकोण से अपने मिशायल से काफी नुकसान पहुँचाया है और खाड़ी देश से अमेरिका के बेस को इस तरह बर्बाद किया है कि उन देशों पर अमेरिका का भरोसा उठ गया है और ऐ युद्ध इजराइल के लिए खत्म नहीं हुआ है आज भी बेरूत में हिजबुल्ला पर अटैक कर ही रहा है। इसलिए ऐ सीजफायर ज्यादा दिन टिकने वाला नहीं है पाकिस्तान के इस्लामाबाद में शांति वार्ता मात्र एक दिखावा है क्योंकि ईरान का भरोसा खाड़ी में अपने परोसी देशों पर हमला करना और इजराइल ने साफ कहा है कि शांति वार्ता में ऐ युद्ध शामिल नहीं है और इजराइल का समर्थन ट्रम्प ने किया है तभी युद्ध हुआ और अब अमेरिका कुछ दिन युद्ध विराम कर इससे सबक लेते हुए आगे की सैन्य अभियान को द्रुस्त करने की है क्योंकि इसमें कई पेंच है जो इजराइल के पास येरुशेलम को लेकर एक धार्मिक स्थल है जो 2017 में डोनाल्ड ट्रम्प ने एक बयान में साझा किया था कि यरूशलम न केवल तीन महान धर्मों का केंद्र है, बल्कि अब यह दुनिया के सबसे सफल लोकतंत्रों में से एक का भी केंद्र है। पिछले सात दशकों में, इजराइल के लोगों ने एक ऐसा देश बनाया है जहाँ यहूदी, मुसलमान, ईसाई और सभी धर्मों के लोग अपनी अंतरात्मा और अपनी मान्यताओं के अनुसार रहने और पूजा-अर्चना करने के लिए स्वतंत्र हैं। यरूशलम आज भी एक ऐसा स्थान है–और हमेशा ऐसा ही रहना चाहिए–जहाँ यहूदी वेस्टर्न वॉल पर प्रार्थना करते हैं, जहाँ ईसाई स्टेशन्स ऑफ द क्रॉस पर चलते हैं, और जहाँ मुसलमान अल-अक्सा मस्जिद में इबादत करते हैं।जहाँ अमेरिका के रक्षा मंत्री हेगसेथ का कहना है कि यरूशलम का इतिहास क्रूसेड्स–मध्ययुग के उन क्रूर युद्धों–का बचाव करने का रहा है, जिनमें ईसाई और मुसलमान एक-दूसरे के खिलाफ लड़े थे। अपनी 2020 की किताब अमेरिकन क्रूसेड में, उन्होंने लिखा कि जो लोग पश्चिमी सभ्यता का आनंद लेते हैं, उन्हें किसी क्रूसेडर का शुक्रिया अदा करना चाहिए। उनके दो टैटू क्रूसेडर इमेजरी से सम्बंधित है : उनके अनुसार जेरूसलम क्रॉस और ड्यूस वुल्ट या भगवान की इच्छा वाक्यांश, है जिसे हेगसेथ ने जेरूसलम की ओर मार्च करते समय ईसाई शूरवीरों का रैली का नारा कहा है। अमेरिका में ईसाई धर्म के लोग 65 परसेंट है और यही चुनाव में जीत हार को तय करता है पिछले इतिहास को देखेंगे तो मालूम पड़ेगा ऐ असल में एक धर्म युद्ध है जिसमें कई सालों से युद्ध हुआ और खतनाक नतीजे सामने आए हैं। इसलिए भारत का इसमें कोई रोल है ही नहीं भारत में भगवान राम ने शान्ति का संदेश दिया और भारत में सनातन इसलिए गर्व से अपने भगवान राम के लिए मानवता का संदेश दुनिया को पहुंचाता रहा है इसलिए भारत विश्वगुरू है क्योंकि भारत में भगवान राम का आशीर्वाद है और जब भी कोई संकट आएगा तो संकटमोचन रामभक्त भगवान हनुमान उसे बचाने आएंगे।इसलिए मीडिया को ऐसी खबर दिखाने से बचना चाहिए जिसमें आतंकवादी को पालने वाला पाकिस्तान का गुणगान हो रहा हो और अपने देश की विदेश कूटनीति पर सवाल हो हमारा देश अंगजो के लाख कोशिश के बाद भी सबसे ज्यादा भगवान राम पर आस्था है यही प्रमाण है कि 1984 में जब रामानंद सागर की रामायण फिल्म आई तो बाहर सन्नाटा दिखाई देता और हर घर में रामायण का सीरियस हरेक घर में चलता था भगवान राम का मार्ग कठिनाई से भरा जरूर है लेकिन एक आदर्श इंसान बनने के लिए प्रेरणादायक है। इसलिए भारत को गर्व करना चाहिए कि भारत की धरती पर भगवान का जन्म राम के रुप में हुआ इसलिए यहाँ की मिट्टी में अपने प्रभु राम के चरणों से हरियाली है और उसी मिट्टी में पंचतत्व का शरीर राम नाम सत्य के नाम से ईश्वर को पाने की लालसा रखता है इसलिए हम किसी दूसरे के झगड़े में क्यों अपना समय बर्बाद करें होशियार आदमी को समझाया जा सकता है लेकिन मुर्ख को नहीं, हमारी सभ्यता और संस्कृति सबसे उत्कृष्ट है जिसे स्वामी विवेकानंद ने शिकागो में सिद्ध किया अब खबर ऐ आई है कि पाकिस्तान की मध्यस्थता से शांति समझौता रहा बेनतीजा रहा क्या फिर युद्ध की आग में निर्दोष लोग मारे जायेंगे।

संपादकीय

युद्धविराम 'वेंटिलेटर' पर

अमरीका-ईरान में युद्धविराम 'वेंटिलेटर' पर है। जिंदा है, सांस चल रही है, लेकिन कभी भी दम तोड़ सकता है। यह युद्धविराम के मात्र दो दिन का सारांश है। यदि इन दोनों देशों के बीच शांति-समझौता नहीं हो पाया अथवा युद्धविराम 'ईमानदार' ही नहीं रहा, तो उसके बाद 'महाविनाश का युद्ध' लगभग तय मानना चाहिए, क्योंकि अमरीका के विराट युद्धपोत, लड़ाकू विमान, मिसाइलें, ड्रोन समेत सैनिक मध्य-पूर्व में ही मौजूद हैं। युद्धविराम के कुछ ही घंटों में इजरायल ने लेबनान के कुछ शहरों में, 10 मिनट के अंतराल में ही, करीब 160 बम बरसाए, नतीजतन 303 से अधिक मासूम, बेगुनाह लोग मारे गए और 1500 से अधिक घायल हुए। इनके अलावा, बहुमंजिला इमारतें ध्वस्त कर दी गईं। यह सरकारी डाटा है। लेबनान की सडकों पर हृदयविदारक चीख-पुकार ने मन के भीतर बार-बार सवाल पैदा किए कि प्रधानमंत्री नेतन्याहू 'सामूहिक नरसंहार' पर आमादा क्यों हैं? क्या वह मनुष्य नहीं हैं? अथवा एक राक्षस ने मनुष्य का मुखौटा पहन रखा है? यदि ऐसे नरसंहारों के प्रभाव में नेतन्याहू चुनाव जीत कर फिर प्रधानमंत्री बन जाते हैं, तो मानवता उस पर थूकती है। वक्त इस हत्यारे का भी आएगा, जब लाश बनने में कुछ पल ही लगेंगे! इजरायल भारत का मित्र-देश है, लेकिन भारत नरसंहारों को कभी भी समर्थन नहीं देता। सवाल यह नहीं है कि युद्धविराम की परिधि में लेबनान है या नहीं है। चिंता और सरोकार यह है कि इस नरसंहार के बाद युद्धविराम 'वेंटिलेटर' पर पहुंच गया है। ईरान तिलमिला उठा है। ईरानी संसद के स्पीकर कालीबाफ का मानना है कि युद्धविराम के 10 सूत्रों में से 3 सूत्रों का घोर उल्लंघन हुआ है, लिहाजा किसी शांति-वार्ता या समझौते का कोई मतलब नहीं रहा है। ईरान का आरोप है कि अमरीका इजरायल के जरिए जंग में है और जंगबंदी का ऐलान किया गया है। ईरान के परमाणु कार्यक्रम, खासकर यूरेनियम के संवर्धन और अंततः परमाणु शक्ति सम्पन्न देश बनने के सबसे अहम मुद्दे पर अमरीका-ईरान के दरमियान विरोधाभास पूर्ववत हैं।

चिंतन-मनन

शुद्ध भक्त सर्वोत्तम

निर्विशेषवादी के लिए ब्रह्मभूत अवस्था अर्थात ब्रह्म से तदाकार होना परम लक्ष्म होता है। लेकिन साकारवादी शुद्धभक्त को इससे भी आगे शुद्ध भक्ति में प्रवृत्त होना होता है। इसका अर्थ हुआ जो भगवद्भक्ति में रत है, वह पहले ही मुक्ति की अवस्था, जिसे ब्रह्मभूत या ब्रह्म से तादात्म्य कहते हैं, प्राप्त कर चुका होता है। परमेर या परब्रह्म से तदाकार हुए बिना कोई उनकी सेवा नहीं कर सकता। परम ज्ञान होने पर सेव्य तथा सेवक में कोई अन्तर नहीं कर सकता, फिर भी उच्चतर आध्यात्मिक दृष्टि से अन्तर रहता ही है।

देहात्मबुद्धि के अन्तर्गत, जब कोई इन्द्रियतृप्ति के लिए कर्म करता है, तो दुख का भागी होता है, लेकिन परम जगत में शुद्ध भक्ति में रत रहने पर कोई दुख नहीं रह जाता। चूंकि ईश्वर पूर्ण है, अतएव ईश्वर से सेवारत जीव भी कृष्णभावना में रहकर अपने में पूर्ण रहता है। वह ऐसी नदी के तुल्य है, जिसके जल की सारी गंदगी साफ कर दी गई है। चूंकि शुद्ध भक्त में कृष्ण के अतिरिक्त कोई विचार ही नहीं उठते, अतएव वह प्रसन्न रहता है। वह न किसी भौतिक क्षति पर शोक करता है, न किसी लाभ की आकांक्षा करता है, क्योंकि वह भगवद् भक्ति से पूर्ण होता है। वह भौतिक जगत में न किसी को अपने से उच्च देखता है और न निम्न। ये उच्च तथा निम्न पद क्षणभंगुर है और भक्त को क्षणभंगुर प्राकट? या तिरोधान से कुछ लेना-देना नहीं रहता। उसके लिए पत्थर तथा सोना बराबर होते हैं।

यह ब्रह्मभूत अवस्था है, जिसे शुद्ध भक्त सरलता से प्राप्त कर लेता है। उस अवस्था में स्वर्ग प्राप्त करने का विचार मृगतृष्णा और इन्द्रियां विषदंतविहीन सर्प की भांति प्रतीत होती हैं। जिस प्रकार विषदंतविहीन सर्प से कोई भय नहीं रह जाता उसी प्रकार स्वतः संयमित इन्द्रियों से कोई भय नहीं रह जाता। भक्त के लिए समग्र जगत वैपुंठ तुल्य होता है। ब्रह्मांड का महान से महानतम पुरुष भी भक्त के लिए क्षुद्र चींटी से अधिक महत्वपूर्ण नहीं होता।

आशा भोसलेः सुरों की ऐसी यात्रा जिसने भारतीय संगीत को दी नई पहचान

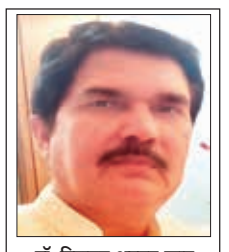

डॉ. हिदायत अहमद खान

भारतीय संगीत के इतिहास में कुछ ही कलाकार ऐसे हुए हैं जिन्होंने अपनी प्रतिभा, प्रयोगशीलता और दीर्घकालिक योगदान से समय की सीमाओं को लांघा और अमर हो गए। ऐसी ही एक महान हस्ती का नाम आशा भोसले है, जिनकी आवाज ने न केवल हिंदी सिनेमा को समृद्ध किया, बल्कि 20 से अधिक भाषाओं में 12,000 से ज्यादा गीतों के माध्यम से वैश्विक पहचान भी बनाई। उनका नाम गिनीज वर्ल्ड रिकॉर्ड में दर्ज होना इस बात का प्रमाण है कि उनका योगदान सिर्फ लोकप्रियता तक सीमित नहीं रहा, बल्कि ऐतिहासिक उपलब्धि भी है। विश्व में भारतीय संगीत को एक नई पहचान दिलवाने वाली, 92 वर्ष की अथक जीवन यात्रा पूर्ण कर आशा भोसले यूं तो रविवार 12 अप्रैल 2026 को इस फानी दुनियां से हमेशा के लिए कूच कर गईं, लेकिन उनकी सुर साधना हमेशा संगीत प्रेमियों के दिलों में राज करती रहेगी।

सुर-संगीत की महान साधिका आशा भोसले का जन्म 8 सितंबर 1933 को महाराष्ट्र के सांगली में एक संगीत परिवार में हुआ था। उनके पिता पंडित दीनानाथ मंगेशकर एक प्रसिद्ध शास्त्रीय गायक थे, और घर का वातावरण शुरू से ही संगीत से परिपूर्ण था। ऐसे माहौल में पली-बढ़ीं आशा ने बहुत कम उम्र में ही संगीत की दुनिया में कदम रखा। महज 10 साल की उम्र में उन्होंने अपना पहला मराठी गीत 'चला चला नव बाल' गाया था, जिसे उन्होंने अपनी बड़ी बहन लता मंगेशकर के साथ रिकॉर्ड किया। यह अनुभव उनके लिए प्रेरणादायक साबित हुआ और यहीं से उनके जीवन की संगीत यात्रा ने दिशा पकड़ी। हालांकि, आशा भोसले की जिंदगी का सफर आसान नहीं था। संगीतकार परिवार से आने और लता मंगेशकर जैसी महान गायिका की बहन होने के बावजूद उन्हें शुरूआती दौर में कड़ा संघर्ष करना पड़ा। उस समय लता मंगेशकर पहले से ही भारतीय फिल्म संगीत की शीर्ष गायिका बन चुकी थीं, और उनकी छाया में आशा को अपनी अलग पहचान बनाने के लिए कड़ी मेहनत करनी पड़ी। उनकी आवाज शुरू में लता मंगेशकर से काफी मिलती-जुलती थी, जिससे कई बार भ्रम की स्थिति भी पैदा हो जाती थी। एक घटना में तो एक रिकॉर्डिंग को गलत तरीके से आशा का समझ लिया गया, जबकि वह उनकी बहन का गीत था। इस अनुभव ने उन्हें गहराई से सोचने पर मजबूर कर दिया कि अगर वे अपनी शैली नहीं बदलेंगी, तो हमेशा तुलना के तराजु में तौली जाती रहेंगी। इसके बाद आशा भोसले ने अपने संगीत करियर में एक बड़ा निर्णय लिया, उन्होंने अपनी गायकी की शैली को पूरी तरह बदलने का बीड़ा उठाया। उन्होंने पश्चिमी संगीत, अंग्रेजी फिल्मों और विभिन्न अंतरराष्ट्रीय शैलियों का अध्ययन शुरू किया। उन्होंने कव्वाली, गजल और कैबरे जैसे विविध रूपों में अपनी आवाज को ढालना सीखा। यही प्रयोगशीलता आगे चलकर उनकी सबसे बड़ी ताकत बनी। उन्होंने भारतीय फिल्म संगीत को एक नया रंग दिया और खुद को एक वसेर्टाइल गायिका के रूप में स्थापित किया। आशा भोसले ने न केवल मधुर प्रेम गीत गाए, बल्कि बोल्ड और प्रयोगात्मक गीतों को भी अपनी आवाज दी। 'दम मारो दम' और 'पिया तू अब तो आजा' जैसे गाने उस दौर के युवा वर्ग की दिलों के धड़कन बन गए। उनके ऐसे गीत जहां काफी चर्चित हुए वहीं विवादित भी रहे। समय बदलने के साथ ही ये गीत भारतीय संगीत के क्लासिक बन गए। उनकी यह क्षमता कि वे हर तरह के संगीत को सहजता से अपना लेती थीं, उन्हें अन्य गायकों से अलग बनाती थी।

अपने लंबे करियर में आशा भोसले ने कई महत्वपूर्ण उपलब्धियां हासिल कीं। वे पहली भारतीय महिला गायिका बनीं जिन्हें ग्रैमी पुरस्कार नामांकन मिला। इसके अलावा, 2011 में उनके नाम पर सबसे अधिक स्टूडियो रिकॉर्डिंग का विश्व रिकॉर्ड दर्ज किया गया, जो उनकी अद्भुत कार्यक्षमता और निरंतरता को दशार्ता है।

यहां कहा जा सकता है कि संगीत की दुनियां में आशा भोसले की सबसे बड़ी विशेषता उनकी बहुमुखी प्रतिभा और नव से नवीन प्रयोग करने का साहस रहा है। उन्होंने कभी खुद को एक शैली तक सीमित नहीं रखा और हर नए प्रयोग को अवसर के रूप में अपनाया। यही कारण है कि वे भारतीय संगीत की सबसे प्रभावशाली और लंबे समय तक गीतों को अपनी आवाज देने वाली चुनिंदा गायिकाओं में गिनी जाती हैं। आज आशा भोसले भले हमारे बीच नहीं हैं, लेकिन उनकी आवाज न केवल संगीत बल्कि एक युग का प्रतिनिधित्व करती नजर आती है। एक ऐसा युग जिसने भारतीय फिल्म संगीत को विविधता, प्रयोग और अंतरराष्ट्रीय पहचान दी। उनकी यात्रा यह सिखाती है कि प्रतिभा के साथ यदि साहस और निरंतर सीखने की इच्छा हो, तो कोई भी कलाकार सीमाओं को पार कर इतिहास रच सकता है।

जलियांवाला बागः आजादी की वो कीमत, जिसे हिंदुस्तान कभी नहीं भूलेगा

दिलीप कुमार पाठक

इतिहास के पन्नों में कुछ तारीखें ऐसी होती हैं जो स्याही से नहीं, बल्कि इंसानी लहू से लिखी जाती हैं। 13 अप्रैल 1919 की वह मनहूस शाम भी एक ऐसी ही तारीख थी, जिसने न केवल पंजाब की मिट्टी को लाल किया, बल्कि सोए हुए समूचे हिंदुस्तान की सोई हुई आत्मा को भी झकझोर कर रख दिया। अमृतसर का वह छोटा सा मैदान, जिसे दुनिया आज जलियांवाला बाग के नाम से जानती है, महज ईंट-पत्थरों का बना कोई स्मारक नहीं है। वह गवाह है उस अमानवीय बर्बरता का जिसे सुनकर आज भी रोंगटे खड़े हो जाते हैं, और वह प्रतीक है उस अटूट हौसले का जिसने दुनिया के सबसे बड़े ब्रिटिश साम्राज्य के पतन की नींव रख दी थी। बैसाखी का पावन दिन था। पंजाब के गाँवों और शहरों में उत्सव का माहौल होना चाहिए था। लोग नए कपड़े पहनकर मेलों की ओर बढ़ रहे थे, लेकिन अमृतसर की हवाओं में एक अजीब सी बेचैनी घुली हुई थी। पूरा देश रोलेट एक्ट जैसे काले कानून के खिलाफ गुस्से में उबल रहा था, जिसने बिना दलील और बिना वकील के किसी को भी जेल भेजने की ताकत अंग्रेजों को दे दी थी। इसी अन्याय के खिलाफ अपनी शांतिपूर्ण आवाज दर्ज कराने के लिए शाम के वक्त करीब बीस हजार लोग उस बाग में इकट्ठा हुए थे। उस विशाल भीड़ में मासूम बच्चे थे, अपने परिवारों के साथ आई महिलाएँ थीं और वे बुजुर्ग भी थे जो अमृतसर के स्वर्ण मंदिर में माथा टेकने के बाद सुस्ताने के लिए वहाँ रुके थे।

किसी को भी इस बात का रत्ती भर भी अंदाजा नहीं था कि अगले कुछ मिनट उनकी ज़िंदगी के आखिरी पल साबित होने वाले हैं। शाम के करीब सवा पांच बज रहे थे, जब अचानक जनरल रेजिनल्ड डायर अपने नब्बे सशस्त्र सैनिकों के साथ उस बेहद संकरे रास्ते से दाखिल हुआ, जो बाग के अंदर आने और बाहर जाने का एकमात्र मार्ग था। उसने न तो भीड़ को तितर-बितर होने की कोई चेतावनी दी और न ही शांति की कोई अपील की। उसने बस पत्थर दिल होकर एक क्रूर आदेश दिया–फायर! अगले दस मिनट तक जो मंजर वहाँ दिखा, वह मानवता के इतिहास पर सबसे गहरा और बदनुमा कलंक था। सैनिकों की रायफलें तब तक आग उगलती रहीं जब तक कि उनकी आखिरी गोली खत्म नहीं हो गई। बाग की दीवारें सात-आठ फीट ऊँची थीं और एकमात्र निकास द्वार पर मौत का पहरा था। लोग बदहवास होकर अपनी जान बचाने के लिए उन दीवारों पर चढ़ने की कोशिश कर रहे थे, लेकिन डायर के सिपाही जानबूझकर उन्हीं को निशाना बना रहे थे। चीख-पुकार, धुएँ और मलबे के बीच, अपनी जान बचाने की जद्दोजहद में सैकड़ों लोगों ने उस पुराने कुएं में छलांग लगा दी, जिसे आज हम श्रद्धा से शहीदी कुआं कहते हैं। देखते ही देखते वह कुआं लाशों से पट गया। सरकारी रिकॉर्ड्स भले ही मरने वालों की संख्या 379 बताते हों, लेकिन हकीकत यह थी कि उस शाम हजारों घरों के चिराग हमेशा के लिए बुझ गए थे।

इस जघन्य हत्याकांड ने पूरी दुनिया की अंतरात्मा को हिलाकर रख दिया। यह वह ऐतिहासिक मोड़ था जहाँ से अंग्रेजों की भारत से विदाई की उल्टी गिनती शुरू हुई। इस घटना के विरोध में गुरुदेव रबींद्रनाथ टैगोर ने अपनी नाइटहुड की उपाधि त्याग दी और महात्मा गांधी का वह विश्वास पूरी तरह टूट गया जो वे कभी अंग्रेजी न्याय प्रणाली में रखते थे। जलियांवाला बाग के इसी खूनी मंजर ने एक 15 साल के किशोर ऊधम सिंह के भीतर प्रतिशोध का ऐसा लावा भरा कि उन्होंने 21 साल तक इस अपमान की आग को अपने सीने में जलाए रखा। अंततः साल 1940 में लंदन के कैक्सटन हॉल में जाकर उन्होंने जनरल ओडायर को मौत के घाट उतारा और दुनिया को बताया कि हिंदुस्तान अपने शहीदों का अपमान कभी नहीं भूलता।

यह जलियांवाला बाग ही था जिसने भगत सिंह जैसे अनगिनत क्रांतिकारियों के दिलों में आजादी का बीज बोया। कहते हैं कि भगत सिंह इस घटना के बाद कई मील पैदल चलकर यहाँ आए थे और इस बाग की खूनी मिट्टी को एक बोतल में भरकर ले गए थे, ताकि वह उन्हें हर पल गुलामी की बेड़ियों को तोड़ने की याद दिलाती रहे। आज, जब हम आजादी की खुली हवा में गर्व से सांस लेते हैं, तो हमें उन दीवारों की ओर एक बार जरूर देखना चाहिए जो आज भी गोलियों के निशानों को अपनी छाती पर लिए खड़ी हैं। वे निशान आज भी हमसे यह सवाल करते हैं कि जिस अखंड और मजबूत भारत के लिए उन्होंने अपना सीना छलनी करवाया था, क्या हम आज उस विरासत को संभाल पा रहे हैं? 13 अप्रैल का यह दिन केवल इतिहास को दोहराने या शोक मनाने का नहीं है, बल्कि यह खुद के भीतर झाँकने और अपनी राष्ट्रीय जिम्मेदारियों को समझने का दिन है। उन शहीदों के प्रति हमारी सच्ची श्रद्धांजलि यही होगी कि हम देश की एकता और अखंडता को किसी भी संकीर्ण सोच की भेंट न चढ़ने दें। जलियांवाला बाग की मिट्टी आज भी पवित्र है क्योंकि उसमें हमारे पुरखों का पसीना और लहू एक साथ मिला हुआ है। हमें यह हमेशा याद रखना होगा कि जिस आजादी का उत्सव हम मनाते हैं, उसकी जड़ें उसी बाग की नम और खूनी मिट्टी में कहीं गहरी धँसी हुई हैं। हिंदुस्तान उस महान बलिदान को कभी नहीं भूल सकता, और एक सजग नागरिक के तौर पर हमें भी इसे कभी विस्मृत नहीं होने देना चाहिए।

(लेखक पत्रकार हैं)

मन की साधना

चतुर्मास का समय निकट आया तो भिक्षु सुशांत ने बुद्ध से आग्रह किया प्रभु, मैं नगरवधू सोमलता के सान्निध्य में अपना चतुर्मास व्यतीत करना चाहता हूं। कृपया इसकी आज्ञा प्रदान करें। यह सुनकर बुद्ध मुस्कराए। वह समझ गए कि यह वहां जाकर मन को साधकर सच्चा साधक होना चाहता है, लेकिन अन्य भिक्षुओं ने इस पर आपत्ति जताई। उन्हें संदेह था कि सुशांत कहीं अपने पथ से विचलित न हो जाए, पर बुद्ध ने भिक्षुओं के विरोध के बावजूद उसे आशीर्वाद देते हुए कहा, जाओ और आगे बढ़कर आना। सुशांत सोमलता के पास पहुंचा। वहां सब उसे देखकर आश्चर्यचकित रह गए। लेकिन सुशांत अपने संकल्प पर अडिग था।

इधर सोमलता के घुंघरुओं की आवाज गूंजती और उधर सुशांत अपनी साधना में लीन रहता। सोमलता सुशांत को रिझाने का प्रयास करती, मगर वह निर्लिप्त रहता। एक मास गुजर गया मगर सोमलता सुशांत को डिगा न सकी। हां, उससे थोड़ी सहानुभूति अवश्य होने लगी। उसने दूसरों को भी साधना के क्षणों में शांत रहने को कह दिया। चौथा मास आते-आते सुशांत ने अपने मन पर नियंत्रण पा लिया था। वह सोमलता या अन्य सुंदरियों की ओर आंख उठाकर भी नहीं देखता था। संगीत उसे बुद्ध-वाणी की तरह लगता था और नृत्यालय देवालय की तरह। चार मास पूर्ण हुए और सुशांत अपने मठ की ओर वापस चला तो सबने आश्चर्य से देखा- भिक्षुणी बनी सोमलता उसके पीछे-पीछे अपना सर्वस्व त्याग कर जा रही थी। सोमलता अपने रूप-रंग से सुशांत को रिझा न सकी, मगर सुशांत के तप का प्रभाव सोमलता पर दिख रहा था। सुशांत वास्तव में आगे बढ़ गया था।

भाग्य और पुरुषार्थ

राजा विक्रमादित्य के दरबार में कई ज्योतिषी थे। मगर वह कोई काम शुभ लग्न देख कर या ज्योतिषी की सलाह लेकर नहीं करते थे। एक दिन राज ज्योतिषी उनके पास आए और बोले, महाराज, आप के दरबार में कई ज्योतिषी हैं। आप की तरफ से उन्हें सभी सुविधाएं मिली हुई हैं, पर आप कभी हमारी सेवाएं नहीं लेते। आज मैं आप की हस्तरेखा देख कर यह जानना चाहता हूं कि आप ऐसा क्यों करते हैं?

राजा ने कहा, मेरे पास इतना समय नहीं रहता कि मैं आप लोगों से सलाह ले सकूं। जहां तक हस्तरेखा की बात है तो मैं इसमें विश्वास नहीं रखता। लेकिन आप कह रहे हैं तो देख लीजिए। हाथ देख कर राज ज्योतिषी चक्कर में पड़ गए। उनकी आवाज बंद हो गई। राजा ने पूछा, क्या हुआ। आप इतने परेशान क्यों हैं? राज ज्योतिषी ने कहा, राजन्, आप की हस्तरेखाएं तो कुछ और कहती हैं। ज्योतिष के अनुसार आप को तो दुर्बल और दीनहीन होना चाहिए था। लेकिन आप तो इसके विपरीत हैं। हजारों साल से ज्योतिष विद्या पर विश्वास करने वाले लोग आपकी रेखाएं देख कर भ्रमित हो जाएंगे। समझ में नहीं आ रहा कि ज्योतिष को सच मानूं या आप की रेखाओं को। विक्रमादित्य ने कहा, अभी तो आप ने मेरे बाहरी लक्षणों को ही देखा है, अब आप हमारे अंदर झांक कर देखिए। इतना कह कर राजा ने तलवार की नोक अपने सीने में लगा दी। राज ज्योतिषी घबरा कर बोले, बस महाराज, रहने दीजिए।

राजा ने कहा- ज्योतिषी महाराज, आप परेशान मत हों। ज्योतिष विद्या भी तभी सार्थक सिद्ध होती है, जब मनुष्य में कुछ करने का संकल्प हो। हस्तरेखाएं तो भाग्य नहीं बदल सकतीं, लेकिन मनुष्य में यदि पुरुषार्थ है, अभाग्य से लड़ने की शक्ति है तो उसकी नकारात्मक रेखाएं भी अपने रूप बदल सकती हैं। लगता है मेरे साथ ऐसा ही हुआ है। राज ज्योतिषी अवाक हो गए।

गीता डॉक्टर की भांति है। बस फर्क इतना ही है कि डॉक्टर शरीर के रोगों का इलाज करता है, जबकि गीता मन के रोगों का इलाज करती है और उन्हें दूर करने का मार्ग दिखाती है।

गीता में है जीवन का ज्ञान

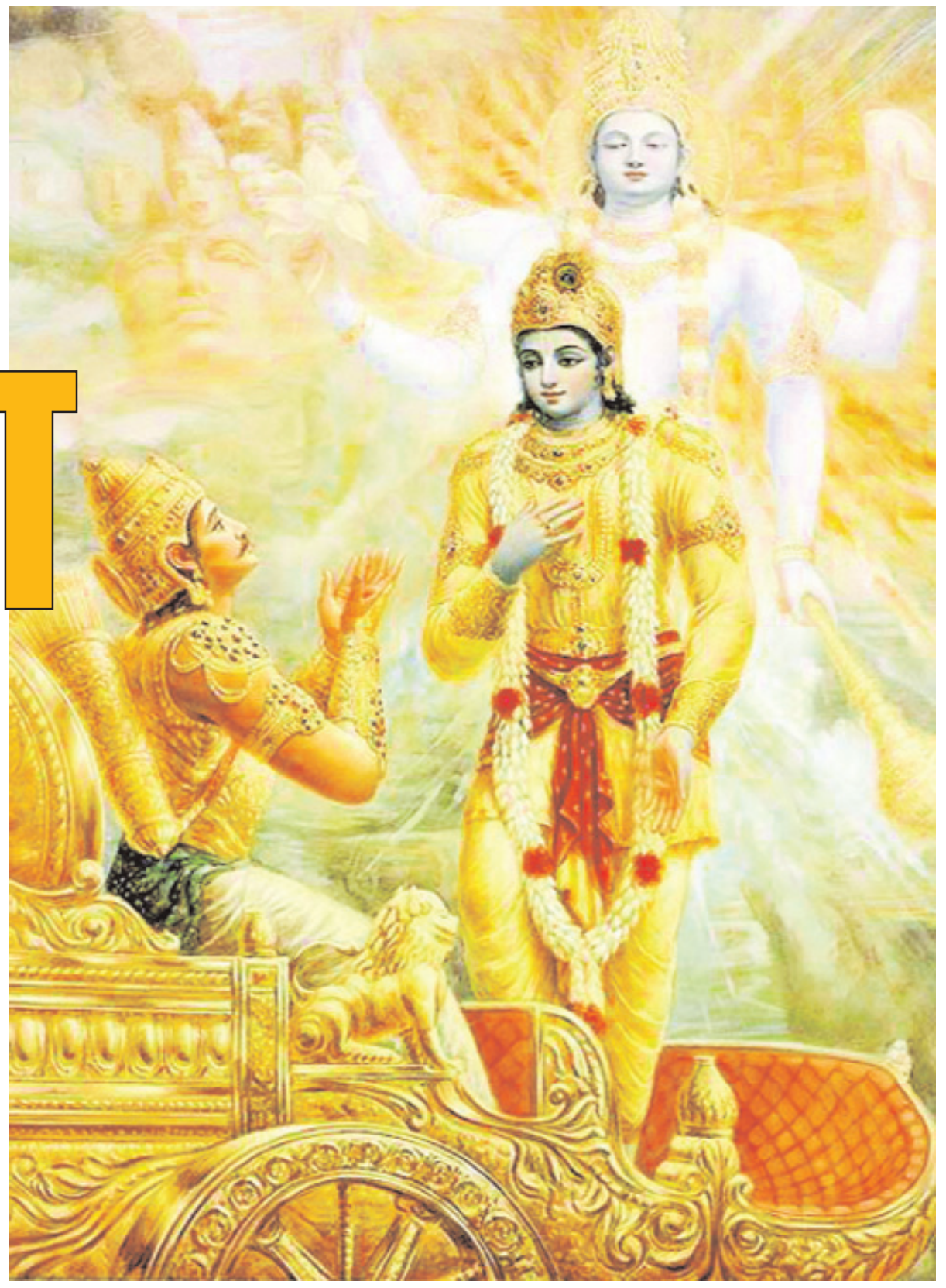

गीता का उपदेश जीवन की धारा है। चूंकि गीता में जीवन की सच्चाई छिपी है और इसमें जीवन में आने वाली दुश्वारियों के कारण व निवारण दोनों को ही विस्तार से समझाया गया है। इसलिए गीता के उपदेश विश्व भर में प्रसिद्ध हैं और हर वर्ग को प्रभावित करते हैं।

गीता डॉक्टर की भांति है। बस फर्क इतना ही है कि डॉक्टर शरीर के रोगों का इलाज करता है, जबकि गीता मन के रोगों का इलाज करती है और उन्हें दूर करने का मार्ग दिखाती है। जिस प्रकार डॉक्टर रोगी को रोग के निवारण के साथ-साथ उसके कारण भी बताता है। ठीक उसी प्रकार से गीता का अगर गहनता से अध्ययन किया जाए तो इससे मन के रोगों का कारण और निवारण दोनों का पता चल जाता है। गीता मन के रोगों को दूर करने का एक सशक्त माध्यम है।

गीता ज्ञान से मानव जीवन में मोह को भी आसानी से दूर किया जा सकता है। मोह जीवन लीला को धीरे-धीरे नष्ट कर देता है। जीवन में दुखों का सबसे बड़ा कारण मोह ही है। जीवन को अगर सफल बनाना है और मोह से मुक्ति पानी है तो गीता की शरण में जाना पड़ेगा। गीता से ज्ञान पा कर मानव मोक्ष को प्राप्त कर सकता है। गीता का ज्ञान मनुष्य को उसकी आत्मा के अमर होने के विषय में बोध करवा कर अपने कर्तव्य कर्म को पूर्ण निष्ठा से करने को प्रेरित करता है। परमात्मा ने मनुष्य को देह केवल भोग के लिए प्रदान नहीं की है, अपितु हमें इसका उपयोग मोक्ष प्राप्ति के लिए करना चाहिए।

साधू व नदी कभी एक स्थान पर नहीं रुकते और निरंतर आगे बढ़ते हुए विभिन्न स्थानों पर जन-जन के हृदयों में अपने ज्ञान व भक्ति के प्रभाव से उन्हें लाभांवित व आनंदित करते हैं। प्रत्येक मानव को पूरी श्रद्धा व निष्ठा से पर-उपकार के लिए तैयार रहना चाहिए और अपने ज्ञान से जगत को प्रकाश मान करने का प्रयास करते रहना चाहिए, असल में यही मानव धर्म है।

अगर श्रीमद्भगवद् गीता का अध्ययन नित्य करें, तो इस बात का आभास सहजता से होता है कि उसमें सिखाया कुछ नहीं गया है, बल्कि समझाया गया कि इस संसार का स्वरूप क्या है? उसमें यह कहीं नहीं कहा गया कि आप इस तरह चलें या उस तरह चलें, बल्कि यह बताया गया है कि किस तरह की चाल से आप किस तरह की छवि बनाएंगे? उसे पढ़कर मनुष्य कोई नया भाव नहीं सीखता, बल्कि संपूर्ण जीवन सहजता से व्यतीत करने के मार्ग पर चल पड़ता है।

सबसे महत्वपूर्ण बात यह है कि उसमें एक वैज्ञानिक सूत्र है कि 'गुण ही गुणों को बरतते हैं।' इसका मतलब यह है कि जैसे संकल्पों, विचारों तथा कर्मों से आदमी बंधा है, वैसा ही वह व्यवहार करेगा। उस पर खाने-पीने और रहने के कारण अच्छे तथा बुरे प्रभाव होंगे। सीधी बात यह है कि अगर आप यह चाहते हैं कि अपने ज्ञान के आईने में आप स्वयं को अच्छे लगें तो अपने संकल्प, विचारों तथा कर्मों में स्वच्छता के साथ अपनी खान-पान की आदतों तथा रहन-सहन के स्थान का चयन करना पड़ेगा।

अगर आप आने अंदर दोष देखते हैं तो विचलित होने की बजाय यह जानने का प्रयास करें कि आखिर वह किसी बुरे पदार्थ के ग्रहण करने या किसी व्यक्ति की संगत के परिणाम से आया है। जैसे ही आप गीता का अध्ययन करेंगे, आपको अपने अंदर भी ढेर सारे दोष दिखाई देंगे और उन्हें दूर करने का मार्ग भी पता लगेगा।

गीता किसी को प्रेम करना, अहिंसा में लिप्त होना नहीं सिखाती, बल्कि प्रेम और अहिंसा का भाव अंदर कैसे पैदा हो, यह समझाती है। सिखाने से प्रेम या अहिंसा का भाव नहीं पैदा होगा, बल्कि वैसे तत्वों से संपर्क रखकर ही ऐसा करना संभव है। कोई दूसरे को प्रेम नहीं सिखा सकता, क्योंकि जिस व्यक्ति का घृणा पैदा करने वाले तत्वों से संबंध है, उसमें प्रेम कहां से पैदा होगा?

श्रीमद्भगवद् गीता में चार प्रकार के भक्त बताए गए हैं। भगवान की भक्ति होती है तो जीव से प्रेम होता है। अतः भक्ति की तरह प्रेम करने वाले भी चार प्रकार के होते हैं-आर्ती, अर्थार्थी, जिज्ञासु तथा ज्ञानी। पहले बाकी तीन का प्रेम क्षणिक होता है जबकि ज्ञान का प्रेम हमेशा ही बना रहता है। अगर आपके पास तत्व ज्ञान है तो आप अपने पास प्रेम व्यक्त करने वालों की पहचान कर सकते हैं, नहीं तो कोई भी आपको हांक कर ले जाएगा और धोखा देगा।

जीवन का आधार है आध्यात्मिक ऊर्जा

ऊर्जा एक ऐसी अदृश्य शक्ति है, जिसे हम देख नहीं सकते, बल्कि उसका अनुभव कर सकते हैं। यही ऊर्जा हमारे जीवन का आधार है।

विज्ञान की भाषा

विज्ञान इन अदृश्य शक्तियों को एनर्जी कहता है। उदाहरण के लिए बिजली से बल्ब जलता है, पंखे चलते हैं, लेकिन हम बिजली को कभी नहीं देख पाते हैं। हम उसका न केवल कार्य, बल्कि परिणाम भी देखते हैं। उसके स्वरूप के बारे में जान पाना कठिन है। ठीक उसी प्रकार प्रत्येक जीव में ऊर्जा मौजूद होती है, जिससे जीव में प्राण-शक्ति का संचार होता रहता है। दूसरे शब्दों में कहें, तो इस प्राण-शक्ति को हम देख नहीं पाते हैं।

संसार के सभी प्राणियों में ऊर्जा मौजूद है। वास्तव में यह ऊर्जा हमारे जीवन का आधार है। इसे हम अणु, परमाणु, एनर्जी आदि नामों से जानते हैं। यानी अपनी सुविधा के अनुसार, हम ऊर्जा को अलग-अलग नाम दे देते हैं। यह एक ऐसी अदृश्य शक्ति है, जिसका हम केवल अनुभव ही कर सकते हैं, देख नहीं सकते। हम अपनी आंखों से तो पृथ्वी पर मौजूद सभी पदार्थों को देख लेते हैं, लेकिन ऊर्जा को देख पाना हमारे लिए संभव ही नहीं हो पाता है। लेकिन उन्हें महसूस जरूर कर सकते हैं। लेकिन फिर भी इन अदृश्य शक्तियों के अस्तित्व को अस्वीकार कर पाना हमारे लिए असंभव होता है।

ऊर्जा और अध्यात्म का संबंध

अध्यात्म की भाषा में ऊर्जा को न केवल प्राण-वायु या आत्मा कहा जाता है, बल्कि जीव को ईश्वर का अंश भी माना जाता है। यह ऊर्जा ही है, जो सभी जीवों को जिंदा रखने में मदद करता है। हम देखते हैं कि अदृश्य शक्ति, यानी ऊर्जा के सहारे हमारे शरीर के सभी अंग सुचारू रूप से काम करते हैं। जैसे ही वह अदृश्य-शक्ति की लोप होती है, हमारे शरीर की सभी क्रियाएं बंद हो जाती हैं। शरीर के सभी अंग-आंख, नाक, कान, यहां तक कि इंद्रियां भी काम करना बंद कर देती हैं और शरीर निष्क्रिय हो जाता है।

हम यह सोचने के लिए मजबूर हो जाते हैं कि आखिर वह कौन सी शक्ति है, जो हमारे अंगों को संचालित करती है? आज का विज्ञान भले ही चांद, तारों और ग्रहों के बारे में हमें जानकारी देता हो, लेकिन आज भी इस अदृश्य-शक्ति को समझने की क्षमता अभी तक विज्ञान के पास नहीं है। शायद इसलिए कहा जाता है कि जहां विज्ञान की सीमा समाप्त हो जाती है, वहीं से महा विज्ञान शुरू हो जाता है। वास्तव में यह महाविज्ञान अध्यात्म है, जीवन दर्शन है। हमारा जीवन-दर्शन न केवल जीवन के अनुभवों के बारे में बताता है, बल्कि जीवन के रहस्यों को भी समझने का प्रयास करता है। यही वजह है कि इसकी पढ़ाई विद्यालयों या महाविद्यालयों में नहीं होती है। ऋषि-मुनियों ने वर्षों पूर्व ऐसे ही रहस्यों को समझने की कोशिश की थी। यदि इस रहस्य को समझने की स्थिति में जीव आ जाता है, तो उसे जीवन-शक्ति का अनुभव भी होने लगता है।

जीवन-शक्ति का अनुभव प्राप्त करने के लिए हमे सबसे पहले ऊर्जा के अदृश्य स्वरूप का अनुभव प्राप्त करना पड़ेगा, क्योंकि जैसा कि हम सभी जानते हैं कि जीवन-शक्ति का केवल अनुभव किया जा सकता है, देखा या परखा नहीं जा सकता है। हमारी आंखें देखती हैं, कान सुनता है, लेकिन इस देखने और सुनने की प्रक्रिया को हम केवल अनुभव कर सकते हैं। यदि हम अपने अनुभवों को न केवल अपने अंतर्मन में उतार लेते हैं, बल्कि इस प्रक्रिया के आदी भी हो जाते हैं, तो इसे ही साधना कहा जाता है। यह साधना ही है, जिसके माध्यम से व्यक्ति अपने जीवन-शक्ति का अनुभव करने लगता है। इसके लिए हमें आत्म-केंद्रित होना अति आवश्यक होता है।

स्वत्वाधिकार प्रकाशन एवं मुद्रक राजकुमार आमेटा के लिए स्मार्ट कम्प्यूटर्स एण्ड प्रिन्टर्स, कोर्ट के सामने, माण्डलगढ़ से प्रकाशित एवं मुद्रित। मो. 9649222850 Email.smarthalchalnews@gmail.com